धनबाद
शुक्रवार 06.12.2024
मूल्य- ₹ 1.50
वर्ष-30 अंक-282 पृष्ठ- 12
अग्रहन शुक्ल पक्ष-5
संवत 2081

झारखण्ड से प्रकाशित सर्वाधिक लोकप्रिय दैनिक

# बिहार ऑबजर्वर

# हेमंत मंत्रिमंडल का हुआ विस्तार, 11 मंत्रियों ने ली शपथ, छह नए चेहरे शामिल

**रांची (एजेंसी):** हेमंत मंत्रिमंडल का गुरुवार को गठन हो गया.

११ मंत्रियों को राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने राजभवन के अशोक उद्यान में आयोजित शपथ ग्रहण समारोह में पद एवं गोपनियता की शपथ दिलाई. सबसे पहले राज्यपाल ने प्रोफेसर स्टीफन मरांडी को प्रोटेम स्पीकर के पद की शपथ दिलाई.

वहीं मंत्री के रूप में राधाकृष्ण किशोर ने सबसे पहले मंत्री पद की शपथ ली. इसके बाद दीपक बिरूआ, चमरा सिंडा, संजय प्रसाद यादव, रामदास सोरेन, इरफान अंसारी, हफीजुल हसन, दीपिका पांडेय सिंह, योगेंद्र प्रसाद, सुदिव्य कुमार और शिल्पी नेहा तिर्की ने मंत्री पद की शपथ ली. हफीजुल हसन ने उर्दू में पद और गोपनियता की शपथ ली.

इस मंत्रिमंडल में छह नए चेहरों को जगह दी गई है.

नए चेहरों में झामुमो के चमरा लिंडा, सुदिव्य सोनू और योगेंद्र प्रताप, कांग्रेस की ओर से शिल्पी नेहा तिर्की और राधा कृष्ण किशोर और राजद की ओर गोड्डा विधायक संजय प्रसाद यादव को हेमंत कैबिनेट में जगह मिली है. इस मंत्रिमंडल में झामुमो के छह, कांग्रेस के चार और राजद के एक विधायक को जगह मिली है.

**पांचों प्रमंडल को साधने की कोशिश**

हेमंत कैबिनेट में संथाल परगना से चार विधायकों को मंत्रिमंडल में जगह दी गई है.

इसमें मधुपुर से हफीजुल अंसारी, जामताड़ा से डॉ इरफान अंसारी, महगामा से दीपिका पांडेय सिंह और गोड्डा से संजय प्रसाद यादव शामिल हैं. पलामू प्रमंडल से कांग्रेस विधायक राधाकृष्ण किशोर को शामिल किया गया है.

कोल्हान से रामदास सोरेन और दीपक बिरूआ, दक्षिणी छोटानागपुर से दो और कोयलांचल से दो विधायकों को मंत्रिमंडल में शामिल किया गया है.

**जेएमएम कोटे से बने मंत्री**

रामदास सोरेन (घाटशिला)
दीपक बिरुआ (चाईबासा)
हाफिजुल हसन अंसारी (मधुपुर)
चमरा लिंडा (विशुनपुर)
सुदिव्य सोनू (गिरिडीह)
योगेंद्र प्रताप (गोमिया)

**कांग्रेस कोटे से बने मंत्री**

डॉ. इरफ़ान अंसारी (जामताड़ा)
दीपका पांडेय सिंह (महगामा)
शिल्पी नेहा तिर्की (मांडर)
राधाकृष्णा किशोर (छतरपुर)

**राजद कोटे से बने मंत्री**

संजय प्रसाद यादव (गोड्डा)

## हेमंत कैबिनेट की बैठक आज

**रांची (एजेंसी):** हेमंत कैबिनेट की बैठक छह दिसंबर को होगी. इसमें कई जनकल्याणकारी योजनाओं पर फैसले लिए जा सकते हैं. बैठक छह दिसंबर को दोपहर तीन बजे से प्रोजेक्ट भवन में शुरू होगी. बताते चलें कि गुरुवार को हेमंत मंत्रिमंडल का विस्तार हो गया. कुल ११ मंत्रियों को राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने पद एवं गोपनियता की शपथ दिलाई.

## झारखंड आंदोलनकारियों को बड़ा तोहफा सीएम ने 30वीं संपुष्ट सूची को दी मंजूरी

**रांची (एजेंसी):** मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन राज्य की बागडोर संभालने के साथ एक्शन मोड में आ चुके हैं. उन्होंने गुरुवार को नई सरकार के मंत्रियों के शपथ ग्रहण के साथ झारखंड आंदोलनकारियों को बड़ा तोहफा दिया. मुख्यमंत्री ने झारखंड आंदोलनकारी चिह्नितिकरण आयोग द्वारा चिह्नित २९९ आंदोलनकारियों की ३०वीं संपुष्ट

सूची को मंजूरी प्रदान कर दी है. इनमें १४४ चिह्नित आंदोलनकारी या उनके आश्रित को ३५०० रुपए, जबकि एक आंदोलनकारी को ७ हजार रुपए मासिक पेंशन मिलेगी.

वहीं १५४ आंदोलन कारियों को प्रतीक चिह्न व प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया जाएगा. इन सभी को २० अप्रैल २०२१ की तिथि से सरकार द्वारा अनुमान्य सभी सुविधाएं दी जाएंगी.

## उच्च न्यायालय के न्यायाधीशों की सेवानिवृत्ति की आयु बढ़ाने का कोई प्रस्ताव नहीं: केंद्र सरकार

**नई दिल्ली (ईएमएस):** केंद्र सरकार ने बृहस्पतिवार को राज्यसभा में कहा कि उच्चतम न्यायालय और उच्च न्यायालय के न्यायाधीशों की सेवानिवृत्ति की आयु बढ़ाने का कोई प्रस्ताव नहीं है। सरकार ने साथ ही यह भी रेखांकित किया कि न्यायाधीशों के लिए सेवानिवृत्ति के बाद के कार्यों के लिए संविधान में किसी भी 'कूलिंग ऑफ अवधि का कोई उल्लेख नहीं है।

उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश ६५ साल की उम्र में जबकि उच्च न्यायालयों के न्यायाधीश ६२ साल की उम्र में सेवानिवृत्त होते हैं। जिला न्यायाधीश ६० वर्ष की आयु में सेवानिवृत्त होते हैं। विधि मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने कहा, ''उच्चतम न्यायालय और उच्च न्यायालयों के न्यायाधीशों की सेवानिवृत्ति आयु बढ़ाने का कोई प्रस्ताव नहीं है।

संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन सरकार के दूसरे कार्यकाल में सरकार ने उच्च न्यायालयों के न्यायाधीशों की सेवानिवृत्ति उम्र को उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीशों के बराबर करने के लिए लोकसभा में संविधान संशोधन विधेयक पेश किया था। लेकिन विधेयक को सदन में विचार के लिए नहीं लाए जाने के कारण यह निरस्त हो गया।

प्रश्नकाल के दौरान पूरक प्रश्न पूछते हुए आम आदमी पार्टी के राघव चड्ढा ने कहा किसेवानिवृत्ति के बाद न्यायाधीशों को कार्यकारी और राजनीतिक भूमिकाएं दी गई हैं। उन्होंने कहा कि कुछ सेवानिवृत्ति न्यायाधीश सदस्य के रूप में राज्यसभा में आते हैं तो कुछ सेवानिवृत्ति के बाद राज्यपाल बनते हैं। उन्होंने दावा किया कि इससे लोगों के मन में कई सवाल उठते हैं।

## अब ट्रैफिक व्यवस्था संभालेंगे ट्रांसजेंडर, सिग्नल तोड़ने वालों पर कसेंगे नकेल

**हैदराबाद (ईएमएस):** हैदराबाद की सडक़ों पर अब आपको ट्रैफिक व्यवस्था संभालते ट्रांसजेंडर नजर आएगा। हैदराबाद पुलिस ने ४४ ट्रांसजेंडरों को ट्रैफिक असिस्टेंट के तौर पर भर्ती किया है। गोशामहल पुलिस ग्राउंड पर फिजिकल टेस्ट के लिए ५८ ट्रांसजेंडर पहुंचे थे। इन्हें दौड़, लंबी कूद और शॉट पुट के आधार पर परखा गया। इसके बाद ४४ ट्रांसजेंडरों का चयन किया गया। इसमें से २९ महिला ट्रांसजेंडर और १५ पुरुष ट्रांसजेंडर हैं।

भर्ती प्रक्रिया के दौरान हैदराबाद पुलिस कमिश्नर सीवी आनंद भी मौजूद रहे। उन्होंने कहा कि आप सभी अपने समुदाय के लोगों के लिए आदर्श हैं। आपको बता दें कि तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने ट्रांसजेंडरों को ट्रैफिक असिस्टेंट के तौर पर भर्ती करने के लिए कहा था। मुख्यमंत्री के आदेश का पालत करते हुए महिला एवं बाल कल्याण विभाग, गृह मंत्रालय के मुख्य सचिव और हैदराबाद के पुलिस कमिश्नर ने ट्रांसजेंडरों के साथ एक मीटिंग की और उन्हें भर्ती प्रकिया की जानकारी दी थी।

## इसरो ने फिर रचा कीर्तिमान, यूरोपीय अंतरिक्ष एर्जेंसी के मिशन को सफलतापूर्वक किया प्रक्षेपित

### प्रोबा-3 मिशन के जरिए सूर्य की स्टडी की जाएगी

**श्रीहरिकोटा (ईएमएस):** इंडियन स्पेस रिसर्च ऑर्गनाइजेशन ने प्रोबा-३ मिशन लॉन्च किया। श्रीहरिकोटा के सतीश धवन स्पेस सेंटर से इस मिशन को गुरुवार पोलर सैटेलाइट लॉन्च व्हीकल से लॉन्च किया गया। ये मिशन यूरोपियन स्पेस एर्जेंसी का है। इसका उद्देश्य दो उपग्रहों कोरोनोग्राफ और ऑकुल्टर के जरिए सूर्य के बाहरी वातावरण की स्टडी करना है। इसरो इस मिशन को बुधवार शाम को लॉन्च करने वाला था, लेकिन तकनीकी दिक्कत के कारण इसकी लॉन्चिंग को एक दिन टाल दिया था।

दोनों सैटेलाइट पृथ्वी की अण्डाकार कक्षा में चक्कर लगाएंगे। पृथ्वी से इनकी सबसे ज्यादा दूसरी ६०,५३० किमी और सबसे कम दूसरी लगभग ६०० किमी होगी। इस कक्षा में दोनों सैटेलाइट एक दूसरे से १५० मीटर की दूरी रखने में सक्षम होंगे और एक यूनिट की तरह काम करेंगे। ऑकुल्टर सैटेलाइट में १.४-मीटर की ऑकुलेटिंग डिस्क लगी है जिसे सूर्य की चमकदार डिस्क को ब्लॉक करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। इससे कृत्रिम सूर्य ग्रहण होता है।

## फडणवीस तीसरी बार बने महाराष्ट्र के सीएम

### मोदी और शाह की मौजूदगी में हुआ शपथ ग्रहण समारोह ● शिंदे और पवार ने डिप्टी सीएम पद की ली शपथ

**मुंबई (ईएमएस):** मुंबई के आजाद मैदान में देवेंद्र फडणवीस ने पीएम मोदी, शाह और नड्डा की मौजूदगी में तीसरी बार मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। उनके साथ ही अजित पवार ओर एकनाथ शिंदे ने डिप्टी सीएम पद की शपथ ग्रहण की है।

मुंबई के आजाद मैदान में आयोजित शपथ ग्रहण समारोह में गुरुवार शाम ५.३० बजे देवेंद्र फडणवीस ने महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री पद की शपथ ग्रहण की। शपथ ग्रहण समारोह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधियां, केंद्रीय मंत्री और भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा, बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ और आंध्र प्रदेश के सीएम चंद्रबाबू नायडू समेत कई राज्यों के मुख्यमंत्रियों ने शिरकत की।

महायुति सरकार के शपथ ग्रहण समारोह में आदित्य बिड़ला समूह के चेयरमैन कुमार मंगलम बिड़ला के साथ ही फिल्मी दुनियां की हस्तियां भी शामिल हुई। इनमें बॉलिबुड के किंग खान शाहरुख खान, दबंग हीरो सलमान खान और संजय दत्त के साथ ही दुनियां के मशहूर क्रिकेटर रहे सचिन तेंदुलकर जैसी तमाम हस्तियां मौजूद रहीं हैं। मुंबई के आजाद मैदान में शपथ ग्रहण समारोह के लिए तीन मंच सजाए गए थे। इनमें से पहला मंच मुख्य शपथ ग्रहण समारोह के लिए बनाया गया था जबकि दूसरा मंच धार्मिक गुरुओं के लिए था और तीसरा मंच सांस्कृतिक कार्यक्रमों के लिए बनाया गया था।

## कृषि क्षेत्र की चुनौतियों से निपटने में मदद करें, राष्ट्रपति मुर्मू का वैज्ञानिकों से आह्वान

**भुवनेश्वर (ईएमएस):** राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने गुरुवार को कृषि क्षेत्र के वैज्ञानिकों से ऐसी तकनीक विकसित करने और प्रसारित करने का आह्वान किया, जो कि प्राकृतिक आपदाओं, जलवायु परिवर्तन के भयानक प्रभावों और संसाधनों के अत्याधिक दोहन की समस्याओं से निपटने में मदद करे। राष्ट्रपति ने यह टिप्पणी ओडिशा कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के ४०वें दीक्षांत समारोह में संबोधन के दौरान की।

उन्होंने कृषि वैज्ञानिकों से अपील की कि वह आगे आकर मृदा, पानी और पर्यावरण को जलवायु परिवर्तन से बचाने के लिए नए विचार लाएं। राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा, कृषि वैज्ञानिकों के पास ऐसे मुद्दों से निपटने की अहम जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा, रासायनिक फर्टिलाइजर्स और कीटनाशकों ने इस क्षेत्र के लिए नई चुनौतियां खड़ी कर दी हैं। इनका मृदा, पानी और पर्यावरण पर पड़ने वाला प्रभाव हम सभी के लिए चिंता की बात है।

## भारत और पाकिस्तान ने मिलकर बचाई 12 की जान

**मुंबई (ईएमएस):** भारतीय तटरक्षक बल (आईसीजी) और पाकिस्तानी मरीन सिक्योरिटी एजेंसी (एमएसए) ने मिलकर एक अभूतपूर्व बचाव मिशन को अंजाम दिया है। इस मिशन के तहत ०४ दिसंबर को भारतीय नाव एमएसवी एआई पिरानपीर के १२ नाविकों को बचाया गया है।

**समंदर में डूब रही भारतीय नाव से सुरक्षित निकाले नाविक**

यह नाव पोरबंदर, भारत से ईरान के बंदरगाह अब्बास जा रही थी, जब खराब समुद्री मौसम के कारण नाव की स्थिति बिगड़ने लगी। नाव पर सवार क्रू मेंबर्स ने डूबने की सूचना देते हुए एक आपातकालीन कॉल किया, जिसे भारतीय तटरक्षक बल के मुंबई स्थित एमआरसी सेंटर ने रिसीव किया। इसके बाद भारतीय तटरक्षक बल (आईसीजी) और पाकिस्तानी एमएसए ने मिलकर डूब रहे भारतीय नाव एमएसवी एआई पिरानपीर से १२ लोगों को बचा लिया।

## प्रधानमंत्री और गृह मंत्री के समक्ष जम्मू-कश्मीर को राज्य का दर्जा बहाल करने का मुद्दा उठाएंगे उमर अब्दुल्ला

**श्रीनगर (ईएमएस):** जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने कहा कि वह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह के समक्ष जम्मू-कश्मीर को राज्य का दर्जा बहाल करने का मुद्दा उठाएंगे।

एसकेआईएमएस अस्पताल के ४२वें स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित एक समारोह में भाग लेने के बाद अब्दुल्ला ने संवाददाताओं से कहा, प्रधानमंत्री और गृह मंत्री महाराष्ट्र और झारखंड में चुनावों में व्यस्त थे। लेकिन अब उनके पास समय है, इसलिए इस मुद्दे को उठाया जाएगा ताकि जम्मू-कश्मीर को राज्य का दर्जा जल्द बहाल किया जा सके।

नेशनल कॉन्फ्रेंस के संस्थापक शेख मोहम्मद अब्दुल्ला की जयंती पर १९८२ में इसी दिन तृतीयक देखभाल अस्पताल की नींव रखी गई थी, उनके निधन के तीन महीने से भी कम समय बाद। यह पूछे जाने पर कि क्या एनसी संस्थापक की जयंती पर छुट्टी बहाल की जाएगी, मुख्यमंत्री ने कहा कि जम्मू-कश्मीर में कई चीजें हैं जिन्हें वापस लाने की जरूरत है, लेकिन प्राथमिकता पहले इसका राज्य का दर्जा बहाल करना है।

अब्दुल्ला ने कहा, और भी कई तारीखें हैं, लेकिन हमें एक बड़ी लड़ाई लड़नी है। हमें जम्मू-कश्मीर के राज्य का दर्जा बहाल करने के लिए लड़ना है। हमें उम्मीद है कि प्रधानमंत्री हमसे नहीं, बल्कि लोकसभा चुनाव और उसके बाद हुए विधानसभा चुनावों के दौरान जम्मू-कश्मीर के लोगों से किए गए अपने वादे को पूरा करेंगे। चुनावों में लोगों की भारी भागीदारी देखी गई। लोगों को जबरन बूथों पर ले जाने की कोई शिकायत नहीं थी। बल्कि, वे खुद गए और इस उम्मीद के साथ चुनावों को बड़ी सफलता दिलाई कि उनसे किए गए वादे, खासकर जम्मू-कश्मीर का राज्य का दर्जा बहाल करने के वादे पूरे होंगे।

## सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी की ठेकेदारों को चेतावनी

**नई दिल्ली (ईएमएस):** केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने गुरुवार को लोकसभा में अपने मंत्रालय से जुड़े कार्यों और सदस्यों के सवालों के जवाब दिए। इस दौरान गडकरी ने सड़क दुर्घटनाओं में होने वाली मौतों पर रोष जाहिर किया। इतना ही नहीं, उन्होंने सड़क परियोजनाओं में कॉन्ट्रैक्टर्स की लापरवाही से लेकर टोल केंद्रों की संख्या को लेकर भी जवाब दिया।

दरअसल, राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी (आरएलपी) के सांसद हनुमान बेनीवाल ने लोकसभा में दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे की खामिया गिनाईं थीं और १५० से ज्यादा लोगों की मौत की बात कही थी। नागौर से सांसद ने बताया था कि अकेले दौसा में ही

५० से ज्यादा लोगों की मौतें हुई हैं। उन्होंने एक्सप्रेस-वे पर लगाए गए ठेकेदारों और अफसरों पर कार्रवाई और जांच रिपोर्ट को लेकर केंद्रीय मंत्री से जानकारी मांगी थी। इस पर गडकरी ने कहा, यह देश का सबसे लंबा एक्सप्रेस-वे है और वैश्विक स्तर पर सबसे कम समय में बनाया गया है। इसकी कीमत एक लाख करोड़ रुपये है। केंद्रीय मंत्री ने अपने जवाब में कहा कि लेयर में फर्क आया है, लेकिन मैटेरियल में

**ठीक से काम नहीं किया तो बुलडोजर के नीचे डाल देंगे**

बदमाशी नहीं हुई है। कुछ जगह पर लेयर जरूर दब गई है, जिसका पता चला। हमने इसको सुधारने के लिए कहा था, जिसे सुधारा गया है। जहां लेयर में फर्क आया है, उसके लिए ४ ठेकेदारों को हमने जिम्मेदार ठहराया और उनको नोटिस देकर कड़ी कार्रवाई करेंगे। जो अधिकारी हैं, उनके खिलाफ भी कार्रवाई की जाएगी।

गडकरी ने कहा कि अगर ऐसे क्वालिटी से जुड़ा खराब काम कॉन्ट्रैक्टर करता है तो वो छह महीने तक कोई टेंडर नहीं भर सकेगा। ऐसी नीति हमने बनाई है और अधिकारी जो हैं, उनको भी विशेष रूप से इसमें कार्रवाई कर के नौकरी से सस्पेंड करेंगे। पीएम मोदी के नेतृत्व में मेरे विभाग ने ५० लाख करोड़ के कार्य किए हैं। किसी भी कॉन्ट्रैक्टर को अपने कॉन्ट्रैक्ट के लिए मंत्रालय नहीं आना पड़ा। हम पारदर्शी हैं, समय सीमा को लेकर प्रतिबद्ध हैं और नतीजे चाहते हैं। मैं सार्वजनिक सभा में कह चुका हूं कि अगर कॉन्ट्रैक्टर काम नहीं करेगा तो बुलडोजर के नीचे उसको डलवा देंगे, याद रखना। इस साल देखो कॉन्ट्रैक्टर को कैसे ब्लैक लिस्ट करवाते हैं। इनको बिल्कुल ठोक पीट कर सीधा कर देंगे। हम किसी के साथ कॉम्प्रोमाइज नहीं करते हैं।

गडकरी ने लोकसभा में सड़क दुर्घटनाओं के आंकड़ों पर भी चिंता जताई। उन्होंने कहा कि तमाम कोशिशों के बावजूद देश में सड़क हादसों की वजह से एक साल के अंदर १.६८ लाख लोगों की मौत हुई है। इन दुर्घटनाओं में मरने वालों में ६० फीसदी युवा थे।

उन्होंने सदन में कहा कि यह स्थिति दुखद है और इसे रोकने के लिए समाज को सहयोग करना होगा। गडकरी ने कहा, ''दुख के साथ कहना पड़ रहा है कि कोशिश करने के बावजूद एक साल में १.६८ लाख मौत हुई हैं। ये लोग दंगों में नहीं, सड़क हादसों में मारे गए। उन्होंने कहा कि मरने वालों में ६० फीसदी लडक़े-लड़कियां थे।

# 15 जनवरी को परिणय सूत्र में बंधेंगे 101 जोडे : प्रदीप सिंह

**धनबाद (कासं) :** गुरुवार को हीरापुर स्थित वेडिंग ब्लिस मैरिज गार्डन में सर्वधर्म सामूहिक विवाह समिति की बैठक समिति के अध्यक्ष मंजीत सिंह की अध्यक्षता में की गई।

**गोल्फ ग्राउंड में संपन्न होगा सामूहिक विवाह कार्यक्रम**

समिति के अध्यक्ष प्रदीप कुमार सिंह ने बताया कि लगातार ११ वर्ष से सामूहिक विवाह समिति के द्वारा विवाह कार्यक्रम कराया जा रहा है। इसी कड़ी में १५ जनवरी को १०१ जोड़ों का विवाह कराया जायेगा। इसके लिए रजिस्ट्रेशन शुरू कर दिया गया है। अभी तक कुल १४ जोड़ों ने रजिस्ट्रेशन फॉर्म ले चुके हैं।

फार्म बेकारबांध स्थित पंडित डेकोरेटर में नि:शुल्क दी जा रही है। सामूहिक विवाह में सभी धर्मो का विवाह अपनी-अपनी रीतिरिवाज से कराया जाता है। समिति धनबाद का सबसे गौरवशाली कार्यक्रम सर्वधर्म सामूहिक विवाह विगत १० वर्षों से करते आ रहे हैं। जिसमें किसी वर्ष १०१ या १११ बालिग बच्चेबच्चियों का विवाह कराया जा चुका है।

सभी धर्म के बच्चे एवं बच्चियों की शादी एक मंच पर की जाती है। इसमें विशाल मंच बनाया जाता है।

जिसमें सभी १०१ दूल्हा और दुल्हन बैठते हैं और सामने बैठे हजारों लोग इस ऐतिहासिक विवाह के साक्षी बनते हैं। जिसका बहुत ही अद्भुत और मनोरम नजारा होता है। जिसमें बच्चों और बच्चियों के धर्म के रीति रिवाज के अनुसार विवाह कराया जाता है। जिसके हर वर्ष पूरे झारखंड के विभिन्न जिलों से हजारों लोग साक्षी रहते हैं। सामूहिक विवाह में धनबाद के कई संस्थाओं का सहयोग रहता है। जोड़ों को जरूरी सामान उपहार के तौर पर दिया जाता है। समिति के चेयरमैन मंजीत सिंह ने बताया कि विवाह के लिए लड़कियों की उम्र १८ वर्ष और लडकों की २१ वर्ष से कम नहीं होनी चाहिए। फॉर्म भरने की अंतिम तिथि ५ जनवरी तक रखी गई है।

समिति की महिला विंग की जया सिंह ने बताया की इस यादयार सर्वधर्म विवाह में समिति की महिला सदस्याओं की अहम भूमिका रहती है। मेहंदी रस्म से लेकर हल्दी तक की पारंपरिक वयवस्था रहती है। बारात और शरात के लिए भोजन की भी व्यवस्था की जाती है।

बैठक में द्वारका प्रसाद तिवारी, भगतजी भगत, दिलीप सिंह, तारक नाथ, समीरन सरकार, जितेंद्र मालाकार, संगीता जायसवाल, अनु, नवीन गुप्ता आदी मौजूद थे।

# हिंदुओं पर अत्याचार के खिलाफ विरोधप्रदर्शन

**धनबाद (कासं) :** बांग्लादेश में हिन्दुओं पर हो रहे अत्याचार के खिलाफ गुरुवार की संध्या शहीद चौक में सनातन धर्म समिति चिरकुंडा द्वारा विरोध प्रदर्शन किया गया। इस दौरान सभी हाथों में तख्ती थे। जिसमें लिखा हुआ था कि बांग्लादेश में हिंदुओं पर अत्याचार करना बंद करो।

साथ ही बांग्लादेश द्वारा की जा रही हरकतें के खिलाफ जमकर नारेबाजी की गई। हिंदू संत चिन्मय में कृष्ण दास प्रभु के रिहाई की मांग की। पूरे मामले में भारत सरकार को पहल करने की अपील की। विरोध प्रदर्शन का नेतृत्व कर रहे रंजीत रवानी ने कहा कि पिछले कुछ महीनो से लगातार बांग्लादेश में हिंदुओं पर बेरोटोक अत्याचार किया जा रहा है।

मंदिरों तो तोड़ा जा रहा है, साधू संत पर अत्याचार किया जा रहा है। जिसे किसी भी हाल में सनातनी बर्दाश्त नहीं करेंगे। साथ ही स्कूल के इस्कॉन के महाप्रभु हिंदू संत चिन्मय में कृष्ण दास को तत्काल बांग्लादेश रिहाई करें। अन्यथा भारत में उसके खिलाफ जोरदार आंदोलन किया जाएगा। इस दौरान काफी संख्या में युवक उपस्थित थे।

# दिव्यांगता प्रमाणपत्र शिविर आयोजित

**धनबाद (कासं) :** गुरुवार को सिविल सर्जन और डीएलएसए सचिव के संयुक्त प्रयासों से पहला कदम स्कूल में एक विशेष शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर का उद्देश्य दिव्यांग व्यक्तियों और उनके अभिभावकों को विभिन्न सरकारी प्रमाणपत्र प्रदान करना था। शिविर का आयोजन बड़ी सफलता के साथ हुआ। जिससे सैकड़ों लोगों को लाभ हुआ। इस शिविर के दौरान करीब २० लोगों को दिव्यांगता प्रमाणपत्र प्रदान किया गया। इसके अलावा १० लीगल गार्डियनशिप सर्टिफिकेट, १० निरामय स्वास्थ्य बीमा, और २५ यूडीआईडी कार्ड (यूनिवर्सल डिसएबिलिटी आईडी) प्रदान किए गए। साथ ही शिविर में लगभग ५० नए आवेदन भी प्राप्त किए गए।

पहला कदम स्कूल के प्रबंधन और स्थानीय प्रशासन की इस पहल से दिव्यांग व्यक्तियों को उनके अधिकारों और सरकारी योजनाओं का लाभ उठाने का एक बेहतरीन अवसर मिला। इस कार्यक्रम से न केवल दिव्यांग व्यक्तियों को सरकारी योजनाओं का लाभ मिला, बल्कि उनके जीवन में भी सकारात्मक बदलाव आया है।

# पिजन ब्रांड के ब्रांच मैनेजर पर स्कीम चोरी का आरोप

**धनबाद (कासं) :** कीचन अप्लायंसेज की कंपनी पिजन ब्रांड के ब्रांच मैनेजर श्यामल दास के खिलाफ धनबाद के दुकानदारों ने मोर्चा खोल दिया है। गुरुवार को जिला चैंबर ऑफ़ कॉमर्स के उपाध्यक्ष मनोरंजन सिंह एवं धनबाद जिले के विभिन्न क्षेत्रों के दुकानदारों ने गांधी सेवा सदन में प्रेस कॉन्फ्रेंस के माध्यम से श्यामल दास की धोखाधडी का कच्चा चिट्ठा खोला। मनोरंजन सिंह ने बताया कि पिजन कंपनी समयसमय पर स्कीम चलाती रहती है पर श्यामल दास की हेराफेरी की वजह से कंपनी की वह ओरिजनल स्कीम दुकानदारों तक नहीं पहुँचती है। अभी हाल ही में दुर्गापूजा दीपावली धनतेरस के समय भी कंपनी ने स्कीम निकाला पर श्यामल दास की हेराफेरी के कारण उचित स्कीम दुकानदारों तक नहीं पहुंच पाया।

इस वर्ष २०२४२५ के दूसरे क्वार्टर की लिस्ट भी आई थी जिसमें दुर्गापूजा, दिवाली व छठ को लेकर विभिन्न प्रकार की स्कीम दी गई थी एवं कुछ प्रोडक्ट में रेट कंपनी द्वारा कम करके भी दिया गया। झारखंड केबीएम श्यामल दास और उनकी टीम के द्वारा यह लिस्ट हमें एक माह विलंब से दी गई। जिसमें कई प्रकार की छेड़छाड़ की हुई थी।

उन्होंने कहा कि कंपनी के नेशनल सेल्स हेड से फोन पर

शिकायत कि गई पर जवाब उसके उलट मिला। कहा गया कि यह स्टॉक एक्सचेंज की लिस्टेड कंपनी इतनी चोरी लाजमी है। अब ऐसे में कोई कार्यवाही नहीं करना भी इन्वेस्टर के मन में शंका पैदा करता है।

# भाजपा नेत्री तारा देवी ने जरूरतमंदों के बीच बांटे कंबल

**सिंदरी (ससे) :** गुरुवार को साईं मंदिर सिंदरी के समीप पूर्व विधायक इंद्रजीत महतो की पत्नी सह वरिष्ट भाजपा नेत्री तारा देवी ने जरूरतमंद लोगों के बीच कंबल वितरण की। कार्यक्रम में तारा देवी के साथ प्रजन्या बीएड कॉलेज के शिक्षक एवं छात्रों ने भी सक्रिय भूमिका निभाई। कार्यक्रम का संचालन सिंदरी गुरुद्वारा प्रधान एवं बीएड कॉलेज बलियापुर की प्राचार्य स्मृति नागी ने किया।

तारा देवी ने कहा कि हमारा परिवार सिंदरी विधानसभा के हर व्यक्ति के साथ हरदम रहा है और रहेगा। कंबल वितरण करने का उदेश्य ठंड के मौसम में जरूरतमंद लोगों को राहत प्रदान करना है। सर्दियों के मौसम में गरीब और बेसहारा लोगों को ठंड से बचाव के लिए कंबल वितरित करना एक पुण्य कार्य है। तारा देवी ने कहा कि समाज में जरूरतमंद लोगों की मदद करना हमारी नैतिक जिम्मेदारी है। कंबल वितरण जैसे कार्य न केवल जरूरतमंदों को राहत देंते हैं, बल्कि समाज के अन्य वर्गों को भी सेवा और परोपकार की भावना को जागृत करते हैं। उन्होंने कंबल वितरण के दौरान लोगों से बातचीत की और उनकी समस्याओं को समझने का प्रयास किया।

कार्यक्रम के दौरान कंबल प्राप्त करने वाले जरूरतमंद लोगों ने इस पहल की सराहना की। एक वृद्ध महिला ने कहा कि ठंड के इस मौसम में हमें कंबल मिलना किसी वरदान से कम नहीं है। पूर्व विधायक प्रत्याशी तारा देवी और उनकी टीम ने आश्वासन दिया कि आने वाले समय में भी इस प्रकार के कार्यक्रम आयोजित कर जरूरतमंद लोगों को हर संभव सहायता की जायेगी।

# सिद्धार्थ गौतम ने की जीएम से वार्ता

**जोड़ापोखर (ससे) :** बीसीसीएल लोदना क्षेत्र के संगठित मजदूरों की लंबित समस्याओं के समाधान को लेकर जमसंघ कुंती गुट के महामंत्री सिद्धार्थ गौतम ने गुरुवार को समर्थकों के साथ लोदना क्षेत्रीय कार्यालय में क्षेत्रीय प्रबंधन के साथ समझौता वार्ता की। वार्ता में संघ के क्षेत्रीय सचिव अनिल सिंह ने मजदूरों से जुड़े १५ सूत्री मांगपत्र से जीएम निर्झर चक्रवर्ती को अवगत कराया। कहा कि एकीकृत एंटी एसटी जीनागोरा परियोजना को विस्तारीकरण करते हुए सुरक्षा के साथ नियमित चलाने, क्षेत्र के मजदूरों का समयानुसार पदोन्नति करने, नियमित श्रमिक आवासों की मरम्मति कराने, लोदना क्षेत्र के हर मुहल्ले एवं कॉलोनियों में नियमित पेयजल तथा पीटवाटर की

आपूर्ति कराने आदि समस्याओं सहित उनकी मांगपत्र को गंभीरता से लेते हुए अतिशीघ्र समाधान कराने की मांग किया। जीएम ने संघ की अधिकांश समस्याओं के जल्द समाधान करने तथा मुख्यालय स्तर की समस्याओं को उच्च प्रबंधन के पास अग्रसारित कर समाधान कराने का आश्वासन सिद्धार्थ गौतम को दिया। वार्ता में एपीएम डीके सिंह, सुदर्शन प्रसाद, प्रमोद सिंह, जितेंद्र सिंह, हेमंत पासवान, शिव पासवान, रूपेश पासवान एवं अन्य लोग थे।

# परघा से ट्रक चोरी, थाना में शिकायत

**बलियापुर (ससे) :** परघा एसडी सर्विसेज पेट्रोल पंप के पास से १० दिनों से खड़े एक ट्रक को चोरों ने गायब कर दिया। ट्रक मालिक ईस्ट बरारी निवासी सुनील सिंह ने इस संबंध में बलियापुर थाना में लिखित शिकायत की। कहा कि उनकी ट्रक संख्या जेएच १० एबी ०६०४ एसडी सर्विसेज पेट्रोल पंप परघा के पास १० दिनों से खड़ी थी। चार दिसंबर से ट्रक गायब है। ट्रक चोरी के विरुद्ध कानूनी कार्रवाई की मांग की। पुलिस मामले की जांच में जूट गई है।

# मथुरा महतो को नहीं मिला मंत्रिमंडल में जगह

**धनबाद (कासं) :** झारखंड मंत्रिमंडल में धनबाद का हाथ इस बार फिर खाली रहा। उम्मीद की जा रही थी कि टुंडी से चार बार झामुमो के विधायक रह चुके मथुरा प्रसाद महतो इस बार मंत्री बन सकते हैं । वे रेस में आगेआगे भी चल रहे थे। लेकिन गोमिया विधायक योगेंद्र महतो ने बाजी मार ली। मथुरा महतो को मंत्री पद नहीं मिला। बगल के जिले गिरिडीह के विधायक सुदिव्य सोनू भी मंत्री बन गए। ऐसे में धनबाद के हाथ में इस बार भी कुछ नहीं लगा। वैसे धनबाद जिले से माले के दो विधायक जीते हैं, लेकिन माले मंत्रिमंडल

में शामिल नहीं हो रहा है। झारखंड मंत्रिमंडल को लेकर कांग्रेस और राजद के कोटे से मंत्री का नाम तो पहले ही सामने आ गया था।

लेकिन अब झामुमो कोटे से भी कौन लोग मंत्री पद की शपथ लेंगे, यह साफ हो गया है। जानकारी के अनुसार झामुमो कोटे से चाईबासा के विधायक दीपक बिरुआ ,घाटशिला के विधायक रामदास सोरेन, गिरिडीह के विधायक सुदिव्य सोनू, बिशनपुर से विधायक चमरा लिंडा, गोमिया के विधायक योगेंद्र महतो, मधुपुर के विधायक हफीजुल हसन, झारखंड मुक्ति मोर्चा के कोटे से मंत्री पद की शपथ ली। जबकि कांग्रेस की ओर से छतरपुर के विधायक राधा कृष्ण किशोर, महागामा से विधायक दीपिका सिंह पांडे, मांडर की विधायक शिल्पी नेहा तिर्की, जामताड़ा विधायक डॉक्टर मंत्री पद की शपथ लिए।

# प्रदूषण के खिलाफ लोगों का पैदल मार्च

**लोयाबाद (ससे) :** ग्रामीण एकता मंच के बैनर तले गुरुवार को बाँसजोड़ा में संचालित आउटसोर्सिंग कम्पनी के द्वारा बाँसजोड़ा, निचितपुर, लोयाबाद के आसपास के क्षेत्र में प्रदूषण फैलाने को लेकर सैकड़ों की संख्या में महिलाएं और पुरुषों ने हाथों में तख्तियां लिये और मास्क लगाकर पैदल मार्च निकाल कर बीसीसीएल प्रबंधक होश में आओ, डेको प्रबंधक होश में आओ आदि नारे लगाते हुए बाँसजोड़ा बस्ती से बाँसजोड़ा १२ नंबर, मदनाडीह, लोयाबाद थाना तथा लोयाबाद मोड़ होते हुए सेन्दा बाँसजोड़ा परियोजना पदाधिकारी कार्यालय में पहुँची, जहां सेन्दा बाँसजोड़ा परियोजना पदाधिकारी से फैल रही प्रदूषण पर रोक लगाने की मांग किया गया।

इस दौरान पैदल यात्रा का नेतृत्व कर रही ग्रामीण एकता मंच के अध्यक्ष रजनी कुमारी, आशा महतो, विभा सिंह, समेत अन्य महिलाओं ने बताया कि हमलोग ग्रामीण बाँसजोड़ा, गड़ेरिया, कनकनी, मदनाडीह, सेन्द्रा, लोयाबाद, के अंतर्गत चल रहे आउटसोर्सिंग कम्पनी डेको के द्वारा अत्यधिक प्रदूषण फैलाने से यहाँ के लोग परेशान है। दूसरी तरफ बीसीसीएल के द्वारा हैबी ब्लास्टिंग से घरों में दरारें तक आई है एवं कई घरों में पत्थर भी गिरा है।

गैस का रिसाव हो रहा है यहाँ के लोगो को सांस लेने में काफी परेशानी होती है। टी.बी., कैंसर जैसे बीमारी उत्पन्न हो रही है। रास्ते के किनारे भूधंसान भी होता जा रहा है। लेकिन इन सभी चीजों को ये कम्पनी नजर अंदाज कर सुरक्षा संबंधित नियमों को ताख में रख कर उत्खनन कर रही है। इसकी सूचना हमलोगों ने पहले भी सिजुआ क्षेत्र संख्या पांच के महाप्रबंधक को दी है। लेकिन आज तक कोई पहल नहीं हुई और ना ही ये लोग अपने रवैये से बाज आ रहे है।

अगर इसपर एक सप्ताह के अन्दर उचित पहल नहीं किया गया तो विवश होकर हम सब ग्रामीण भूख हड़ताल पर बैठ जाएंगे। इस भूख हड़ताल में अगर किसी प्रकार का अप्रिय घटना घटती है तो इसकी पूरी जिम्मेवारी बीसीसीएल और आउटसोर्सिन्ग कम्पनी डेको की होगी। मौके पर संतोषी देवी, गौरी देवी, पूषा कुमारी, देवीका महतो, राजनी देवी, मनोज महतो, गौतम कुमार, विनय कुमार, रामचंद्र भुईयां, गणेश महतो आदि दर्जनों ग्रामीण शामिल थे।

# केंद्रीय अस्पताल में यौन उत्पीड़न रोकथाम पर नुक्कड़ नाटक

**धनबाद (कासं) :** गुरुवार को बीसीसीएल के केन्द्रीय चिकित्सालय में यौन उत्पीड़न रोकथाम सप्ताह के अंतर्गत एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर नर्सिंग कर्मियों तथा नर्सिंग प्रशिक्षुओं द्वारा जागरूकता फैलाने के लिए एक नुक्कड़ नाटक का मंचन किया गया।

इस आयोजन की मुख्य अतिथि डॉ. वंदना ठाकुर ने अपने संबोधन में कहा कि कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न की रोकथाम प्रत्येक संस्था की प्राथमिकता होनी चाहिए और इसके प्रति सभी को जागरूक रहना चाहिए। उन्होंने इस प्रकार के कार्यक्रमों की आवश्यकता पर बल देते हुए इसे सकारात्मक पहल बताया।

डॉ. अमिता बागची ने कहा कि कार्यस्थल पर सुरक्षित वातावरण बनाए रखने की आवश्यकता है। महिलाओं को अपने अधिकारों के प्रति सजग रहना चाहिए। किसी भी प्रकार की अनियमितता की रिपोर्टिंग में संकोच नहीं करना चाहिए।

कार्यक्रम में प्रबंधक विनीत सिन्हा, डॉ. मंजरी सिंह, डॉ. रश्मी रैना तथा अन्य वरिष्ठ अधिकारी एवं कर्मचारी भी मौजूद थे।

कार्यक्रम का संचालन प्रबंधक (कार्मिक) कुमारी श्वेता ने किया। उन्होंने सभी उपस्थित जनों को कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न के विरुद्ध उपलब्ध कानूनी प्रावधानों और आंतरिक शिकायत समिति की भूमिका के बारे में जानकारी दी।

नुक्कड़ नाटक के माध्यम से उपस्थित दर्शकों को कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न की परिभाषा, उसके विभिन्न स्वरूपों और शिकायत प्रक्रिया के प्रति जागरूक किया गया। नाटक ने यह संदेश दिया कि कार्यस्थल पर सुरक्षित वातावरण का निर्माण सामूहिक प्रयास से ही संभव है।

कार्यक्रम का समापन धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ। जिसमें सभी को कार्यस्थल पर एक सुरक्षित और सम्मानजनक वातावरण बनाए रखने की शपथ दिलाई गई।

डी.बी. पब्लिकेशन्स प्रा. लि. के लिए जोड़ाफाटक रोड, धनबाद से राजेन्द्र कुमार अग्रवाल द्वारा मुद्रित एवं अंजना अग्रवाल द्वारा प्रकाशित. संपादक -गणेश मिश्रा. फोन -9431726337
e-mail : biharobserver@gmail.com RNI No- 58991/95. * पी.आर.बी. एक्ट के तहत समाचार चयन एवं प्रकाशन के लिए गणेश मिश्रा जिम्मेवार होंगे एवं समस्त विवाद धनबाद न्यायालय के अधीन होंगे

# आलू को लेकर बंगाल सरकार पर आरोप

**धनबाद (कासं) :** आलू को लेकर बंगाल सरकार एक तरह से दादागिरी पर उतर गई है। झारखंड में आलू की सप्लाई बंगाल से नहीं हो रही है। अब बिहार भी इसके लपेटे में आ गया है। बंगाल आलू के उत्पादन में देश में दूसरे नंबर पर है। इसलिए बंगाल से आलू की आपूर्ति अन्य प्रांतो में होती है। लेकिन पिछले लगभग एक सप्ताह से बंगाल सरकार का रवैया बिल्कुल बदला हुआ हैं। बंगाल में आलू की सप्लाई सामान्य रखने के नाम पर बाहर के प्रदेशों में आलू का निर्यात रोक दिया गया है।

झारखंड के बॉर्डर पर धनबाद के पास बंगाल पुलिस आलू के ट्रकों को झारखंड में प्रवेश करने नहीं दे रही है। ऐसा पिछले ७ दिनों से हो रहा है। झारखंड सरकार के संज्ञान में यह बात है. लेकिन अभी तक कोई निदान नहीं निकला है। इस बीच झारखंड के व्यापारी उत्तर प्रदेश और पंजाब से आलू मंगाना शुरू कर दिए है. इधर, सूचना मिली है कि बंगाल पुलिस बुधवार को अचानक बिहार की सीमा में घुसकर भी ऐसा ही कुछ किया है. एनएच२७ पर रामपुर के पास बैरियर लगाकर बंगाल से बिहार की ओर आने वालों आलू के ट्रकों को रामपुर के पास रोक दिया है।

बंगाल पुलिस ने यह कार्रवाई अचानक की है। बंगाल पुलिस इस मामले में कुछ भी बताने से बचती रही। पुलिस सिर्फ इतना ही कहती रही कि सरकार का आदेश है। बिहार, बंगाल के बॉर्डर पर रामपुर आलू की बड़ी मंडी है। २७ के दोनों और आलू के गोदाम है। एनएच के पूरब के गोदाम बंगाल के क्षेत्र में है, जबकि पश्चिम तरफ की दुकान बिहार में आती है.। लेकिन आरोप के अनुसार बंगाल पुलिस ने बिहार क्षेत्र में पड़ने वाले गोदाम से भी आलू ले जाने पर रोक लगा दी है।

बताया जाता है कि रामपुर के गोदाम में आलू कई जगह से आता है। ऐसे में बंगाल पुलिस की अचानक इस कार्रवाई से व्यापारी भी परेशान है। बंगाल पुलिस की कार्रवाई से झारखंड तो परेशान था ही, अब बिहार के लोग भी परेशान होने लगेंगे। व्यापारियों का कहना है कि बंगाल सरकार अगर कोई निर्णय लिया है, तो उसे सार्वजनिक किया जाना चाहिए। जिससे की व्यापारी और उपभोक्ता दोनों कोई ना कोई रास्ता ढूंढ सके। लेकिन बिना किसी आदेश के अघोषित रोक से भ्रम की स्थिति उत्पन्न हो गई है।

# लोन भरने के बाद भी बैंक ने लगाया जुर्माना

**धनबाद (कासं) :** भारत की सबसे बड़ी बैंक एसबीआई बैंक से जुडा एक मामला प्रकाश में आया है। जहाँ एक रेलवे कर्मी पर लोन चुकता कर देने के बावजूद २५ हजार की पेनल्टी लगा दी गई। यह मामला धनबाद के बुधन भूइंया का है। जिन्होंने एसबीआई इसरी ब्रांच से लोन लिया था। लोन की पूरी राशि उन्होंने चुकता भी कर दी। बैंक ने उन्हें एनओसी भी दे दिया है। पिछले एक सप्ताह पूर्व बैंक ने इन्हे २५ हजार का पेनल्टी लगा दिया।

आज इसकी शिकायत करने बुधन भूइंया एसबीआई जगजीवन नगर ब्रांच पहुंचे। मीडिया ने भी बुधन भुईयां के मामले में ब्रांच मैनेजर से बात की। ब्रांच मैनेजर ने बुधन भुईयां के मामले की जानकारी नहीं होने की बात कह बुधन भुईयां के समस्या का जल्द से जल्द समाधान कर लेने का भरोसा दिया। बुधन भुईयां को यह भी भरोसा दिया गया है कि उन्हें कोई पेनल्टी नहीं लगेगी। यह एक बड़ा सवाल यह है कि आखिर बैंक इस तरह की लापरवाही कैसे कर सकती है। एक आदमी जिसने लोन की सारी राशि चुकता कर दी है और तो और बैंक उन्हें एन ओ सी भी दे रखी है। बावजूद पेनल्टी करना बैंक की कार्यशैली पर भी बड़ा सवाल है।

# छउ नृत्य कला व मुखौटा निर्माण कला झारखंड की शान है : देवेन तिवारी

**धनबाद (कासं) :** ५ दिसंबर से तीन दिवसीय छउ मास मेकिंग कार्यशाला का शुभारंभ हुआ। चंदनकियारी में जिसमें मयूरभंज से १० बच्चे सरायकेला से १० बच्चे एवं स्थानीय महाविद्यालय के बच्चे भी शामिल हुए। ५५ बच्चों ने मुखौटा निर्माण कार्यशाला में भाग लिए। आवासीय कार्यशाला के प्रशिक्षण के बाद बच्चे घर चले जायेंगे। प्रसिद्ध मुखौटा निर्माण के गुरु सुशांत महापात्रा, सहाय गुरु सुमित महापात्रा प्रशिक्षार्थियों को प्रशिक्षण देंगे। पुरुलिया से आये मुखौटा गुरु कंचन सूत्रधार भी प्रशिक्षण देंगे। कार्यशाला का उद्घाटन सामाजसेवी सह अविष्कार डायग्नोस्टिक के निर्देशक देवेन तिवारी ने दीप प्रज्ञलित कर कार्यक्रम का उद्घाटन किया। उन्होंने कहा कि छउ नृत्य और मुखौटा झारखंड का अंतर्राष्टीय पहचान है। केंद्र के संयोजक डॉ. संजय चौधरी ने धन्यवाद दिया।

# परसिया गांव में सियारों का आतंक

**पुटकी (ससे) :** पुटकी व आसपास के क्षेत्र में सियार ने एक बार फिर आंतक मचा दिया है। गुरुवार को चिरुडीह एवं परसिया गांव के आधा दर्जन से अधिक महिलापुरुषों पर हमला कर घायल कर दिया। हालांकि चिरुडीह बस्ती के ५२ वर्षीय शांति देवी ने हिम्मत का परिचय देते हुए सियार को पकड़ हल्ला मचाया। हल्ला सुन खेत में पहुंचे ग्रामीणों ने सियार को मार डाला। घायलों में शांति देवी के अलावे चिरुडीह बस्ती के ही हीरा ओझा (५२), धीरन रजवार (५५), सोनी कुमारी, परसिया बस्ती के सनातन महतो की मां फुलमनी देवी (६०), मुचीराम महतो की पत्नी सावित्री देवी (५३) आदि शामिल हैं। घटना के बाद परिजनों ने सभी घायलों को एसएनएमएमसीएच धनबाद ले गए। जहां सभी को एंटी रेबीज इंजेक्शन लगवाया गया। ग्रामीणों ने बताया कि सभी गुरुवार सुबह को दैनिक कार्यों एवं खेतीबाड़ी के लिए जंगल एवं खेत बगान गए थे। इसी दौरान एक सियार ने लोगों पर हमला कर दिया। विदित हो कि क्षेत्र के गोपीनाथडीह बाउरी टोला में करीब एक माह पूर्व भागीरथ बाउरी (४०), विशाल बाउरी (२१), कृष्णा बाउरी (१३) को सियार ने काटा था। उस दिन भी ग्रामीणों ने सियार को घेर कर मार डाला था। इधर सियार के हमले से क्षेत्र के लोग एक बार फिर भयभीत हो गए हैं।

# बुजुर्ग महिला को डालसा ने दी जिंदगी

**धनबाद (कासं) :** ठंड के बढ़ते प्रकोप को देखते हुए झारखंड राज्य विधिक सेवा प्राधिकार के निर्देश पर जिला विधिक सेवा प्राधिकार (डालसा) धनबाद द्वारा बेघर बुजुर्गों के लिए विशेष मुहिम चलाई जा रही है। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह अध्यक्ष वीरेंद्र कुमार तिवारी के मार्गदर्शन और अवर न्यायाधीश सह सचिव राकेश रोशन के नेतृत्व में गठित टीम ने गुरुवार को सड़क किनारे से एक बुजुर्ग महिला को रेस्क्यू कर सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया।

रेस्क्यू की गई महिला, शांति किस्कू, जो गिरिडीह की निवासी बताई गई हैं, ने टीम को बताया कि उनका कोई परिवार नहीं है और वह मंदिर व फुटपाथ पर रहकर अपना जीवन यापन करती थीं। इस कड़ी में महिला को सबलपुर स्थित वृद्ध आश्रम में आवासित किया गया, जहां उनकी देखभाल सुनिश्चित की जाएगी। डालसा की इस पहल से बुजुर्गों को न केवल ठंड से बचाव मिलेगा, बल्कि उन्हें सुरक्षित और सम्मानजनक जीवन जीने का अवसर भी प्राप्त होगा। अधिकारियों ने बताया कि ऐसे और भी जरूरतमंद बुजुर्गों की मदद के लिए यह अभियान निरंतर जारी रहेगा।

# सांसद ढुल्लू महतो ने सदन में उठाए अनेक मुद्दे

**धनबाद (कासं) :** धनबाद लोकसभा क्षेत्र से भाजपा सांसद ढुल्लू महतो ने संसद के शीतकालीन सत्र में महत्वपूर्ण जनहित के मुद्दों को उठाकर अपनी क्षेत्रीय जिम्मेदारियों का निर्वहन किया। आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय के माध्यम से उन्होंने 'जल है अमृत योजना', 'स्मार्ट सिटी मिशन' और अन्य योजनाओं के क्रियान्वयन की वर्तमान स्थिति पर सवाल उठाए। इन सवालों के उत्तर में संबंधित मंत्रालय ने विस्तृत जानकारी प्रदान की।

सांसद ढुल्लू महतो ने जल है अमृत योजना के अंतर्गत देशभर में मलजल शोधन संयंत्रों (एसटीपी) की स्थिति और जल पुनर्चक्रण की प्रगति पर सवाल किया। मंत्रालय ने बताया कि इस योजना के तहत ८४८ मलजल शोधन संयंत्रों को पंजीकृत किया गया है, जिनमें जल गुणवत्ता सुधार और पुनः उपयोग के लिए कई उपाय किए जा रहे हैं। राज्यों और शहरों को प्रेरित करने के लिए प्रोत्साहन राशि भी निर्धारित की गई है।

सांसद श्री महतो ने झारखंड विशेषकर रांची के स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट्स की प्रगति की जानकारी ली। मंत्रालय ने बताया कि रांची स्मार्ट सिटी परियोजना के अंतर्गत १,८४७ करोड़ रुपये की सभी २६ परियोजनाएं सफलतापूर्वक पूरी कर ली गई है। स्मार्ट सिटी मिशन के तहत देशभर में कुल ८,०६६ परियोजनाओं में से ९१ यानी ७,३५२ परियोजनाएं पूरी हो चुकी हैं।

सांसद ढुल्लू महतो ने कहा, मेरा लक्ष्य है कि धनबाद और झारखंड के विकास कार्यों में कोई बाधा न आए। जल है अमृत योजना और स्मार्ट सिटी मिशन जैसी योजनाओं का पूर्ण लाभ जनता तक पहुंचे, इसके लिए मैं सदैव तत्पर रहूंगा। उन्होंने केंद्र सरकार द्वारा किये गए प्रयासों की सराहना की और धनबाद के विकास के लिए प्रतिबद्धता जताई। श्री महतो के इन प्रयासों को जनता और पार्टी के अन्य सदस्यों ने सराहा है। उन्होंने धनबाद के नागरिकों से अपील की कि वे सरकारी योजनाओं का लाभ उठाएं और अपने सुझाव देते रहें।

# झरियाधनबाद मुख्य मार्ग से ट्रांसपोर्टिंग शुरू

**जोड़ापोखर (ससे) :** धनसार कोलियरी प्रबंधन ने गुरुवार को दूसरे दिन भी विश्वकर्मा परियोजना से बीएनआर साइडिंग के लिए कोयला ट्रांसपोर्टिंग के लिए हाइवा परिचालन झरिया-धनबाद मुख्य मार्ग में शुरू कराने का प्रयास किया।

कोयला लदे दो हाइवा पहुंचते ही यहां के स्थानीय लोगों ने जश्रसं के बैनर तले रोक कर वापस लौटा दिया। इस दौरान गुस्साए लोगों ने जिला प्रशासन व बीसीसीएल अधिकारियों को जमकर कोसा। नेतृत्व कर रहे जश्रसं के असंगठित क्षेत्र के अध्यक्ष पप्पू पासवान ने कहा कि इस मार्ग मे सात साल पूर्व हाइवा से लगातार दुर्घटनाएं से हो रही है। झरिया धनबाद मुख्य मार्ग मे हाइवा परिचालन बंद करा दिया गया था। लेकिन इस बार भी जिला प्रशासन व बीसीसीएल इस रूट से कोयला लदे हाइवा से परिचालन शुरू कराने का प्रयास किया जा रहा है। इस मार्ग में अनगिनत स्कूल के अलावा व्यस्त रोड है। अगर हाइवा का परिचालन किया गया तो दुर्घटना से इंकार नहीं किया जा सकता है। इस मार्ग में बीसीसीएल हाइवा के रूप मे मौत का सौदागर दौड़ाने का प्रयास कर रह रहा है। कहा कि विश्वकर्मा से अन्य ट्रांसपोर्टिंग कंपनी भी केंदुआ व अलकुसा मार्ग से ट्रांसपोर्टिंग कर रही है। लेकिन प्रबंधन एक सोची समझी साजिश के तहत इस मार्ग से जीटीएस कंपनी द्वारा दिन रात हाइवा परिचालन करवाना चाह रही है। सात साल पूर्व भी इस रूट मे हाइवा चलने से भारी मात्रा मे कोयला चोरी होती थी।इस बार भी कतिपय कोयला चोरों के इशारे पर प्रबंधन इस मार्ग से ट्रांसपोर्टिंग शुरू कराना चाह रही है।

बताया जाता है कि बुधवार को भी प्रबंधन ने इस मार्ग से ट्रांसपोर्टिंग शुरू कराने का प्रयास किया था। लेकिन भाकपा माले नेता धरम बाउरी ने इसका विरोध करते हुए कोयला लदे हाइवा को वापस लौटा दिया था।लेकिन गुरुवार को भी प्रबंधन ने दुबारा हाइवा परिचालन कराने का प्रयास किया। मौके पर देशराज चौहान, राजेश मरांडी,अरूण पासवान, विशाल कुमार सहित अन्य थे।

बीसीसीएल के उच्चाधिकारियों व स्थानीय झरिया व धनसार थाना के आदेश पर ही इस मार्ग से हाइवा परिचालन शुरू कराया गया। इस मार्ग को जीपीएस रूट भी तय किया गया है।

संजय कुमार, पीओ, धनसार कोलियरी, धनसार विश्वकर्मा परियोजना से धनबाद मुख्य मार्ग मे हाइवा परिचालन का पूरजोर विरोध किया जाएगा। अगर बीसीसीएल प्रबंधन जबरन इस मार्ग मे ट्रांसपोर्टिंग चालू करता है तो अप्रिय घटना घटने पर उसका जिम्मेवार बीसीसीएल प्रबंधन होगी।

इस मार्ग के किनारे एक दर्जन से अधिक स्कूल व मंदिर है। सैकड़ों बच्चे इसी मार्ग से होकर स्कूल जाते है। ऐसे में इस मार्ग से हाइवा परिचालन अनुचित है। हाइवा परिचालन होने से इस मार्ग में दुर्घटना की संभावना बनी रहेगी। इसके अलावा हाइवा परिचालन और आउटसोर्सिंग से यहां की आम जनता जहां परेशानी होती है। उसका विरोध किया जाएगा। जनता के हित के लिए हमेशा तत्पर रहूंगी। जनता के समस्याओं से समझौता नहीं किया जाएगा।

# बुजुर्गों की देखभाल पर सेमिनार

**धनबाद (कासं) :** सरायढेला स्थित आयुष फाउंडेशन धनबाद के कार्यालय में बुजुर्गों की देखभाल पर एक सेमिनार का आयोजन किया गया। इस समारोह में बुजुर्गों की सेवा एवं देखभाल पर प्रकाश डाला गया। इस दौरान बुजुर्गों के प्रति प्यार अपनापन को सिखाया गया। समारोह में आयुष फाउंडेशन धनबाद के सक्रीय सदस्य गण शामिल हुए। सुई धागा के सभी विद्यार्थी एवं मोहल्ले के लोगो ने इसमे भाग लिया एवं सभी ने इस कार्य हेतु आयुष फाउंडेशन धनबाद की सराहना की। इन सभी सदस्यों ने इस आयोजन को सफल बनाने में अपने योगदान से कार्यक्रम को उच्च स्तर पर पहुँचाया। आयुष फाउंडेशन धनबाद के इस कदम की स्थानीय समुदाय ने सराहना की और इसे बुजुर्गों के प्रति सम्मान व्यक्त करने का एक आदर्श उदाहरण बताया। फाउंडेशन के सदस्यों ने भविष्य में भी इस तरह के कार्यक्रमों का आयोजन कर समाज के विभिन्न क्षेत्रों में योगदान देने वाले व्यक्तियों को प्रोत्साहित करने का संकल्प लिया।

# न्यायाधीश ने किया एडॉप्शन सेंटर का निरीक्षण

**धनबाद (कासं) :** प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकार वीरेंद्र कुमार तिवारी के निर्देश पर अवर न्यायाधीश राकेश रौशन और सीडब्ल्यूसी अध्यक्ष उत्तम मुखर्जी ने क्रिश्चियन मिशन एवं एडॉप्शन सेंटर का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने हर बिंदु पर गहन जांच की और धनबाद, बोकारो समेत अन्य जिलों से रेस्क्यू किए गए विशेष बच्चों की स्थिति और उनके रखरखाव की जानकारी ली।

निरीक्षण के दौरान न्यायाधीश ने बच्चों की बेहतर देखभाल और उनके उचित रखरखाव के लिए कई दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जिला विधिक सेवा प्राधिकार यह सुनिश्चित करने के लिए तत्पर है कि ऐसे आश्रय गृह में रहने वाले बच्चों को सभी सुविधाएं और देखभाल सही तरीके से मिलें।

यह निरीक्षण बच्चों की सुरक्षा और उनके अधिकारों की रक्षा के उद्देश्य से किया गया, जिसमें बच्चों की भलाई के लिए सुधारात्मक कदम उठाने पर जोर दिया गया।

## महाप्रबंधक व आउटसोर्सिंग कंपनी को नोटिस

**बलियापुर (ससे) :** सुरूंगा बीसीसीएल प्रबंधन द्वारा मनमानी ढंग से ओबी डंप किए जाने के विरुद्ध कार्रवाई के लिए बलियापुर सीओ प्रवीण कुमार सिंह ने बीसीसीएल लोदना एरिया दस के महाप्रबंधक एवं एटी देवप्रभा आउटसोर्सिंग कंपनी को नोटिस जारी किया। सीओ द्वारा जारी नोटिस में कहा गया कि सुरूंगा मौजा में करीब १२० एकड़ अनाबाद झारखंड सरकार की जमीन है। जहां मनमानी ढंग से बीसीसीएल लोदना एरिया के प्रबंधन एवं एटी देवप्रभा आउटसोर्सिंग कंपनी द्वारा मनमानी ढंग से जमीन को अतिक्रमण कर उसपर ओबी डंप कर दिया गया है जो झारखंड लोक अतिक्रमण अधिनियम १९५६ के अंतर्गत लोक भूमि है। बलियापुर सीओ द्वारा नोटिस जारी कर १६ दिसंबर को उपरोक्त भूमि से संबंधित राजस्व दस्तावेज के साथ अंचल अधिकारी बलियापुर के कार्यालय में उपस्थित होने का निर्देश दिया है।

## मारपीट कर घायल करने की शिकायत

**बलियापुर (ससे) :** चिरागोड़ा की रंजीता देवी ने बलियापुर थाना को आवेदन देकर आमटाल मोड़ अंग्रेजी शराब दुकान संचालक अपने पति धर्मेंद्र कुमार सिंह को बदमाशों द्वारा मारपीट कर उनकी बाइक मोबाइल व रुपए आदि लूट लेने की शिकायत की है। कहा कि रविवार की रात उनके पति श्री सिंह आमटाल मोड़ स्थित अपनी शराब का दुकान बंद कर रात करीब साढ़े दस बजे घर लौट रहा था। इसी दौरान बदमाशों ने आमटाल के पास उनके पति को मारपीट कर बेहोश कर दिया। उनके बाइक, मोबाइल एवं पैंतीस हजार रुपए आदि लूटकर भाग निकले। दूसरे दिन सुबह लोगों ने उसे बेहोशी की हालत में देख उसे धनबाद स्थित एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया। घटना के बाद पीड़ित व्यक्ति धर्मेंद्र की पत्नी रंजीता देवी ने घटना के दो दिन बाद बुधवार को बलियापुर थाना में शिकायत किया।

# सड़क जाम से स्कूली बच्चे परेशान

**बलियापुर (ससे) :** बलियापुर बाजार में गुरुवार को दिन करीब सवा एक बजे जाम हो जाने से चारों रूट में आवागमन करीब आधा घंटा तक पूरी तरह से ठप्प हो गया। रोड जाम में सीआरपीएफ कमांडेंट, झारखंड पब्लिक स्कूल, सिंदरी डीएवी स्कूल समेत विभिन्न विद्यालयों के बसें जाम में फंस गई। बस में बैठे बच्चे करीब आधे घंटे तक बस में रहे। साथ ही साथ बीबीएम कॉलेज के छात्र छात्राएं भी जाम में फंस गए। पुलिस के पहुंचने पर काफी मशक्कत के बाद जाम को हटाया गया। आवागमन सुचारू रूप से शुरू हो गया। दूसरी ओर बलियापुर बाजार जाम को ले बलियापुर थाना परिसर में थाना प्रभारी आशीष भारती की उपस्थिति में चेंबर ऑफ कॉमर्स की बैठक हुई। जिसमें बलियापुर बाजार में दुकान के आगे ठेला नहीं लगाने। अतिक्रमण मुक्त करने व बलियापुर चौक में सीसीटीवी कैंमरा लगाने समेत अन्य बिंदुओं पर विस्तृत रूप से चर्चा की गई। बैठक में चेंबर ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष घनश्याम ग्रोवर, सचिव गोलक बिहारी गोराई, कोषाध्यक्ष सुनील कुमार सोनू, उपाध्यक्ष आशीष कर, जाहीद अंसारी, पप्पू पाल, बंटी अग्रवाल, श्रवण कुमार, सुबीर दत्ता, चंचल ठाकुर, श्यामल कुमार महतो, दिनेश गुप्ता,असलम, शंकर दास, लालटू पोद्दार आदि मौजूद थे। दूसरी ओर सीओ प्रवीण कुमार सिंह ने कहा कि अतिक्रमण मुक्त नहीं किया गया तो कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

# रैयतों ने 10 सूत्री मांगों को लेकर किया प्रदर्शन

**निरसा (ससे) :** ईसीएल मुगमा क्षेत्र की बैजना कोलियरी के खुसरी ओसीपी में रैयतों ने अपनी १० सूत्री मांगों को लेकर गुरुवार को धरनाप्रदर्शन किया। सूचना मिलते ही ओसीपी प्रबंधन के अधिकारी मौके पर पहुंचे और प्रदर्शन कर रहे रैयतों व ग्रामीणों से वार्ता की।

प्रबंधन ने मांगों पर सकारात्मक रुख अपनाते हुए जल्द से जल्द पूरा करने का आश्वासन दिया। रैयतों की मांगों में रोड सेल मजदूरों को ११वें वेज बोर्ड के अनुसार मजदूरी देने, बिना अनुमति के पेड़ काटना बंद करने, ओसीपी के चारों ओर तार से घेराबंदी करने, बासुदेवपुर व खुसरी पथ में कटाई कार्य बंद करने, कांटाघर को दूसरे जगह ले जाने, डीजीएमएस की अनुमति से ही ब्लास्टिंग करने, रास्ते में लाइटिंग की व्यवस्था, खुसरी गांव में बिजली, पानी की व्यवस्था समेत स्वास्थ्य सुविधा बेरोजगारों को नियोजन देने की मांग शामिल हैं।

मौके पर निरसा की पूर्व विधायक अपर्णा सेनगुप्ता, पीएन राय, असीम भट्टाचार्य, ललन पांडेय, बापी दास, विजय राय, बामापद मोदक, सुरेश रविदास, अशोक मंडल, अर्जुन भुईयां, सुरेश भुईयां, अशोक क्षेत्रपाल, साधन रवानी, मोनिका भगति, सावित्री भईयाइन, सीता भईयाइन, ललिता भईयाइन सहित अन्य ग्रामीण उपस्थित थे।

# असहायों के बीच कंबल वितरित

**धनबाद (कासं) :** सामाजिक कार्यों में बढ़चढ़कर योगदान देनेवाले युवा संघर्ष मोर्चा के संस्थापक दिलीप सिंह इस कपकपाती ठंड में गरीब व जरूरतमंदो का सहारा बने। हर वर्ष की भांति उन्होंने जरूरतमंदो के बीच कंबल वितरण की शुरुआत की।

ठंड में लाचार, असहाय व गरीबों को बचाने के उद्देश्य से बुधवार की आधी रात अपने संगठन के सदस्यों के साथ सड़कों पर निकल पड़े। जहाँ भी ठंड से ठिठुरते गरीब गुरबे को देखा उन्हें कंबल देकर ठंड से राहत पहुंचाई.धनबाद स्टेशन रोड में दर्जनों लोगों के बीच कंबल बांटे. ठंड में राहत देने के लिए कंबल वितरण कर रहे दिलीप सिंह के इस नेक कार्य की सरहाना करते हुए लोगों ने उन्हें माला पहनाकर उनका आदर सत्कार भी किया। स्थानीय लोगों ने कहा कि ठंड की रात में असहायों के बीच कंबल वितरण करना एक साहसिक कदम है।

रात के अंधेरे में जब सारा जहां ठंड से अपने घरों में दुबके हों ऐसी परिस्थिति में असहायों की सुधि लेने की दिलीप सिंह ने बाहर निकल गरीबों का दर्द समझ असहायों के बीच कंबल बांटे। मौक़े पर बड़े, ललित केटसरीय, बृजन, राजा संतोष सिंह, रिपु सिंह, बृजेश, सुरेंद्र गिरी, सोनी सरदार आदि मौजूद थे।

# संपादकीय

# चीन सीमा विवाद को लेकर राहत की उम्मीद

अपने पड़ोसी देशों के साथ संबंधों को सहज और शांतिपूर्ण रखने के लिए भारत ने न केवल अपनी ओर से हर स्तर पर पहल की है, बल्कि कई बार विपरीत स्थितियों में भी सकारात्मक रुख दिखाया है। मगर लंबे समय से पाकिस्तान और चीन के रवैये की वजह से सीमा पर अक्सर तनाव और टकराव के हालात पैदा होते रहे हैं और उसके लिए कौन जिम्मेदार रहा है, वह अब दुनिया जानती है। बिना किसी उकसावे के चीन वास्तविक नियंत्रण रेखा के पास जिस तरह की गतिविधियां चलाता है, उसे किसी भी कसौटी पर उचित नहीं कहा जा सकता।

भारत कूटनीतिक स्तर पर इस मसले को अक्सर उठाता रहा है। समय-समय पर होने वाली बातचीत के बाद कुछ समय तक सीमा पर शांति की स्थिति दिखती है, मगर फिर चीन की ओर से कोई न कोई ऐसी गतिविधि शुरू हो जाती है, जिससे उसकी मंशा पर संदेह होता है।

ज्यादा दिन नहीं बीते हैं, जब भारत और चीन के बीच बातचीत के बाद कई सकारात्मक पहलकदमियां हुई और शांति बहाली की उम्मीद जगी। इसके तहत वास्तविक नियंत्रण रेखा पर अपने सैनिकों को पीछे लौटाने के कदम उठाए गए। मगर पिछले कुछ वर्षों में भारत को लेकर चीन का जैसा रुख सामने आया है, उसके मद्देजनर यह आशंका लगातार बनी हुई है कि दोनों देशों के बीच तनाव के हालात में सुधार की स्थितियां कब तक बनी रहेंगी।

अब हिंद-प्रशांत क्षेत्र में चीन की बढ़ती सैन्य आक्रामकता ने बहुस्तरीय तनाव में बढ़ोतरी की है। वास्तविक नियंत्रण रेखा पर फिलहाल शांति को भारत राहत के रूप में देख सकता है, लेकिन अगर हिंद-प्रशांत क्षेत्र में चीन की गतिविधियों की वजह से दुनिया भर में चिंता बढ़ रही है, तो यह भारत के लिए भी सचेत रहने का वक्त है। शायद यही वजह है कि वैश्विक स्तर पर बढ़ती चिंता की पृष्ठभूमि में नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश त्रिपाठी ने सोमवार को कहा कि पूर्वी लद्दाख में भारतीय और चीन की सेना के बीच गतिरोध भले खत्म हुआ है, मगर हिंद-प्रशांत क्षेत्र में चीन की मंशा नहीं बदली है। उस क्षेत्र और दक्षिण चीन सागर में चीन की सैन्य ताकत का प्रदर्शन भारत के लिए चिंता का विषय है। यह हकीकत है कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चीन खुद को इस रूप में पेश कर रहा है, जिसमें उसे दुनिया की सबसे बड़ी शक्ति के तौर पर देखा-माना जाए। यह उसकी अपनी स्थितियों के अनुकूल हो सकता है, लेकिन इस क्रम में वह अपने पड़ोसी देशों की संप्रभुता का हनन या उनके सामने जोखिम पैदा करके करना चाहता है, तो यह हर लिहाज से गलत है।

सवाल है कि अरुणाचल प्रदेश में उसकी गतिविधियों को किस रूप में देखा जाएगा और उसके क्या कारण हैं? भारत अगर सीमा से संबंधित विवाद के सभी प्रश्नों का हल करना चाहता है, तो चीन को इस पर सकारात्मक प्रतिक्रिया देनी चाहिए और अपनी ईमानदार इच्छाशक्ति के साथ शांति के लिए बनी सहमति पर अमल करना चाहिए।

## अब और बढ़ेगी महंगाई की मार

डॉलर के मुकाबले रुपए की कीमत में गिरावट से अर्थव्यवस्था को एक और झटका लगा है। चालू वित्तवर्ष की दूसरी तिमाही में सकल घरेलू उत्पाद घट कर 5.4 फीसद पर आ गया। उसमें सबसे बुरी गत विनिर्माण और आठ प्रमुख औद्योगिक क्षेत्रों की रही। थोक और खुदरा महंगाई अपने उच्च स्तर पर बनी हुई हैं। विदेशी मुद्रा भंडार लगातार कम हो रहा है। ऐसे में डालर के मुकाबले रुपए की कीमत अब तक के सर्वाधिक निचले स्तर 84.76 पर पहुंच जाने से स्वाभाविक ही चिंता बढ़ गई है। रुपए की कीमत गिरने का असर सीधे-सीधे आम उपभोक्ता की जेब पर पड़ता है। पहले ही लोग महंगाई की मार झेल रहे हैं, अब यह और बढ़ जाएगी। इसलिए कि कच्चे तेल से लेकर खाने के तेल, दवाओं के लिए कच्चा माल आदि बहुत कुछ बाहर से मंगाना पड़ता है, जिसका भुगतान डालर में करना पड़ता है। फिर विदेश यात्रा और विदेशों में पढ़ाई कर रहे छात्रों पर भी खर्च का बोझ बढ़ जाएगा। रुपए की कीमत गिरने की बड़ी वजह फिलहाल डालर के मजबूत होने और नवनिर्वाचित अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ब्रिक्स देशों को डालर का उपयोग न करने पर सौ फीसद शुल्क लगाने की चेतावनी बताई जा रही है। पर लंबे समय से रुपए की कीमत में नरमी का रुख बना हुआ है। कहा जा रहा था कि सरकार विदेशी मुद्रा भंडार के जरिए इस नरमी को कम करने का प्रयास करती रही, मगर नाकाम साबित हुई है। इसकी एक वजह बढ़ती महंगाई है, जो रिजर्व बैंक के ऊंची रेपो दर लागू करने के बावजूद काबू में नहीं आ रही। फिर, जब से अमेरिकी डालर मजबूत होना शुरू हुआ है और ट्रंप राष्ट्रपति चुने गए हैं, विदेशी निवेशकों ने भारत से अमेरिका की तरफ रुख कर लिया है। निर्यात में बढ़ोतरी लाना सरकार के सामने बड़ी चुनौती है। मगर फिर भी हकीकत से आंखें चुराने की कोशिश ही देखी जाती है। जब केंद्र में यूपीए सरकार थी, तब भाजपा कहते न थकती थी कि रुपए की गिरती कीमत उसका इकबाल गिरने की निशानी है। मगर विचित्र है कि वह खुद इसे संभाल नहीं पा रही।

## आज का कार्टून

# दिल्ली विस चुनावः आप को क्यों नहीं चाहिए कांग्रेस का साथ?

> देश की राजधानी दिल्ली में फरवरी 2025 में विधानसभा होंगे और यहां पर सत्तारूढ़ आम आदमी पार्टी एक बार फिर पूरे दम-खम से अकेले यह चुनाव लड़ेगी। जबकि वह कांग्रेस के नेतृत्व वाली इंडिया गठबंधन की भागीदार पार्टी रही है। बताया जाता है कि हाइब्रीड पॉलिटिकल पार्टी आप को डर है कि यदि वह कांग्रेस से गठबंधन करेगी तो सियासी तौर पर समाप्त हो जाएगी! पंजाब और दिल्ली की राजनीतिक परिस्थिति भी इसी बात की चुगली करती है। कहना न होगा कि छोटा हिंदुस्तान समझा जाने वाला दिल्ली प्रदेश का विधानसभा चुनाव किसी भी राजनीतिक दल के लिए काफी अहमियत रखता है। यहां पर पहले कांग्रेस और उसके बाद भाजपा का शासन रहा है। बाद में भी इन्हीं दोनों पार्टियों के बीच सत्ता की अदला-बदली हुई। लेकिन दिल्ली की स्थानीय पार्टी के तौर पर आप के राजनैतिक अभ्युदय ने कांग्रेस और भाजपा दोनों के समक्ष एक नई राजनैतिक चुनौती खड़ा कर दी, जो अब तलक जारी है।

**कमलेश पांडे**

समझा जाता है कि कभी केंद्र में सत्तारूढ़ कांग्रेस पार्टी के जबड़े से 2013 में उसकी सूबाई सत्ता छीनना और फिर केंद्र में सत्तारूढ़ हुई भाजपा के कसते सियासी शिकंजे के बावजूद 2015 और 2020 में भी यहां की सत्ता को बचाए रखना दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री और पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल की बहुत बड़ी राजनीतिक सफलता है, जिसके लिए उन्हें नाकोचने चबाने पड़े। इसके ही खातिर उन्हें तिहाड़ जेल तक जाना पड़ा, जहां से फिलवक्त बेल पर वह बाहर हैं। दरअसल, हाइब्रीड पॉलिटिकल पार्टी आप एक अलबेली राजनीतिक पार्टी है, जो कई मामलों में भाजपा और कांग्रेस से अलग है तथा क्षेत्रीय दलों से काफी आगे है। कांग्रेस एवं उसकी विरोधी रही जनता पार्टी व जनता दल और भाजपा के अलावा आप एकमात्र राजनीतिक पार्टी है जो एक के बाद दूसरे राज्य में अपने बलबूते सरकार बनाने में सफल हुई और सफलता पूर्वक उसका संचालन कर रही है। युवा पेशेवरों की यह पार्टी तमाम विवादास्पद मुद्दों में निष्पक्ष अंदाज रखती आई है। हालांकि, केंद्रीय सत्ता तक पहुंचना अभी भी उसके लिए नई दिल्ली दूर है जैसा प्रतीत होता है।

हालांकि इंडिया गठबंधन की शोहबत और भाजपा के धूर विरोध में आप को भी अल्पसंख्यक तुष्टिकरण की नीति अपनानी पड़ी है। आरक्षण सम्बन्धी दुविधाजनक स्टैंड लेना पड़ा। भ्रष्टाचार के अंध कुएं में गोते लगाने पड़े हैं। शानोशौकत के वास्ते शीश महल (मुख्यमंत्री का आवास) तक बनवाने पड़े। वहीं, जनता को रिश्वत स्वरूप मुफ्त बिजली-पानी देने की उसकी शुरुआत और शिक्षा-स्वास्थ्य सम्बन्धी जनसुविधा आज सभी पार्टियों के एजेंडे में शामिल हो चुका है। इसे भारतीय राजनीति में रेवड़ी कल्चर कहा जाता है जिसकी शुरुआत आप ने की है। कांग्रेस/भाजपा आदि तो इस मामले में अब आप से भी दो कदम आगे बढ़ चुके हैं। देखा जाए तो 2025 में होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले अरविंद केजरीवाल ताबड़तोड़ फैसले ले रहे हैं जिसमें अपनी भरोसेमंद सहयोगी मंत्री रहीं आतिशी मर्लेना को दिल्ली का नया मुख्यमंत्री बनाया जाना भी शामिल है। वहीं, हाल ही में उन्होंने दूसरी महत्वपूर्ण घोषणा की है कि दिल्ली विधानसभा चुनाव में वह कांग्रेस से गठबंधन नहीं करेंगे। शायद यह हरियाणा विधानसभा चुनाव में आप के प्रति कांग्रेस की ओर से दिखाई गई राजनीतिक बेरुखी का असर और प्रतिक्रिया स्वरूप करारा जवाब है, क्योंकि तब भी कांग्रेस-आप का गठबंधन टूट गया था।

फ़लसफ़ा यह निकला कि कांग्रेस हरियाणा की सत्ता में आ नहीं पाई और वहां पर अपने बलबूते चुनाव लड़ी आप का खाता तक नहीं खुला, जबकि यह आप सुप्रीमो अरविंद केजरीवाल का गृह प्रदेश भी है। हालांकि यह बात सभी जानते हैं कि गठबंधन में रहते हुए भी आप ने लोकसभा चुनाव 2024 के दौरान कांग्रेस से अपने वर्चस्व वाले एक प्रान्त दिल्ली में गठबंधन तो दूसरे प्रान्त पंजाब में दोस्ताना संघर्ष किया। इस दौरान आप पार्टी पंजाब की 13 लोकसभा सीटों में से मात्र 3 सीटें ही जीत पाई, जबकि कांग्रेस को 7 सीटें मिलीं। यही बात आप को अखड़ गई। वहीं, दिल्ली में भी उसने लोकसभा की 7 सीटों में से 3 सीटें कांग्रेस को दी थी, लेकिन दोनों पार्टियां यहां जीरो पर आउट हो गईं। क्योंकि यहां भी सियासी तालमेल नदारत दिखा था। परिणाम यह हुआ कि सातों लोकसभा सीटों पर भाजपा जीत गई, जो पहले भी सभी सीटों पर काबिज थी। ऐसे में सवाल उठ रहे हैं कि क्या दिल्ली में मुकाबले को त्रिकोणीय बना पाएगी कांग्रेस? क्योंकि जहां जहां भी त्रिकोणीय मुकाबले की नौबत आती है तो अक्सर सत्ता पक्ष फायदे में रहता है। आप के लिए यह स्थिति यहां भी

फायदेमंद हो सकती है। चूंकि दिल्ली विधानसभा चुनाव से पहले कांग्रेस और आम आदमी पार्टी के बीच गठबंधन की लगभग सभी संभावनाएं समाप्त हो गई हैं। जिससे यह तय हो चुका है कि दोनों पार्टियां चुनावी मैदान में एक-दूसरे के खिलाफ खड़ी होंगी। ऐसे में आप से ज्यादा कांग्रेस का चुनावी सफर मुश्किल नजर आ रहा है। वहीं, गठबंधन में फूट की खबर सामने आते ही राजनीतिक गलियारों में अटकलों का बाजार गर्म हो गया है।

जैसे ही दिल्ली विधान सभा चुनाव से पहले इंडिया गठबंधन के दो अहम दलों, कांग्रेस और आम आदमी पार्टी की ओर से साफ संकेत मिला कि इस बार दोनों पार्टियां चुनावी रण में एक-दूसरे के सामने खड़ी होंगी। तो सबसे ज्यादा चर्चा कांग्रेस को लेकर चलने लगी। क्योंकि जो कांग्रेस कुछ वक्त पहले तक अरविंद केजरीवाल के खातिर बीजेपी से लड़ रही थी। अब वहीं कांग्रेस आखिर आम आदमी पार्टी और केजरीवाल के खिलाफ कैसे मोर्चा खोलेगी, यक्ष प्रश्न है? हालांकि मौजूदा सियासत में विचारों का उलट फेर एक आम सी बात हो गई हैं। चूंकि दिल्ली की जनता सूझबूझ वाली है। ऐसे में कांग्रेस के लिए राह आसान नहीं होगी। राजनीतिक जानकारों का कहना है कि दिल्ली में कांग्रेस त्रिकोणीय मुकाबला बनाने की स्थिति में नहीं है। दिल्ली की सियासत में कांग्रेस और आप के बीच रिश्ते स्वार्थ वाले रहे हैं। मसलन, जिस आम आदमी पार्टी ने भ्रष्टाचार का आरोप लगाकर कांग्रेस को दिल्ली की सत्ता से बेदखल किया था, वही आम आदमी पार्टी जब खुद भ्रष्टाचार के आरोप में घिरी तो कांग्रेस से हाथ मिला लिया। अलबत्ता, कांग्रेस ने भी अपने सियासी फायदे को देखकर आप से हाथ मिलाने में ही समझदारी समझी, क्योंकि बीजेपी से अकेले टकराना, दोनों पार्टियों के बस से बाहर था। बताया जाता है कि लोकसभा चुनाव 2024 में कांग्रेस को इससे आप से ज्यादा फायदा मिला। खासकर पंजाब में वह आप से दुगुनी से अधिक लोकसभा सीटें जीतने में कामयाब रही। जबकि दिल्ली की प्रबुद्ध जनता इस सांठगांठ को अच्छे समझ गई। इसलिए लोकसभा चुनाव में दोनों पार्टी के गठबंधन को नकार दिया। जिस तरह से आम आदमी पार्टी (आप) के संयोजक अरविंद केजरीवाल ने फरवरी में होने वाले दिल्ली विधानसभा चुनाव के लिए अपनी पार्टी और कांग्रेस के बीच गठबंधन की संभावना से बीते रविवार को इनकार किया, उससे इंडिया गठबंधन के भविष्य को लेकर भी तरह तरह के सवाल उठ रहे हैं। क्योंकि केजरीवाल ने कहा कि, दिल्ली में कोई गठबंधन नहीं होगा। हालांकि आप और कांग्रेस 'इंडिया' गठबंधन का हिस्सा हैं। दोनों दलों ने इस साल की शुरुआत में दिल्ली में लोकसभा चुनाव मिलकर लड़ा था, लेकिन किसी भी सीट पर गठबंधन को जीत नहीं मिली थी और सभी 7 सीट बीजेपी ने जीती थीं। बता दें कि दिल्ली विधानसभा की 70 सीटों के लिए 2025 में चुनाव होंगे। 2020 में हुए विधानसभा चुनाव में आम आदमी पार्टी ने 62 सीटें जीती थीं। वहीं बीजेपी को महज 8 सीटों पर जीत मिली थी। कांग्रेस का लगातार दूसरी बार दिल्ली से सफाया हो गया था। इस बार भी कांग्रेस की दिल्ली में मजबूत स्थिति नहीं है। ऐसे कांग्रेस मुकाबले में दूर-दूर तक नहीं दिखाई दे रही है। याद दिला दें कि कांग्रेस ने 2008 में हुए दिल्ली विधानसभा चुनाव में जीत दर्ज करते हुए सरकार बनाई थी। 2008 में कांग्रेस को 40.31 फीसदी वोट मिले थे। हालांकि, साल 2013 विधानसभा चुनाव में कांग्रेस को हार का मुंह देखना पड़ा था। वर्ष 2008 में जहां पार्टी का वोट प्रतिशत 40 फीसदी था, वो वर्ष 2013 में घटकर 25 प्रतिशत पर आ गया था। वहीं, साल 2015 के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस को तगड़ा झटका लगा, जब उसे 10 फीसदी से भी कम वोट मिले और उसे एक भी सीट नहीं मिली। कहने का तातपर्य यह कि सिर्फ 7 सालों में ही कांग्रेस का वोट प्रतिशत 40 से घटकर 9.7 फीसदी पर आ गया। उसके बाद वर्ष 2020 का विधानसभा चुनाव भी उसके लिए बुरा साबित हुआ। तब कांग्रेस का वोट प्रतिशत 2015 से भी कम हो गया है। इस बार कांग्रेस को 4.26 प्रतिशत वोट मिले थे। ये पिछले 12 सालों में पार्टी का सबसे खराब प्रदर्शन था। बावजूद इसके, कांग्रेस की ओर से भी पहले ही संकेत दिया चुका है कि वह दिल्ली विस चुनाव के रण में अकेले ही उतरने वाली हैं। दिल्ली कांग्रेस अध्यक्ष देवेंद्र यादव और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता संदीप दीक्षित ने पिछले कुछ दिनों से आप और अरविंद केजरीवाल के खिलाफ आवाज बुलंद कर रखी है। हाल ही में एक साक्षात्कार में स्व. शीला दीक्षित के पुत्र संदीप दीक्षित कह चुके हैं कि अरविंद केजरीवाल ने दिल्ली में गठबंधन धर्म का पालन नहीं किया है। इससे साफ संकेत है कि कांग्रेस विधानसभा चुनाव अकेले लड़ने के मूड में है। वहीं कांग्रेस के कई स्थानीय नेता आम आदमी पार्टी में शामिल हो चुके हैं। इस बात को लेकर भी कांग्रेस का टेंशन और गुस्सा दोनों बढ़ा हुआ है। ऐसे में कांग्रेस के लिए सबसे बड़ी चुनौती दिल्ली की जनता को अपना एजेंडा समझाने में होगी। क्योंकि लोकसभा चुनाव 2024 के दौरान कांग्रेस के नेता अरविंद केजरीवाल के बचाव में बयान दे रहे थे। वही नेता अब अरविंद केजरीवाल पर हमलावर हैं। लिहाजा, दिल्ली की जनता भी कांग्रेस के रवैये को देखकर कन्फ्यूजन में है। उल्लेखनीय है कि दिल्ली शराब घोटाला मामले को लेकर भी कांग्रेस पहले चुप थी, लेकिन दिल्ली विधानसभा चुनाव नजदीक आते ही कांग्रेस, आप को इस घोटाले से घेर रही है। इसलिए दिल्ली में कांग्रेस का किरदार फिलहाल जनता की समझ से बाहर लग रहा है। कांग्रेस इस चुनाव में बीजेपी और आप के सामने कहीं टिकती हुई नजर नहीं आ रही है। वहीं, केजरीवाल के बयानों से यह भी स्पष्ट हो चुका है कि हरियाणा के विधानसभा चुनाव में भी कांग्रेस और आप के बीच गठबंधन की चर्चा चली थी, लेकिन बात नहीं बनी थी। वहीं दिल्ली में आप और कांग्रेस के गठबंधन को लोकसभा चुनाव में सात में से एक भी सीट नहीं मिली थी। पंजाब में दोनों दल एक-दूसरे के खिलाफ़ चुनावी मैदान में उतरे। दोनों दलों के बीच ये उतार-चढ़ाव वाली दोस्ती आप के बनने के बाद से ही चल रही है। यहां पर एक बात याद दिलाना जरूरी समझता हूं कि हरियाणा विधानसभा चुनाव में आप को 1.79 फ़ीसदी वोट मिले थे। वहीं बीजेपी को 39.94 प्रतिशत तो कांग्रेस के खाते में 39.09 प्रतिशत मतदान गया। वहां बीजेपी ने 90 में से 48 सीटें जीतकर सरकार बना ली। वहीं कांग्रेस को 37 सीटों से ही संतुष्ट होना पड़ा। जबकि आप का खाता भी नहीं खुला। ऐसे में देखा जाए तो बीजेपी और कांग्रेस के बीच के वोट में अंतर सिर्फ 0.85 का था। लिहाजा साफ है कि आप और कांग्रेस साथ आते तो शायद बीजेपी को हरियाणा में फायदा नहीं होता।

# समुद्र के रास्ते मादक पदार्थों की तस्करी, भारत और श्रीलंका की नौसेनाओं के बीच सहयोग का महत्व

> श्रीलंका के न्यूज पोर्टल डेली मिरर की एक रिपोर्ट के अनुसार, श्रीलंकाई नौसेना के कमांडर वाइस एडमिरल प्रियंता परेरा ने कहा है कि उनका बल भारतीय नौसेना के साथ हिंद महासागर क्षेत्र में, विशेष रूप से समुद्र में, मादक पदार्थों की तस्करी से निपटने के लिए संयुक्त संचालन बढ़ाने की योजना बना रहा है। पिछले महीने की घटना का जिक्र करते हुए वाइस एडमिरल परेरा ने कहा कि समुद्र में संभावित मादक पदार्थों की तस्करी के बारे में खुफिया जानकारी मिलने पर, श्रीलंकाई अधिकारियों ने कोलंबो में भारतीय उच्चायोग से संपर्क किया। उन्होंने कहा, डिफेंस अताशे ने तुरंत कार्रवाई की और तस्करी करने वाले जहाजों का पता लगाने और उन पर नजर रखने के लिए विमान और हाई-टेक ड्रोन तैनात करके भारतीय नौसेना को शामिल किया।

**अरूनिम भुइयां**

श्रीलंकाई नौसेना ने मादक पदार्थों की तस्करी को रोकने के लिए भारतीय नौसेना के साथ मिलकर संयुक्त अभियान चलाने की मांग की है, इसे श्रीलंका और भारत के बीच समुद्री सुरक्षा सहयोग के क्षेत्र में एक बड़े घटनाक्रम के रूप में देखा जा सकता है। पिछले महीने भारतीय नौसेना ने श्रीलंकाई नौसेना को दो श्रीलंकाई ध्वज वाली मछली पकड़ने वाली नौकाओं को पकड़ने में मदद की थी, जो मादक पदार्थ ले जा रही थीं। यह पहला ऐसा मामला था जब श्रीलंकाई नौसेना को समुद्र में भारतीय नौसेना से मदद मिली। इसके बाद श्रीलंकाई नौसेना ने यह पहल की।

श्रीलंका के न्यूज पोर्टल डेली मिरर की एक रिपोर्ट के अनुसार, श्रीलंकाई नौसेना के कमांडर वाइस एडमिरल प्रियंता परेरा ने कहा है कि उनका बल भारतीय नौसेना के साथ हिंद महासागर क्षेत्र में, विशेष रूप से समुद्र में, मादक पदार्थों की तस्करी से निपटने के लिए संयुक्त संचालन बढ़ाने की योजना बना रहा है। पिछले महीने की घटना का जिक्र करते हुए वाइस एडमिरल परेरा ने कहा कि समुद्र में संभावित

मादक पदार्थों की तस्करी के बारे में खुफिया जानकारी मिलने पर, श्रीलंकाई अधिकारियों ने कोलंबो में भारतीय उच्चायोग से संपर्क किया।

उन्होंने कहा, डिफेंस अताशे ने तुरंत कार्रवाई की और तस्करी करने वाले जहाजों का पता लगाने और उन पर नजर रखने के लिए विमान और हाई-टेक ड्रोन तैनात करके भारतीय नौसेना को शामिल किया। श्रीलंकाई अधिकारियों के साथ मिलकर काम करते हुए, नशीले पदार्थों से लदे जहाजों को जब्त करने के लिए भारतीय नौसेना के दो जहाज भेजे गए। भारतीय उच्चायोग के एक बयान के अनुसार, अरब सागर में श्रीलंकाई ध्वज वाले मछली पकड़ने वाले जहाजों द्वारा संभावित मादक पदार्थों की तस्करी के बारे में श्रीलंकाई नौसेना से मिली जानकारी के आधार पर, भारतीय नौसेना ने नावों को रोकने के लिए समन्वित अभियान के माध्यम से त्वरित कार्रवाई की।

बयान में कहा गया है, भारतीय नौसेना के लंबी दूरी के समुद्री गश्ती विमान और दूर से संचालित विमान द्वारा व्यापक निगरानी की गई, जो गुरुग्राम में सूचना संलयन केंद्र (हिंद महासागर क्षेत्र) से प्राप्त इनपुट के आधार पर थी। इसके बाद अभियान को बढ़ाने के लिए भारतीय नौसेना के एक जहाज को तैनात किया गया। उच्चायोग ने बयान में कहा है कि श्रीलंकाई नौसेना से लगातार मिल रही सूचनाओं और भारतीय नौसेना के विमानों द्वारा हवाई निगरानी के आधार पर दोनों नौकाओं की पहचान की गई। इसके बाद, समन्वित अभियान में, 24 और 25 नवंबर को जहाज की बोर्डिंग टीम द्वारा दोनों नौकाओं को पकड़ा गया और लगभग 500 किलोग्राम मादक पदार्थ (क्रिस्टल मेथ) जब्त किया गया, जिसकी कीमत 170 बिलियन श्रीलंकाई रुपये थी। दोनों नौकाओं, चालक दल और जब्त मादक पदार्थों को आगे की कानूनी कार्रवाई के लिए समुद्र में श्रीलंकाई नौसेना के जहाज को सौंप दिया गया।

भारतीय उच्चायोग के बयान में आगे कहा गया कि यह अभियान क्षेत्रीय समुद्री चुनौतियों का संयुक्त रूप से समाधान करने और हिंद महासागर क्षेत्र में सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए दोनों नौसेनाओं के संयुक्त संकल्प का प्रतीक है। बयान में कहा गया कि भारत सरकार ने श्रीलंका को भारतीय नौसेना का एक डोर्नियर समुद्री विमान भी प्रदान किया है, ताकि द्वीप राष्ट्र की समुद्री निगरानी क्षमता को बढ़ाया जा सके। यह इस क्षेत्र में भारत को पसंदीदा सुरक्षा भागीदार के रूप में फिर से स्थापित करता है और यह भारत और श्रीलंका के लोगों के लिए दोनों देशों और नौसेनाओं के बीच घनिष्ठ संबंधों के लाभों का भी प्रमाण है। गौरतलब है कि प्रमुख अंतरराष्ट्रीय शिपिंग लेन के चौराहे पर हिंद महासागर में श्रीलंका का स्थान इसे समुद्री सुरक्षा में एक महत्वपूर्ण भागीदार बनाता है। संकीर्ण पाक जलडमरूमध्य और मन्नार की खाड़ी दोनों देशों और उससे आगे के क्षेत्रों के बीच अवैध तस्करी के लिए एक गलियारे के रूप में काम करती है। भारत की विस्तृत तटरेखा और श्रीलंका से इसकी निकटता इसे मादक पदार्थों की तस्करी के नेटवर्क के लिए असुरक्षित बनाती है। दोनों देशों के बीच समुद्री सहयोग को मजबूत करने से इन महत्वपूर्ण क्षेत्रों पर बेहतर निगरानी सुनिश्चित होती है।

# कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता विभाग, झारखण्ड, राँची
## कार्यालय– भूमि संरक्षण सर्वेक्षण पदाधिकारी, बोकारो।
E-Mail ID – bokarosoil@gmail.com

## वित्तीय वर्ष 2024–25 में केन्द्र प्रायोजित Sub Mission on Agriculture Mechanization (SMAM) योजना के तहत कृषि उपकरण बैंक की स्थापना

वित्तीय वर्ष 2024–25 में केन्द्र प्रायोजित RKVY योजना अन्तर्गत Sub Mission on Agriculture Mechanization (SMAM) उपयोजना के तहत कृषि उपकरण बैंक की स्थापना हेतु सचिव, कृषि पशुपालन एवं सहकारिता विभाग, झारखण्ड, राँची के राज्यदेश सं0 – 29 दिनांक – 01.07.2024 के आलोक में योजना का कार्यान्वयन स्वयं सहायता समूह / Enterpreneurs /Lamps/ Pacs/ FPOs/ Village Organlzation (V.O.) / कलस्टर फेडरेशन आदि के माध्यम से किया जाना है।

अनुदान पर वितरित किए जाने वाले कृषि यंत्र / मशीन उपकरण का भौतिक एवं वित्तीय लक्ष्य निम्नवत है :–

| क्र0 | RKVY योजना अन्तर्गत SMAM | भौतिक लक्ष्य (सं0 में) | अनुदान की राशि (लाख में) | कृषक समूह का अंशदान |
|---|---|---|---|---|
| 1 | Sub Mission on Agriculture Mechanization (SMAM) योजनान्तर्गत ग्राम स्तरीय कृषि उपकरण बैंक की स्थापना | 05 | कृषि उपकरण बैंक की स्थापना के कुल लागत का 80 प्रतिशत या अधिकतम 8.00 (आठ लाख) रूपये। | 20 प्रतिशत |
| क्र0 | व्यक्तिगत कृषि यंत्र / मशीन उपकरण का नाम | भौतिक लक्ष्य (सं0 में) | अनुदान की राशि | कृषक अंशदान |
| | **Tractor (Below 20 BHP) driven equipments** | | | |
| 1 | Tractor 4 WD (08-20 PTO HP) | 03 | 50 प्रतिशत | 50 प्रतिशत |
| 2 | MB Plow (Single Bottom) | 01 | | |
| 3 | Cage Wheel | 03 | | |
| 4 | Cultivator | 03 | | |
| 5 | Multi crop Threshers | 01 | | |
| 6 | Paddy Threshers | 01 | | |
| | **Tractor (above 20- 35 BHP) driven equipments** | | | |
| 7 | Tractor 2 WD (20-40 PTO HP) | 10 | | |
| 8 | MB Plow (Single Bottom) | 01 | | |
| 9 | Cage Wheel | 10 | | |
| 10 | Cultivator | 10 | | |
| 11 | Paddy Threshers | 01 | | |
| 12 | Rotavator (upto 5 feet) | 03 | | |
| 13 | Rotavator (5 feet) | 01 | | |
| 14 | Rotavator (6 feet) | 06 | | |
| 15 | Rotavator (7 feet) | 01 | | |
| 16 | Manual sprayer : Knapsack/foot/Battery operated sprayer | 06 | | |
| 17 | Solar operated Knapsack sprayer | 06 | | |
| 18 | Powered Knapsack sprayer/ power operated sprayer (capacity 8 -12 its) : (≤ 0.75 hp engine) | 06 | | |
| 19 | Self Propelled Weeder (Below 2 BHP) | 04 | | |
| 20 | Self Propelled Weeder (Above 2 BHP) | 01 | | |
| 21 | Self Propelled Rice Transplanter (4 Rows) | 01 | | |
| 22 | Self Propelled Crop Reaper (4 Rows) | 03 | | |

**लाभुक का चयन**

- झारखण्ड स्टेट लाईवलीहुड प्रोमोशन सोसाईटी (JSLPS) या अन्य किसी सक्षम संस्था द्वारा उपलब्ध कराये गये स्वयं सहायता समूह / Enterpreneurs/Village Organlzation (V.O.) / कलस्टर फेडरेशन / Lamps/Pacs/FPOs/को योजनान्तर्गत चयन किया जायगा। उक्त आवेदनकर्त्ता **भूमि संरक्षण सर्वेक्षण कार्यालय, बोकारो** से आवेदन–पत्र प्राप्त करें।
- आवेदन पत्र जमा करने की अंतिम तिथि दिनांक **21.12.2024** तक है एवं आवेदन पत्र भूमि संरक्षण सर्वेक्षण कार्यालय, बोकारो से प्राप्त किया जा सकेगा। व्यक्तिगत कृषकों द्वारा पूर्ण रूप से भरा हुआ आवेदन कार्यालय में जमा लिया जायेगा।
- स्वंय सहायता समूहों के गठन में 10 से 12 सदस्यों का होना आवश्यक है।
- छोटे कृषि उपकरण बैंक में वैसे स्वंय सहायता समूह / Enterpreneurs/Lamps/Pacs/FPOs/ Village Organlzation (V.O.) / कलस्टर फेडरेशन कृषक समूहों को प्राथमिकता दी जायेगी जिस समूह के सदस्यों के पास खेती योग्य कुल 10.00 एकड़ से अधिक भूमि होगी।
- वैसे समूहों को भी प्राथमिकता दी जायेगी जिस समूह के सदस्यो में से कम से कम किसी एक सदस्य के पास ट्रैक्टर / वाहन (LMV) चालन का वैध लाईसेंस होगा।
- प्राप्त आवेदन पत्रों का जाँचोपरान्त उपायुक्त या उनके द्वारा प्रधिकृत पदाधिकारी की अध्यक्षता में गठित "जिला स्तरीय समिति" के द्वारा तैयार सूची पर अनुमोदन प्राप्त किया जायेगा।
- जिन कृषक समूहों को कृषि विभाग द्वारा कृषि उपकरण बैंक की स्थापना या अन्य किसी योजना (केन्द्र प्रायोजित योजना या राज्य योजना) के माध्यम से कृषि यंत्र पूर्व में प्राप्त किया गया होगा उन यंत्रों को छोड़कर ही अन्य किसी यंत्रों के लिए पात्रता होगी।

उक्त योजना से संबंधित अन्य जानकारियों के लिए निम्न पते पर संपर्क किया जा सकता है।

**कार्यालय का पता :–**
भूमि संरक्षण सर्वेक्षण पदाधिकारी, बोकारो
संयुक्त जिला कृषि कार्यालय चास, बोकारो।

निवेदक
भूमि संरक्षण सर्वेक्षण पदाधिकारी
बोकारो

PR 341222 (Agriculture) 24-25 (D)

# मिट्टी पृथ्वी पर जीवन का आधार है : आकांक्षा

**डुमरी (ससे):** प्रखंड के अतकी में एचडीएफसी बैंक परिवर्तन अंतर्गत परियोजना समग्र ग्रामीण विकास कार्यक्रम के तहत गुरुवार को विश्व मिट्टी दिवस का आयोजन जन जागरण केन्द्र द्वारा किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन दीप प्रज्वलित करके बीटीएम मुकेश कुमार,आकांक्षा कुमारी मुखिया ईश्वर हेम्ब्रम पंसस मोतीलाल हांसदा ने किया। बीटीएम ने कहा कि दुनिया के सामने जलवायु परिवर्तन आज सबसे बड़ी चुनौती है जिसका सबसे बड़ी शिकार मिट्टी हुई है।लोगों को जागरूक करने के लिए प्रति वर्ष ५ दिसंबर को विश्व मृदा दिवस मनाया जाता है जिसका उद्देश्य मिट्टी के संरक्षण, महत्व और उसके टिकाऊ उपयोग के प्रति जागरुकता बढ़ाना है।

# नया मोड़ बस स्टैंड पर यात्री सुविधाओं को करें सुदृढ़ : डीसी

**बोकारो (ससे):** समाहरणालय स्थित कार्यालय कक्ष में गुरुवार को उपायुक्त (डीसी) विजया जाधव ने चास नगर निगम क्षेत्र एवं बीएस सिटी क्षेत्र में शहरवासियों को उपलब्ध सुविधाओं पर चर्चा की। मौके पर अपर समाहर्ता मो. मुमताज अंसारी, जिला परिवहन पदाधिकारी वंदना शेजवलकर, अपर नगर आयुक्त चास संजीव कुमार, मुख्य महाप्रबंधक नगर सेवाएं, बीएस सिटी कुंदन कुमार, सहायक नगर आयुक्त प्रियंका कुमारी, सहायक जनसंपर्क पदाधिकारी अविनाश कुमार सिंह व अन्य उपस्थित थे। उपायुक्त ने चास नगर निगम एवं बीएस सिटी को सुंदर एवं व्यवस्थित करने को लेकर क्रमवार विभिन्न बिंदुओं पर चर्चा की और जरूरी दिशा - निर्देश दिया।

इस दौरान शहरवासियों से नयामोड़ स्थित बस स्टैंड की अव्यवस्था को लेकर मिल रही शिकायतों पर बीएसएल प्रबंधन पर गहरी नाराजगी जताई। उन्होंने बस स्टैंड पर मूलभूत सुविधाओं (पेयजल, शैचालय, पार्किंग, फुटपाथ आदि) को अविलंब सुदृढ़ करने का निर्देश दिया। मौके पर उपस्थित जिला परिवहन पदाधिकारी वंदना शेजवलकर ने कहा कि जिला मुख्यालय स्थित एकमात्र बस स्टैंड है, राज्यीय - अंतरराज्यीय बसों का आवागमन प्रतिदिन होता है, लेकिन यात्री सुविधाएं नदारद हैं।

इस पर उपायुक्त ने बैठक में उपस्थित मुख्य महाप्रबंधक नगर सेवाएं कुंदन कुमार को बस स्टैंड का निरीक्षण करते हुए यात्री सुविधाओं/व्यवस्थाओं को सुदृढ़ करने के दिशा में त्वरित कार्रवाई करने को कहा। वहीं, सड़कों की नियमित साफ - सफाई, घरों से निकलने वाले कचड़ों का सही से निस्तारण आदि को लेकर भी जरूरी दिशा - निर्देश दिया।

आगे, बैठक में भारत सरकार द्वारा चास नगर निगम क्षेत्र एवं बीएस सिटी का चयन के हाउस होल्ड मैपिंग - डिजिटलाइजेशन को लेकर चिन्हित किया गया है। इसको लेकर दोनों (नगर निगम प्रशासन/ बीएसएल नगर) प्रबंधनों को सायनोप्सिस (सार/ विवरण) जिसमें क्षेत्रफल, जनसंख्या, कुल वार्ड/ सेक्टर आदि की जानकारी उल्लेखित करते हुए प्रतिवेदन समर्पित करने को कहा। इसके अलावा कई अन्य बिंदुओं पर भी जरूरी दिशा-निर्देश दिया।

# कार्यपालक अभियंता का कार्यालय
## ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल, बोकारो।
ई–निविदा आमंत्रण सूचना
ई– अल्पकालीन निविदा सूचना संख्या – RDD/SD/BOKARO/52/2024-25

1.कार्य की विस्तृत विवरणीः

| क्र० सं० | कार्य का नाम | प्राक्कलित राशि | अग्रधन की राशि | परिमाण विपत्र का मूल्य | कार्य पूर्ण करने की अवधि |
|---|---|---|---|---|---|
| 1 | बोकारो जिला के चास प्रखण्ड परिसर में अवस्थित पेट क्लिनिक के जीर्णोद्धार एवं पेट क्लिनिक के भूतल के उपर प्रथम तल में Owner Waiting Hall, Clinical Diagnostic Lab, Store Room, Doctor Rest Room इत्यादि के निर्माण कार्य। | 7972600.00 | 159500.00 | 10000.00 | 06 माह |

2. वेबसाइट में निविदा प्रकाशन की तिथि – 12.12.2024
3. ई–निविदा प्राप्ति की तिथि एवं समय – दिनांक 12.12.2024 से दिनांक 19.12.2024 को अपराह्न 5:00 बजे तक
4. ई–निविदा खोलने का स्थान – कार्यपालक अभियंता का कार्यालय, ग्रामीण विकास विशेष प्रमण्डल, बोकारो।
5. ई–निविदा खोलने की तिथि एवं समय – 21.12.2024 अपराह्न 02:00 बजे
6. ई–निविदा आमंत्रित करने वाले पदाधिकारी का नाम एवं पता :– कार्यपालक अभियंता, ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल, बोकारो।
7. ई–निविदा प्रकोष्ठ का दूरभाष सं० – 06542 291060 (संबंधित कार्यपालक अभियंता का दूरभाष नम्बर)
8. परिमाण विपत्र की राशि घट–बढ़ सकती है तदनुसार अग्रधन की राशि देय होगी।
9. निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि केवल Online Mode द्वारा स्वीकार्य होगी।
10. निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि का ई–भुगतान जिस खाता से किया जायेगा, उसी खाते में अग्रधन की राशि वापस होगी। अगर खाता को बंद कर दिया जाता है तो उसकी सारी जवाबदेही आपकी होगी।

विस्तृत जानकारी के लिये वेबसाईट www.jharkhandtenders.gov.in एवं कार्यालय की सूचना पट्ट पर देखा जा सकता है।

कार्यपालक अभियंता
ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल, बोकारो।

PR 341254 Rural Development(24-25)D

# 24 घंटे के अंदर जवाब प्रतिवेदन समर्पित करने का निर्देश

**बोकारो (ससे):** जिले के विभिन्न अंचलों में भूमि के दाखिल-खारिज से संबंधित मामलों के निष्पादन में अंचलाधिकारियों (सीओ) की सुस्ती/लापरवाही पर उपायुक्त विजया जाधव ने नारजगी व्यक्त की है। जिले के सभी ९ अंचलों के अंचलाधिकारियों, उनके राजस्व उप निरीक्षक एवं अंचल निरीक्षकों को शोकॉउज (स्पष्टीकरण) किया है। इस बाबत पत्र जारी कर दिया है। उपायुक्त द्वारा जारी पत्र में स्पष्ट उल्लेख किया गया है कि, झारभूमि पोर्टल पर दाखिल खारिज के प्राप्त आवेदनों के निष्पादन की स्थिति के समीक्षा क्रम में यह पाया गया है कि राजस्व उप निरीक्षक, अंचल निरीक्षक एवं अंचल अधिकारी के द्वारा दाखिल - खारिज के मामलों के निष्पादन में लापरवाही बरती जा रही है। पोर्टल पर कई आवेदन लंबित हैं, जबकि कई आवेदनों को बिना किसी ठोस वजह के अस्वीकृत किया जा रहा है। वहीं, कुछ मामलों में बिहार टेनेंट्स होल्डिंग (मेंटेनेंस ऑफ़ रिकार्ड्स) एक्ट १९७३ के सेक्शन १५ का उल्लंघन भी किया जा रहा है, जो सही नहीं है।

उन्होंने सभी अंचलों में दाखिल - खारिज के लंबित आवेदनों की संख्या पर कड़ी नाराजगी जताई है। कहा कि, कार्यालय द्वारा झारखंड राज्य सेवा देने की गारांटी अधिनियम २०११ के अनुपालन को लेकर स्पष्ट निर्देश दिया गया है। बावजूद इसके दाखिल - खारिज से संबंधित आवेदनों का ससमय एवं पारदर्शितापूर्ण निष्पादन नहीं करना, कार्य निष्पादन में आपकी सुस्ती/लापरवाही को दर्शाता है।

इसी को लेकर उपायुक्त ने सभी नौ अंचलाधिकारियों, उनके राजस्व उप निरीक्षक एवं अंचल निरीक्षकों को शोकॉउज (स्पष्टीकरण) किया है। पत्र प्राप्ति के २४ घंटे के अंदर जवाब प्रतिवेदन कार्यालय को समर्पित करने का निर्देश दिया गया है।

# मंईयां योजना में त्रुटिपूर्ण आवेदन में सुधार नहीं, लाभुक परेशान

**कोडरमा (ससे):** कोडरमा। झारखंड में हेमंत सोरेन की सरकार मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना का फायदा अधिक-अधिक महिलाओं तक पहुंचाने के लिए काम कर रही है। इस योजना के तहत प्रदेश की महिलाओं को आर्थिक रुप से सशक्त करने के लिए हर महीने १००० रुपये दिए जा रहे हैं। साथ ही सरकार ने अब २५०० रुपये देने की घोषणा को अमलीजामा पहनाने में लगी हुई हैं। इस पैसे को २१ से ५० साल तक की महिलाएं जो इस योजना कि लाभुको में शामिल हैं इस योजना का मकसद महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाना है। इसका सीधा लाभ गरीबी में जीवन गुजार रहीं महिलाओं को मिलेगा ताकि वह अपने पोषण, स्वास्थ्य और स्वच्छता पर खर्च कर सकेंगी।

लेकिन कुछ त्रुटियो के कारण कई लाभुक सरकार की इस महत्वाकांक्षी योजना से वंचित होना पड़ रहा हैं कई बैंकों में आईएफएस कोड गलत होने के कारण खाते में पैसा नही आ रहा है तो कहीं लाभुकों को मैसेज मिलने के बाद भी रकम क्रेडिट खाते में नही हो पा रही है। आवेदन करते समय गलत जानकारी देने के कारण भी कई महिलाएं लाभ से वंचित हो गई है। सरकारी पोर्टल में आवेदन अपलोड होने के बाद गलती सुधारने की कोई व्यवस्था नहीं की गई है जिन महिलाओं ने बैंक खाता नंबर या आईएफएससी कोड में गलती की है वह रोजाना सुधार के लिए अंचल कार्यालय प्रज्ञा केंद्र नगर परिषद का चक्कर लगा रहे हैं साथ ही छोटी छोटी त्रुटियो के कारण कई जन परेशान हैं बैंकों के चक्कर लगा लगा थक रहे हैं सही जानकारी के अभाव में लोगो को निराशा ही हाथ लग रही है । त्रुटियों के सुधार के लिए ऑनलाइन कोई विकल्प नहीं है। कांग्रेस नेता साईद नसीम ने कहा सरकार का लाभ २१ से ५० वर्ष के अंतर्गत आने वाले सही पात्रों को लाभ मिलेगा कुछ त्रुटिपूर्ण शिकायत मिली है।

# बीएसएल में सुरक्षा जागरूकता प्रशिक्षण कार्यक्रम

**बोकारो (ससे):** ज्ञानार्जन एवं विकास विभाग में बोकारो इस्पात संयंत्र के विभिन्न विभागों के २२ अधिशासीयों के लिए दो दिवसीय सुरक्षा जागरूक्ता प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन ०५ -०६ दिसम्बर को किया जा रहा है. इस कार्यक्रम में फैकल्टी के रूप में वैसे अधिकारी शामिल हो रहे हैं जो पूर्व में मेसर्स एएसके- इएचएस द्वारा ट्रेन दि ट्रेनर कार्यक्रम के दौरान प्रशिक्षण प्राप्त कर चुके हैं.

इस कार्यक्रम के उदघाटन सत्र मे मुख्य महाप्रबंधक (सुरक्षा एवं अग्निशमन सेवा) श्री बी के सरतापे, महाप्रबंधक (ज्ञानार्जन एवं विकास) श्री एस के भगत उपस्थित थे. मुख्य महाप्रबंधक (सुरक्षा एवं अग्निशमन सेवा), श्री बी के सरतापे ने सभी को सुरक्षा शपथ दिलाई और कार्यक्रम का उदघाटन किया. अपने सम्बोधन मे श्री सरतापे ने स्टील प्लांट में सेफ्टी की अहमियत पर प्रकाश डाला तथा सभी प्रतिभागियों से प्रशिक्षण कार्यक्रम से सीखी बातों को अपने सहमर्मियों से भी साझा करने की अपील की. श्री एस के भगत ने भी सभी प्रतिभागियों से इस कार्यक्रम का लाभ उठाने बढ़ाने की अपील की.कार्यक्रम के आयोजन मे ज्ञानार्जन एवं विकास विभाग से वरीय ओपरेटिव राकेश कुमार ,कौशलेन्द्र प्रताप सिंह तथा इंस्ट्रक्टर श्री अर्जुन प्रसाद बाउरी का सराहनीय योगदान रहा.

# झारखण्ड सरकार,
## गृह, कारा एवं आपदा प्रबंधन विभाग
## झारखण्ड आन्दोलनकारी चिन्हितीकरण आयोग

69वीं औपबंधिक सूची जिला–बोकारो (पार्ट–5)

| क्र0 | आवेदनकर्त्ता की विवरणी | गृह, कारा एवं आपदा प्रबंधन विभाग, झारखण्ड, राँची के संकल्प संख्या–1938, दिनांक–20.04.2021 के आलोक में प्रदत्त कंडिका |
|---|---|---|
| | विवरण :–चिन्हित झारखण्ड आन्दोलनकारी श्री विदेशी महतो , भीमनाथ मॉंझी एवं भुवनेश्वर केवट द्वारा आयोग के माननीय सदस्य श्री नरसिंह मुर्मू के समक्ष आवेदन में दर्ज बयान तथा पहचान के आधार पर। | |
| 246. | 1. आवेदन क्र0–2512/24 2. आवेदक–अंजना देवी, पति–स्व0 दुलाल चन्द्र दे<br>3. ग्राम–बाँधडीह टोला मांझीडीह, पोस्ट–बाँधडीह, थाना–जरीडीह, प्रखण्ड–जरीडीह<br>4. लिंग–महिला, आयु–62 वर्ष, पहचान चिन्ह–दाहिने गाल पर तील का निशान। | कंडिका–2(ix) |
| 247. | 1. आवेदन क्र0–2513/24 2. आवेदक–गीता देवी, पति–शिबू दास<br>3. ग्राम–बाँधडीह टोला मांझीडीह, पोस्ट–बाँधडीह, थाना–जरीडीह, प्रखण्ड–जरीडीह<br>4. लिंग–महिला, आयु–53 वर्ष, पहचान चिन्ह–बाया पैर पर दाग का निशान। | कंडिका–2(ix) |
| 248. | 1. आवेदन क्र0–2514/24 2. आवेदक–शिमती देवी, पति–स्व0 लाखीराम मॉंझी<br>3. ग्राम–गायछन्दा, पोस्ट–गांगजोरी, थाना–जरीडीह, प्रखण्ड–जरीडीह<br>4. लिंग–महिला, आयु–49 वर्ष, पहचान चिन्ह–बाये पैर में घाव का निशान। | कंडिका–2(ix) |
| 249. | 1. आवेदन क्र0–2515/24 2. आवेदक–जीतलाल मॉंझी, पिता–चैतन्य मॉंझी<br>3. ग्राम–बाँधडीह, पोस्ट–बाँधडीह, थाना–जरीडीह, प्रखण्ड–जरीडीह<br>4. लिंग–पुरूष, आयु–59 वर्ष, पहचान चिन्ह–बाये हाथ में कटे का निशान। | कंडिका–2(ix) |
| 250. | 1. आवेदन क्र0–2516/24 2. आवेदक–ललिता देवी, पति–दिलीप कुमार मुर्मू<br>3. ग्राम–कल्याणपुर, पोस्ट–बारू, थाना–जरीडीह, प्रखण्ड–जरीडीह<br>4. लिंग–महिला, आयु–41 वर्ष, पहचान चिन्ह–छाती में तील का निशान। | कंडिका–2(ix) |
| 251. | 1. आवेदन क्र0–2517/24 2. आवेदक–दिलीप कुमार मुर्मू , पिता–राधा मॉंझी<br>3. ग्राम–कल्याणपुर, पोस्ट–बारू, थाना–जरीडीह, प्रखण्ड–जरीडीह<br>4. लिंग–पुरूष, आयु–46 वर्ष, पहचान चिन्ह–बाया पैर में कटा का निशान। | कंडिका–2(ix) |
| 252. | 1. आवेदन क्र0–2518/24 2. आवेदक–कुवेर प्रसाद सिंह, पिता–स्व0 यमुना प्रसाद सिंह<br>3. ग्राम–विशुनपुर, पोस्ट–बालीडीह, थाना–बालीडीह, प्रखण्ड–चास<br>4. लिंग–पुरूष, आयु–60 वर्ष, पहचान चिन्ह–बाया ओंट पर सदा का निशान। | कंडिका–2(ix) |
| 253. | 1. आवेदन क्र0–2519/24 2. आवेदक–आशोक प्रसाद सिंह, पिता–स्व0 यमुना प्रसाद सिंह<br>3. ग्राम–विशुनपुर, पोस्ट–बालीडीह, थाना–बालीडीह, प्रखण्ड–चास<br>4. लिंग–पुरूष, आयु–45 वर्ष, पहचान चिन्ह–दाहिना आँख के पास मासा का निशान। | कंडिका–2(ix) |
| 254. | 1. आवेदन क्र0–2520/24 2. आवेदक–संयोती देवी, पति–रीतवरण टुडू<br>3. ग्राम–गायछन्दा, पोस्ट–गांगजोरी, थाना–जरीडीह, प्रखण्ड–जरीडीह<br>4. लिंग–महिला, आयु–48 वर्ष, पहचान चिन्ह–आँख के उपर तील का निशान। | कंडिका–2(ix) |
| 255. | 1. आवेदन क्र0–2521/24 2. आवेदक–मंगल मॉंझी, पिता–भादू मॉंझी<br>3. ग्राम–सुन्दरो, पोस्ट–चिलगड्डा, थाना–जरीडीह, प्रखण्ड–जरीडीह<br>4. लिंग–पुरूष, आयु–52 वर्ष, पहचान चिन्ह–छाती पर घाव का निशान। | कंडिका–2(ix) |
| 256. | 1. आवेदन क्र0–2522/24 2. आवेदक–बालदेव हेम्ब्रम, पिता–स्व0 बुधू मॉंझी<br>3. ग्राम–बालीडीह, पोस्ट–बालीडीह, थाना–बालीडीह, प्रखण्ड–चास<br>4. लिंग–पुरूष, आयु–63 वर्ष, पहचान चिन्ह–दाहिना हाथ के अगनी में मासा का निशान। | कंडिका–2(ix) |
| 257. | 1. आवेदन क्र0–2523/24 2. आवेदक–धनी देवी , पति–जयदेव हेम्ब्रम<br>3. ग्राम–बिरसाड़म टोला पन्दाटॉंड , पोस्ट–गांगजोरी , थाना–जरीडीह , प्रखण्ड– जरीडीह<br>4. लिंग–महिला , आयु–58 वर्ष, पहचान चिन्ह–बाएँ पैर में घाव का निशान । | कंडिका–2(ix) |
| 258. | 1. आवेदन क्र0–2524/24 2. आवेदक–राजमती देवी , पति–जयदेव हेम्ब्रम<br>3. ग्राम–बिरसाड़म , पोस्ट–गांगजोरी , थाना–जरीडीह , प्रखण्ड– जरीडीह<br>4. लिंग–महिला , आयु–66 वर्ष, पहचान चिन्ह–अंकित नहीं । | कंडिका–2(ix) |
| 259. | 1. आवेदन क्र0–2525/24 2. आवेदक–रूप लाल मांझी , पिता–स्व0 सहदेव मांझी<br>3. ग्राम–सराय विन्धा , पोस्ट–अराजू , थाना–जरीडीह , प्रखण्ड– जरीडीह<br>4. लिंग–पुरूष , आयु–45 वर्ष, पहचान चिन्ह–दाहिना छाती पर तिल का निशान । | कंडिका–2(ix) |
| 260. | 1. आवेदन क्र0–2526/24 2. आवेदक–धिरेन मांझी , पिता–स्व0 मोहन मांझी<br>3. ग्राम–सराय विन्धा , पोस्ट–अराजू , थाना–जरीडीह , प्रखण्ड– जरीडीह<br>4. लिंग–पुरूष , आयु–46 वर्ष, पहचान चिन्ह–बायें आँख पर कट का निशान । | कंडिका–2(ix) |
| 261. | 1. आवेदन क्र0–2527/24 2. आवेदक–बासुदेव मांझी , पिता–लाटू मांझी<br>3. ग्राम–कमलापुर , पोस्ट–अराजू , थाना–जरीडीह , प्रखण्ड– जरीडीह<br>4. लिंग–पुरूष , आयु–62 वर्ष, पहचान चिन्ह–दाया साईड में नेने का निशान । | कंडिका–2(ix) |
| 262. | 1. आवेदन क्र0–2528/24 2. आवेदक–रामलखन महतो , पिता–पति महतो<br>3. ग्राम–बरूआटॉंड , पोस्ट–तुपकाडीह, थाना–बालीडीह , प्रखण्ड– चास<br>4. लिंग–पुरूष , आयु–54 वर्ष, पहचान चिन्ह–दाया पैर मे कट का निशान । | कंडिका–2(ix) |
| 263. | 1. आवेदन क्र0–2529/24 2. आवेदक–आदरी देवी , पति–पशुपति मांझी<br>3. ग्राम–दंधिमारी , पोस्ट–राधानगर , थाना– बालीडीह , प्रखण्ड– चास<br>4. लिंग–महिला , आयु–72 वर्ष, पहचान चिन्ह–दायें पैर में घाव का निशान । | कंडिका–2(ix) |
| 264. | 1. आवेदन क्र0–2530/24 2. आवेदक–महावीर मांझी , पिता–गोरा मांझी<br>3. ग्राम–कमलापुर , पोस्ट–अराजू , थाना–जरीडीह , प्रखण्ड– जरीडीह<br>4. लिंग–पुरूष , आयु–52 वर्ष, पहचान चिन्ह– दायें पैर में घाव का निशान । | कंडिका–2(ix) |
| 265. | 1. आवेदन क्र0–2531/24 2. आवेदक–बाबुराम मांझी , पिता–गोरा मांझी<br>3. ग्राम–कमलापुर , पोस्ट–अराजू , थाना–जरीडीह , प्रखण्ड– जरीडीह<br>4. लिंग–पुरूष , आयु–55 वर्ष, पहचान चिन्ह– दायें हाथ में तिल का निशान । | कंडिका–2(ix) |
| 266. | 1. आवेदन क्र0–2532/24 2. आवेदक– हिंगु मांझी , पिता–स्व0 सोम मांझी<br>3. ग्राम–बेलडीह , पोस्ट–अराजू , थाना–जरीडीह , प्रखण्ड– जरीडीह<br>4. लिंग–पुरूष , आयु–61 वर्ष, पहचान चिन्ह– बाएँ हाथ पर घाव का निशान | कंडिका–2(ix) |
| 267. | 1. आवेदन क्र0–2609/24 2. आवेदक–चन्द्रिका हजाम , पिता–मोती हजाम<br>3. ग्राम–तुपकाडीह , पोस्ट–तुपकाडीह , थाना–जरीडीह , प्रखण्ड–जरीडीह<br>4. लिंग–पुरूष , आयु–61 वर्ष , पहचान चिन्ह–बायें पैर में घाव का निशान। | कंडिका–2(ix) |
| 268. | 1. आवेदन क्र0–2610/24 2. आवेदक–जगदीश महतो , पिता–स्व0 चिनतू महतो<br>3. ग्राम–ताँतरी दक्षिण , पोस्ट–तुपकाडीह , थाना–जरीडीह , प्रखण्ड–जरीडीह<br>4. लिंग–पुरूष , आयु–63 वर्ष , पहचान चिन्ह–बायें पैर पर घाव का निशान। | कंडिका–2(ix) |
| 269. | 1. आवेदन क्र0–2611/24 2. आवेदक–गणेश मल्लाह , पिता–स्व0 गंडू मल्लाह<br>3. ग्राम–मानगो केवटडीह, पोस्ट–ताँतरी , थाना–बालीडीह , प्रखण्ड–चास<br>4. लिंग–पुरूष , आयु–48 वर्ष , पहचान चिन्ह–ललाट पर कटे का निशान। | कंडिका–2(ix) |
| 270. | 1. आवेदन क्र0–2612/24 2. आवेदक–जनार्दन केवट , पिता–स्व0 लखनलाल केवट<br>3. ग्राम–मानगो केवटडीह, पोस्ट–ताँतरी , थाना–बालीडीह , प्रखण्ड–चास<br>4. लिंग–पुरूष , आयु–45 वर्ष , पहचान चिन्ह–दाहिने पैर घुटने पर घाव का निशान। | कंडिका–2(ix) |
| | विवरण :–चिन्हित झारखण्ड आन्दोलनकारी इन्द्रदेव महतो एवं कौलेश्वर मॉंझी द्वारा आयोग के माननीय सदस्य श्री नरसिंह मुर्मू के समक्ष आवेदन में दर्ज बयान तथा पहचान के आधार पर। | |
| 271. | 1. आवेदन क्र0–2533/24 2. आवेदक–सीताराम मांझी , पिता–स्वः गोपीनाथ मांझी<br>3. ग्राम–मायापुर , पोस्ट–रोहर, थाना–पेटरवार, प्रखण्ड–पेटरवार<br>4. लिंग–पुरूष, आयु–55 वर्ष , पहचान चिन्ह–अकिंत नहीं है। | कंडिका–2(ix) |
| 272. | 1. आवेदन क्र0–2534/24 2. आवेदक नरेश कुमार टुडू , पिता–धनेश्वर टुडू<br>3. ग्राम– मायापुर , पोस्ट– रोहर , थाना– पेटरवार , प्रखण्ड– पेटरवार<br>4. लिंग– पुरूष , आयु–50 वर्ष , पहचान चिन्ह–अकिंत नहीं है। | कंडिका–2(ix) |
| 273. | 1. आवेदन क्र0–2535/24 2. आवेदक– केलाश नायक , पिता– स्वः विजयमल नायक<br>3. ग्राम– दांतू , पोस्ट– दांतू, थाना–कसमार, प्रखण्ड–कसमार<br>4. लिंग–पुरूष, आयु–59 वर्ष , पहचान चिन्ह–अकिंत नहीं है। | कंडिका–2(ix) |
| 274. | 1. आवेदन क्र0–2536/24 2. आवेदक– पिंकी देवी , पति– सोमल मांझी<br>3. ग्राम– लावागुडा , पोस्ट–अरजुवा, थाना– पेटरवार , प्रखण्ड–पेटरवार<br>4. लिंग– महिला, आयु–54 वर्ष , पहचान चिन्ह–अंकित नही है। | कंडिका–2(ix) |
| 275. | 1. आवेदन क्र0–2537/24 2. आवेदक– सहदेव मांझी , पिता– लक्ष्मण मांझी<br>3. ग्राम– तिलैया , पोस्ट– मंजूरा, थाना–जरीडीह, प्रखण्ड–जरीडीह<br>4. लिंग–पुरूष, आयु–47 वर्ष , पहचान चिन्ह–पैर मेंसफेद दाग । | कंडिका–2(ix) |
| 276. | 1. आवेदन क्र0–2538/24 2. आवेदक– भीम प्रजापति , पिता–स्वः मनसू प्रजापति<br>3. ग्राम–चांपी , पोस्ट– चांपी, थाना– पेटरवार, प्रखण्ड– पेटरवार<br>4. लिंग– पुरूष, आयु–65 वर्ष , पहचान चिन्ह– माथा पर चोट का निशान। | कंडिका–2(ix) |
| 277. | 1. आवेदन क्र0–2539/24 2. आवेदक– सतीश कुमार , पिता– दशरथ प्रसाद<br>3. ग्राम–राइट बैंक तेनुघाट , पोस्ट–तेनुघाट, थाना– पेटरवार, प्रखण्ड– पेटरवार<br>4. लिंग– पुरूष, आयु–54 वर्ष , पहचान चिन्ह– दाया छाती पर तिल का दाना | कंडिका–2(ix) |
| 278. | 1. आवेदन क्र0–2540/24 2. आवेदक– रामचन्द यादव , पिता– बदन यादव<br>3. ग्राम–पडरीया , पोस्ट–गोमिया, थाना–गोमिया , प्रखण्ड–गोमिया<br>4. लिंग– पुरूष, आयु–56 वर्ष , पहचान चिन्ह– दाहिने तरफ माथे पर कटा हुआ। | कंडिका–2(ix) |
| 279. | 1. आवेदन क्र0–2541/24 2. आवेदक– घनश्याम यादव , पिता– स्वः जगरनाथ यादव<br>3. ग्राम–घरवाटांड , पोस्ट–चंपी, थाना–पेटरवार , प्रखण्ड– पेटरवार<br>4. लिंग–पुरूष, आयु–47 वर्ष , पहचान चिन्ह–अंकित नही है। | कंडिका–2(ix) |
| 280. | 1. आवेदन क्र0–2542/24 2. आवेदक राम चन्द्र गोप , पति–धनी गोप<br>3. ग्राम– बाँध बस्ती (कमल टोला) , पोस्ट–कथारा, थाना– गोमियो, प्रखण्ड– गोमियो<br>4. लिंग– पुरूष, आयु–53 वर्ष , पहचान चिन्ह–अंकित नही है। | कंडिका–2(ix) |
| 281. | 1. आवेदन क्र0–2543/24 2. आवेदक– मदन यादव , पति–स्वः कुन्दा यादव<br>3. ग्राम–घरवाटांड , पोस्ट–चांपी, थाना–पेटरवार, प्रखण्ड–पेटरवार<br>4. लिंग– पुरूष, आयु–49 वर्ष , पहचान चिन्ह–अंकित नही है। | कंडिका–2(ix) |
| 282. | 1. आवेदन क्र0–2544/24 2. आवेदक– छोटेलाल यादव , पिता–छत्रिधारी गोप<br>3. ग्राम–खुदगड्डा गैरवाडीह, पोस्ट–स्वांग, थाना–गोमिया, प्रखण्ड–गोमिया<br>4. लिंग– पुरूष, आयु–49 वर्ष , पहचान चिन्ह–अंकित नही है। | कंडिका–2(ix) |
| 283. | 1. आवेदन क्र0–2545/24 2. आवेदक–चाँदमुनी देवी , पति–स्वः रामनाथ मांझी<br>3. ग्राम–उत्तासारा टोला लपसीकोचा , पोस्ट–उत्तासारा, थाना–पेटरवार, प्रखण्ड–पेटरवार<br>4. लिंग– महिला, आयु–70 वर्ष , पहचान चिन्ह–अंकित नही है। | कंडिका–2(ix) |
| 284. | 1. आवेदन क्र0–2546/24 2. आवेदक– कोलेश्वर मांझी , पिता–स्वः लोबधन मांझी<br>3. ग्राम–पतकी टोला सिमराजारा , पोस्ट–मिर्जापुर, थाना–पेटरवार, प्रखण्ड–पेटरवार<br>4. लिंग– स्त्री, आयु–60 वर्ष , पहचान चिन्ह–बांया हाथ पर सिखा का निशान। | कंडिका–2(ix) |
| 285. | 1. आवेदन क्र0–2547/24 2. आवेदक– टरया मांझी , पिता–स्वः जीवन मांझी<br>3. ग्राम–झोपरो , पोस्ट–राधानगर, थाना–बालीडीह, प्रखण्ड–चास<br>4. लिंग–पुरूष, आयु–77 वर्ष , पहचान चिन्ह–बांया पैर के नीचे भाग पर कटा निशान। | कंडिका–2(ix) |
| 286. | 1. आवेदन क्र0–2548/24 2. आवेदक–बाहा देवी , पति–कोलेश्वर मांझी<br>3. ग्राम– पतकी टोला सिमराजारा , पोस्ट–मिर्जापुर, थाना– पेटरवार , प्रखण्ड– पेटरवार<br>4. लिंग– महिला आयु–56 वर्ष , पहचान चिन्ह–बांया हाथ के हथैली गोदना का निशान। | कंडिका–2(ix) |
| 287. | 1. आवेदन क्र0–2549/24 2. आवेदक–सोनियी देवी , पति–टरया मांझी<br>3. ग्राम–झोपरो , पोस्ट–राधानगर, थाना– बालीडीह , प्रखण्ड–चास<br>4. लिंग– महिला आयु–54 वर्ष , पहचान चिन्ह–बांया हाथ के कोहनी के नीचे मासा। | कंडिका–2(ix) |
| 288. | 1. आवेदन क्र0–2550/24 2. आवेदक– हेमलाल मुर्मू , पिता–अकलु मांझी<br>3. ग्राम अरजुवा , पोस्ट– अरजुवा, थाना– पेटरवार प्रखण्ड– पेटरवार<br>4. लिंग–पुरूष, आयु–49 वर्ष , पहचान चिन्ह–बांया छाती पर मासा निशान। | कंडिका–2(ix) |
| 289. | 1. आवेदन क्र0–2551/24 2. आवेदक– करमचंद सोरेन , पिता–रामदास सोरेन<br>3. ग्राम अरजुवा , पोस्ट– अरजुव, थाना– पेटरवार प्रखण्ड– पेटरवार<br>4. लिंग–पुरूष, आयु–47 वर्ष , पहचान चिन्ह–बांया हाथ पर सिखा का निशान। | कंडिका–2(ix) |
| 290. | 1. आवेदन क्र0–2552/24 2. आवेदक–पानो देवी , पति–लालजी सोरेन<br>3. ग्राम– अरजुवा , पोस्ट– अरजुवा, थाना– पेटरवार , प्रखण्ड– पेटरवार<br>4. लिंग– महिला आयु–56 वर्ष , पहचान चिन्ह– बांया हाथ पर गोदना। | कंडिका–2(ix) |
| 291. | 1. आवेदन क्र0–2553/24 2. आवेदक–नागेश्वर महतो , पिता–स्वः जयनंदन महतो<br>3. ग्राम बरईकला टोला तेतरटांड , पोस्ट– चांडीपुर, थाना– कसमार प्रखण्ड– कसमार<br>4. लिंग–पुरूष, आयु–65 वर्ष , पहचान चिन्ह– दांया हाथ पर तिल। | कंडिका–2(ix) |
| 292. | 1. आवेदन क्र0–2554/24 2. आवेदक–महेंद्र यादव , पिता–सत्यनारायण यादव<br>3. ग्राम–घरवाटांड , पोस्ट– चांपी, थाना– पेटरवार प्रखण्ड–पेटरवार<br>4. लिंग–पुरूष, आयु–46 वर्ष , पहचान चिन्ह– अकिंत नहीं है। । | कंडिका–2(ix) |
| 293. | 1. आवेदन क्र0–2555/24 2. आवेदक–राम किशुन यादव , पिता–स्वः मीठु गोप<br>3. ग्राम–घरवाटांड , पोस्ट– चांपी, थाना– पेटरवार प्रखण्ड–पेटरवार<br>4. लिंग–पुरूष, आयु–47 वर्ष , पहचान चिन्ह– बांया हाथ पर तिल का निशान। | कंडिका–2(ix) |
| 294. | 1. आवेदन क्र0–2556/24 2. आवेदक–मो0 अयूब , पिता–गुलाम रसूल<br>3. ग्राम–मुस्लिम टोला चलकरी, पोस्ट–चलकरी , थाना–पेटरवार , प्रखण्ड–पेटरवार<br>4. लिंग–पुरूष, आयु–74 वर्ष, पहचान चिन्ह–अंकित नही है। | कंडिका–2(ix) |
| 295. | 1. आवेदन क्र0–2557/24 2. आवेदक–मो0 कालीम , पिता–अब्दुल मियाँ<br>3. ग्राम–कटहल टोला चलकरी, पोस्ट–चलकरी , थाना–पेटरवार , प्रखण्ड–पेटरवार<br>4. लिंग–पुरूष, आयु–74 वर्ष, पहचान चिन्ह–अंकित नही है। | कंडिका–2(ix) |
| 296. | 1. आवेदन क्र0–2558/24 2. आवेदक–खेदन सिंह, पिता–स्व0 गिरधारी सिंह<br>3. ग्राम–अंगवाली जोरियाधार, पोस्ट–अंगवाली, थाना–पेटवार, प्रखण्ड–पेटवार<br>4. लिंग–पुरूष, आयु–57 वर्ष, पहचान चिन्ह–दाहिना कपाल में कटा का निशान। | कंडिका–2(ix) |
| 297. | 1. आवेदन क्र0–2559/24 2. आवेदक–बसंती देवी, पति–मन्टू सिंह<br>3. ग्राम–आगरडीह , पोस्ट–आगरडीह, थाना–हरला, प्रखण्ड–चास<br>4. लिंग–महिला, आयु–47 वर्ष, पहचान चिन्ह–बाया नाक में तील का निशान। | कंडिका–2(ix) |
| 298. | 1. आवेदन क्र0–2560/24 2. आवेदक–मन्टू सिंह, पिता–मोहन सिंह<br>3. ग्राम–आगारडीह, पोस्ट–बैधमारा, थाना–हरला, प्रखण्ड–चास<br>4. लिंग–पुरूष, आयु–49 वर्ष, पहचान चिन्ह–बाया आँख में कटा का निशान। | कंडिका–2(ix) |
| 299. | 1. आवेदन क्र0–2561/24 2. आवेदक–नयुम अन्सारी, पिता–स्व0 करामत अन्सारी<br>3. ग्राम–अइयर, पोस्ट–ललपनिया, थाना–महुआटांड, प्रखण्ड–गोमिया<br>4. लिंग–पुरूष, आयु–72 वर्ष, पहचान चिन्ह–माथा में चोट का निशान। | कंडिका–2(ix) |
| 300. | 1. आवेदन क्र0–2562/24 2. आवेदक–मो0 सरफुद्दीन अंसारी, पिता–गुलाम रसूल<br>3. ग्राम–कठहल टोला, पोस्ट–चलकरी, थाना–पेटवार, प्रखण्ड–पेटरवार<br>4. लिंग–पुरूष, आयु–81 वर्ष, पहचान चिन्ह–बाया पैर में कटा का निशान। | कंडिका–2(ix) |
| 301. | 1. आवेदन क्र0–2563/24 2. आवेदक–सुन्दर सोरेन, पिता–जयराम सोरेन<br>3. ग्राम–नवाडीह चलकरी, पोस्ट–जरीडीह, थाना–पेटरवार, प्रखण्ड–पेटरवार<br>4. लिंग–पुरूष, आयु–47 वर्ष, पहचान चिन्ह–बाया हाथ में गोदना का निशान। | कंडिका–2(ix) |
| 302. | 1. आवेदन क्र0–2564/24 2. आवेदक–फातमा खातून , पति–इब्राहिम अंसारी<br>3. ग्राम–चलकरी कठहल टोला (दक्षिणी), पोस्ट–चलकरी बस्ती, थाना–पेटरवार, प्रखण्ड–पेटरवार<br>4. लिंग–महिला, आयु–54 वर्ष, पहचान चिन्ह–बाय गाल में तील का निशान। | कंडिका–2(ix) |
| 303. | 1. आवेदन क्र0–2565/24 2. आवेदक–मो0 नईम अंसारी, पिता–स्व0 मो0 इस्माइल अंसारी<br>3. ग्राम– चलकरी कठहल टोला, पोस्ट–चलकरी, थाना–पेटरवार, प्रखण्ड–पेटरवार<br>4. लिंग–पुरूष, आयु–54 वर्ष, पहचान चिन्ह–अंकित नही है। | कंडिका–2(ix) |
| 304. | 1. आवेदन क्र0–2566/24 2. आवेदक–मो0 अख्तार अली, पिता–कयूम अंसारी<br>3. ग्राम– कठहल टोला चलकरी , पोस्ट–चलकरी, थाना–पेटरवार, प्रखण्ड–पेटरवार<br>4. लिंग–पुरूष, आयु–49 वर्ष, पहचान चिन्ह–अंकित नही है। | कंडिका–2(ix) |
| 305. | 1. आवेदन क्र0–2567/24 2. आवेदक–अजय कुमार नायक, पिता–श्री विनोद बिहारी नायक<br>3. ग्राम– चान्दो , पोस्ट–चान्दो, थाना–पेटरवार, प्रखण्ड–पेटरवार<br>4. लिंग–पुरूष, आयु–46 वर्ष, पहचान चिन्ह–बाये कान में तील का निशान। | कंडिका–2(ix) |
| 306. | 1. आवेदन क्र0–2568/24 2. आवेदक–लखन मॉंझी, पिता–बुधन मॉंझी<br>3. ग्राम– हरलोडीह , पोस्ट–चलकरी, थाना–पेटरवार, प्रखण्ड–पेटरवार<br>4. लिंग–पुरूष, आयु–50 वर्ष, पहचान चिन्ह–अंकित नही है। | कंडिका–2(ix) |

नोट :–
1. यह सूची पूर्णरूपेण औपबंधिक है।
2. यह सूची आयोग के द्वय सदस्यों द्वारा स्थानीय जांच शिविर / कार्यालय में जांच कर आवेदन पर दर्ज बयान के आधार आवेदन प्रपत्र की कण्डिका 14(ग) के आलोक में प्रकाशित की गयी है।
3. इस सूची में किसी प्रकार की त्रुटि पाये जाने पर दस (10) दिनों के अन्दर आयोग को आपत्ति कर सकते हैं।
4. आश्रित होने पर मृत्यु प्रमाण पत्र तथा आश्रित संबंधी प्रतिवेदन संलग्न करना आवश्यक है।

(भुवनेश्वर महतो) सदस्य (नरसिंह मुर्मू) सदस्य (दुर्गा उराँव) अध्यक्ष

PR 341284 Home(24-25)#D

# पप्पू यादव ने रेलवे में सुधार के लिए उठाई आवाज

**पटना (एजेंसी):** पूर्णिया के सांसद पप्पू यादव ने रेलवे में सुधार और उसके विकास को लेकर लोकसभा में कई महत्वपूर्ण मुद्दे उठाए. एस समय तो ऐसा भी आ गया कि रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने उनकी बातें सुनकर अपना माथा पकड़ लिया. पप्पू यादव ने आग्रह किया कि आम और गरीब लोगों, एससी, एसटी, ईबीसी वर्ग तथा प्रतियोगी परीक्षा में शामिल होने वाले छात्रों को रेल यात्रा में रियायत दी जाए.

पप्पू यादव ने रेलवे के जीएम और डीआरएम समेत अधिकारियों की राजशाही पर भी चिंता जाहिर की. इसके अलावा उन्होंने रेलवे की एक बड़ी समस्या की ओर भी ध्यान दिलाते हुए कहा कि एक ही परिवार के ४ लोगों द्वारा टिकट लेने पर केवल २ टिकट कन्फर्म होते हैं, जिससे यात्रा करने वाले परिवार को काफी दिक्कत होती है. उन्होंने कहा कि इस मुद्दे पर हमने कभी सुधार की बात नहीं की.इसके अलावा कहा कि पहले ट्रेनों मे १२-१२ जनरल कोच हुआ करते थे लेकिन अब उसकी संख्या २ कर दी गई है. उन्होंने साथ ही वंदे भारत चलाने को लेकर सरकार की तारीफ भी की.इसके अलावा रेलवे में भर्ती को लेकर भी सवाल उठाए.

## गहने के साथ आटा व सरसों तेल भी ले गए बदमाश

**दानापुर (एजेंसी):** बिहार में अपराध के मामलों में लगातार बढ़ोतरी देखने को मिल रही है. आए दिन राज्य के अलग अलग हिस्सों से मर्डर, लूट, डकैती जैसे मामलों की खबरें सामने आती रहती है. वहीं इस तरह के मामलों से राजधानी पटना और उसके आस पास के इलाके भी बचते. ताजा मामला राजधानी पटना से सटे दानापुर का है. जहां बेउर थाना क्षेत्र के बिशनपुर पकड़ी में ६ की संख्या में हथियारबंद अपराधियों ने एक घर में की डकैती की घटना को अंजाम दिया है.

घटना के बारे में बताया जा रहा है कि बिशनपुर पकड़ी गांव में शनिवार रात छह हथियारबंद अपराधियों ने एक घर में घुसकर डकैती की घटना को अंजाम दिया. अपराधी घर में बांस के सहारे चढ़कर घुसे और हथियारों के बल पर परिवार के सदस्यों को बंधक बना लिया. डकैतों ने विशुन पकड़ी के रहने वाले पिंटू कुमार के घर २ लाख रुपये के जेवरात, ५ हजार रुपये नकद, सरसो तेल के टीन, आटे के बोरे समेत किचन का सामान लूट लिया. घटना के वक्त घर में महिला, उनका बेटा और बहू मौजूद थे. अपराधियों ने उन्हें नींद से जगा कर धमकाया और लूटपाट की.

# गलत करने वाले को सजा जरूर मिलेगी : दिलीप

**.पटना (एजेंसी):** भाजपा के बिहार प्रदेश अध्यक्ष और राजस्व मंत्री दिलीप जायसवाल ने गुरुवार को प्रदेश के सभी जिलाध्यक्षों के साथ बैठक की. इस बैठक में प्रदेश संगठन को मजबूत करने के लिए कई महत्वपूर्ण फैसले लिए गए. अगले तीन दिनों तक होने वाली इस बैठक के पहले दिन तय किया गया कि भाजपा अपने संगठन जिलों की संख्या बढ़ाएगी और इसे ४५ से बढ़ाकर ५१ तक किया जाएगा. पार्टी के इस कवायद में मंडलों की संख्या बढ़ाई जाएगी. जमीन सर्वे को लेकर दिलीप जायसवाल ने कहा, जिन्होंने अतिक्रमण किया है, वो चैन की नींद नहीं सो पाएगा. दिलीप जायसवाल किसी का भी गला छोड़ने वाला नहीं है. जो गलत करेगा, उसे सजा मिलेगी.

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की महिला संवाद यात्रा पर होने वाले खर्च पर सवाल उठाने के तेजस्वी यादव के बयान पर दिलीप जायसवाल ने कहा, माननीय मुख्यमंत्री जी की यात्रा होती है तो सभी विभागों के प्रधान सचिव और महकमा साथ चलता है. सरकार की पूरी टीम साथ होती है. यह सब तेजस्वी जी की समझ के बाहर की बात है कि जो बजट दी गई है, वह किस चीज के लिए है. उन्होंने हल्के अंदाज में यह भी कहा कि यात्रा पूरा होने दीजिए, तेजस्वी जी कहेंगे कि बजट कम ही था.

जमीन सर्वे को लेकर दिलीप जायसवाल ने कहा, बिहार में १३० साल बाद जमीन का सर्वे हो रहा है. यह आसान नहीं है, बल्कि बड़ी चुनौती है. विपक्षी ने इसे बड़ा मुद्दा बनाने की कोशिश की लेकिन यह भूल गया कि राजस्व मंत्री कौन है. उन्होंने कहा कि अब तक ७५ लाख परिवार स्वत: घोषणा के साथ अपने डॉक्यूमेंट अपलोड कर चुका है. अब मार्च तक इसे अपलोड किया जाना है. इसके लिए कोई अफरातफरी नहीं है. आराम से कागज तैयार करके सर्वे का काम करेंगे.

# दुर्घटनाओं के दौरान घायलों की मदद करने पर मिलेंगे 2 हजार

**कोडरमा (ससे):** कोडरमा सड़क सुरक्षा टीम कोडरमा द्वारा परियोजना बालिका उच्च विद्यालय कोडरमा में एक जागरूकता अभियान का आयोजन किया गया। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों और शिक्षकों को सड़क सुरक्षा के महत्व के बारे में जानकारी देना था। कार्यक्रम में मोटर वाहन सुरक्षा से संबंधित विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की गई और यातायात नियमों के पालन के प्रति जागरूक किया गया। सड़क सुरक्षा नियमों के पालन की आवश्यकता कार्यक्रम के दौरान जिला परिवहन पदाधिकारी श्री विजय कुमार सोनी ने विद्यार्थियों और शिक्षकों को हेलमेट और सीट बेल्ट जैसे सुरक्षा उपकरणों के महत्व के बारे में बताया गया। यह जानकारी दी गई कि गाड़ी चलाते वक्त मोबाइल का प्रयोग और नशे में गाड़ी चलाना बेहद खतरनाक है, और इनसे सड़क दुर्घटनाओं का खतरा बढ़ जाता है। इसके अलावा, गाड़ी की चाल निर्धारित सीमा के भीतर रखनी चाहिए ताकि दुर्घटनाओं को रोका जा सके। सड़क पार करते समय ज़ेबरा क्रॉसिंग और सिग्नल का सही तरीके से उपयोग करने के बारे में भी बताया गया। साथ ही, यह भी समझाया गया कि सावधानीपूर्वक सड़क पार करना और तेज रफ्तार से बचना दुर्घटनाओं के जोखिम को कम करता है। कार्यक्रम में हिट एंड रन और नेक नागरिक के बारे में भी जानकारी दी गई, ताकि अधिक से अधिक लोग सड़क दुर्घटनाओं में घायल व्यक्तियों की सहायता करने के लिए प्रेरित हो सकें।

गोल्डन अवर और गुड समेरिटन योजन कार्यक्रम में बताया गया कि सड़क दुर्घटनाओं में घायल व्यक्ति को मदद करने वाले व्यक्ति को पुरस्कृत करने के लिए गोल्डन अवर लागू की गई है। यदि कोई व्यक्ति दुर्घटना में घायल को एक घंटे के भीतर अस्पताल पहुंचाता है, तो उसे ५,००० रुपये और एक प्रशस्ति पत्र दिया जाएगा। इसके अलावा, जो व्यक्ति सड़क दुर्घटना में घायल को अस्पताल पहुंचाता है, वह अपना नाम अस्पताल में दर्ज करवा सकता है, ताकि उसे गुड समेरिटन के तहत २,००० रुपये और प्रशस्ति पत्र प्राप्त हो सके। इस योजना का उद्देश्य है कि लोग दुर्घटनाओं के दौरान घायलों की मदद करने के लिए प्रेरित हों और उनकी मदद करने के लिए एक सुरक्षित और सशक्त वातावरण तैयार किया जा सके।सड़क सुरक्षा का प्रशस्ति पत्र व हेलमेट वितरित जिला परिवहन पदाधिकारी श्री विजय कुमार सोनी और प्रशिक्षु डीएसपी श्री दिवाकर द्वारा स्कूली बच्चों के बीच सड़क सुरक्षा का प्रशस्ति पत्र एवं हेलमेट का वितरण किया गया। सड़क पर अतिक्रमण हटाया गया जिला परिवहन पदाधिकारी के नेतृत्व में सड़क सुरक्षा टीम के द्वारा महाराणा प्रताप चौक के पास सड़क पर अतिक्रमण को हटाया गया।

उपस्थिति इस जागरूकता कार्यक्रम में प्रशासक नगर परिषद झुमरी तिलैया अंकित कुमार, प्रशिक्षु डीएसपी श्री दिवाकर , एमवीआई जोसेफ टोप्पो व कुमार सानू यादव और सड़क सुरक्षा टीम मौजूद रहे।

# विधायक सुदिव्य कुमार सोनू बने मंत्री

**गिरिडीह (ससे) :** झारखंड मुक्ति मोर्चा में सक्रिय कार्यकर्ता से राजनीति की शुरुआत करने वाले गिरिडीह विधानसभा क्षेत्र से दूसरी बार चुनाव जीते विधायक सुदिव्य कुमार सोनू गुरुवार को हेमंत सरकार में कैबिनेट मंत्री बनें. मंत्री बनने के बाद उनका कद बड़ा हो गया. सोनू को मानव संसाधन विकास मंत्रालय का जिम्मा दिया जा सकता है. इसके पीछे सबसे बड़ी वजह उनके शिक्षा विभाग से जुड़ी जानकारी है. उनके मंत्री बनते ही कार्यकर्ताओं ने जमकर जश्न मनाया. जिला अध्यक्ष संजय सिंह के नेतृत्व में पार्टी के कार्यकर्ताओं ने जमकर गुलाल लगाए और आतिशबाजी की. इस दौरान पार्टी कार्यालय के बाहर जमकर संथाल संस्कृति के अनुसार डांस भी किया. सोनू ने जेएमएम की राजनीति ढाई दशक पहले से शुरू की थी. जेएमएम के कई बड़े आन्दोलन में भी शामिल रहे.

साल २००३ में पार्टी में गुरुजी शिबू सोरेन के आशीर्वाद से पहली बार जिला अध्यक्ष भी बनाए गए. लेकिन हेमंत सोरेन और शिबू सोरेन के करीब तब आए जब पूर्व सीएम अर्जुन मुंडा के कार्यकाल में पीरटांड़ के सालो पुराना केस कुड़को हत्याकांड की फाइल खुली और पेशी के लिए शिबू सोरेन को गिरिडीह कोर्ट आना पड़ा. सोनू ने उस वक्त शिबू सोरेन के पेश होने से लेकर कदम कदम पर साथ दिया. महाजानी प्रथा के खिलाफ हुई इस हत्याकांड से जुड़े मामले में उस वक्त शिबू सोरेन को मुख्य आरोपी बनाया गया था. इसके बाद झामुमो में सोनू का कद बढ़ता गया. पार्टी के हर छोटे बड़े फैसले में सोनू को शामिल किया गया.

वहीं २०१९ में सीएम हेमंत सोरेन ने सोनू को पहली बार विधानसभा का टिकट दिया और सोनू चुनाव जीत गए. २०२४ की शुरुआत में हेमंत सोरेन के जेल जाने के बाद गांडेय विधायक में कल्पना सोरेन की जीत दिलाने और मुश्किल समय में पार्टी और सरकार के साथ मजबूती से खड़ा रहने का भी फायदा सोनू को मिला. हेमंत सोरेन के भरोसेमंद होने के कारण उन्हें मंत्री बनाया गया है.

# बड़े बकायेदारों को बकाया राशि जमा करने का निर्देश

**कोडरमा (ससे):** कोडरमा शंभू प्रसाद कुशवाहा प्रशासक नगर पंचायत कोडरमा की अध्यक्षता में आज दिनांक ०५.१२.२०२४ को बैठक का आयोजन किया गया, बैठक में उन्होंने बताया कि नगर पंचायत कोडरमा क्षेत्र अंतर्गत होल्डिंग टैक्स बकायेदारों को कई बार नोटिस देने के बाद भी टैक्स जमा करने में सुस्ती बरती जा रही है नगर पंचायत कोडरमा ने बड़े बकायेदारों को एक सप्ताह के पूर्व तक बकाया राशि जमा करने का निर्देश दिया है। विलम्ब से टैक्स देने पर प्रति माह एक प्रतिशत ब्याज भी लगता हैश्र वित्तीय वर्ष समाप्ति के बाद बकाया राशि देने वाले से एकमुश्त १२% सूद जोड़कर टैक्स लिया जाएगा, इस कारण सभी करदाताओं को समय पर टैक्स जमा करने की अपील की गई।

नोटिस के बावजूद भी होल्डिंग टैक्स नहीं जमा करने पर नगर पालिका अधिनियम के धारा १८४ के अंतर्गत उनके खाते को फ्रीज करने, कुर्की जब्ती के लिये बॉडी वारंट निर्गत करना और देय कर की वसूली के लिए चल एवं अचल संपत्ति की जब्ती एवं बिक्री, भवनो को सीलबंद करने की कार्यवाही की जाएगी। इसके अलावे ऐसे धृतिधारी जिन्होंने अपना संपत्ति का आकलन नहीं कराया है वे अपना संपत्ति का आकलन कराएंगे, जिन धृतिधारी अपने मकान को अपग्रेड किए हो, उन्हें पुनर्मूल्यांकन कराना सुनिश्चित करें।


## कार्यपालक अभियंता का कार्यालय
## ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल, बोकारो

ई–निविदा आमंत्रण सूचना

ई– अल्पकालीन निविदा सूचना संख्या – RDD/SD/BOKARO/53/2024-25

1.कार्य की विस्तृत विवरणी:

| क्र०सं० | कार्य का नाम | प्राक्कलित राशि | अग्रधन की राशि | परिमाण विपत्र का मूल्य | कार्य पूर्ण करने की अवधि |
|---|---|---|---|---|---|
| 1 | बोकारो जिला अंतर्गत चास प्रखण्ड के तेतुलिया मौजा एवं एन०एच०–23 बारी को–ऑपरेटिव मोड़ के बीच गरगा नदी पर पुराने पुल के बगल में उच्चस्तरीय पुल निर्माण। (लम्बाई 76.18 मी०) | 40755600.00 | 815500.00 | 10000.00 | 18 माह |

2.वेबसाइट में निविदा प्रकाशन की तिथि – 12.12.2024
3.ई–निविदा प्राप्ति की तिथि एवं समय – दिनांक 12.12.2024 से दिनांक 19.12.2024 को अपराह्न 5:00 बजे तक
4.ई–निविदा खोलने का स्थान – कार्यपालक अभियंता का कार्यालय, ग्रामीण विकास विशेष प्रमण्डल, बोकारो।
5.ई–निविदा खोलने की तिथि एवं समय – 21.12.2024 अपराह्न 02:00 बजे
6.ई–निविदा आमंत्रित करने वाले पदाधिकारी का नाम एवं पता :– कार्यपालक अभियंता, ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल, बोकारो।
7.ई–निविदा प्रकोष्ठ का दूरभाष सं० – 06542 291060 (संबंधित कार्यपालक अभियंता का दूरभाष नम्बर)
8.परिमाण विपत्र की राशि घट–बढ़ सकती है तदनुसार अग्रधन की राशि देय होगी।
9.निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि केवल Online Mode द्वारा स्वीकार्य होगी।
10.निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि का ई–भुगतान जिस खाता से किया जायेगा, उसी खाते में अग्रधन की राशि वापस होगी। अगर खाता को बंद कर दिया जाता है तो उसकी सारी जवाबदेही आपकी होगी।

विस्तृत जानकारी के लिये वेबसाईट www.jharkhandtenders.gov.in एवं कार्यालय की सूचना पट्ट पर देखा जा सकता है।

कार्यपालक अभियंता
ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल,बोकारो

PR 341251 (Rural Development)24-25*D



## झारखण्ड सरकार,
## गृह, कारा एवं आपदा प्रबंधन विभाग

झारखण्ड आन्दोलनकारी चिन्हितीकरण आयोग।

69वीं औपबंधिक सूची
जिला–बोकारो (पार्ट–2)

| क्र0 | आवेदनकर्त्ता की विवरणी | गृह, कारा एवं आपदा प्रबंधन विभाग, झारखण्ड, राँची के संकल्प संख्या–1938, दिनांक–20.04.2021 के आलोक में प्रदत्त कंडिका |
|---|---|---|
| | विवरण :–चिन्हित झारखण्ड आन्दोलनकारी जमाल अंसारी एवं आनन्द द्वारा आयोग के माननीय सदस्य श्री नरसिंह मुर्मू के समक्ष आवेदन पर दर्ज बयान एवं पहचान के आधार पर। | |
| 63. | 1. आवेदन क्र0–2315/24<br>2. आवेदक–देवनारायण महतो, पिता–धनुराम महतो<br>3. ग्राम–सेक्टर–09/डी , पोस्ट–हरला , थाना–हरला सेक्टर–09 , प्रखण्ड–चास<br>4. लिंग–पुरूष , आयु–55 वर्ष , पहचान चिन्ह–बायें आंख के भौं में कटे का निशान। | कंडिका–2(ix) |
| 64. | 1. आवेदन क्र0–2316/24<br>2. आवेदक–मोईउदीन अंसारी, पिता–जीर अली अंसारी<br>3. ग्राम–रानीपोखर , पोस्ट–बैद्यमारा , थाना–हरला सेक्टर–09 , प्रखण्ड–चास<br>4. लिंग–पुरूष , आयु–41 वर्ष , पहचान चिन्ह–दायें कंधे पर कटे का निशान। | कंडिका–2(ix) |
| 65. | 1. आवेदन क्र0–2355/24<br>2. आवेदक–खलील अंसारी, पिता–नवाजी अंसारी<br>3. ग्राम–बास्तेजी , पोस्ट–बैद्यमारा , थाना–हरला सेक्टर–09 , प्रखण्ड–चास<br>4. लिंग–पुरूष , आयु–65 वर्ष , पहचान चिन्ह–बायें आंख के उपर चोट का निशान। | कंडिका–2(ix) |
| 66. | 1. आवेदन क्र0–2356/24<br>2. आवेदक–ताजुद्दीन अंसारी, पिता–कमाल अंसारी<br>3. ग्राम–बास्तेजी , पोस्ट–बैद्यमारा , थाना–हरला सेक्टर–09 , प्रखण्ड–चास<br>4. लिंग–पुरूष , आयु–42 वर्ष , पहचान चिन्ह–नाक के कट का निशान। | कंडिका–2(ix) |
| 67. | 1. आवेदन क्र0–2357/24<br>2. आवेदक–हबीब अंसारी, पिता–अवारीस अंसारी<br>3. ग्राम–बास्तेजी , पोस्ट–बैद्यमारा , थाना–हरला सेक्टर–09 , प्रखण्ड–चास<br>4. लिंग–पुरूष , आयु–57 वर्ष , पहचान चिन्ह–बायें पाव में निशान। | कंडिका–2(ix) |
| 68. | 1. आवेदन क्र0–2358/24<br>2. आवेदक–असरफ अंसारी, पिता–लियाकत अंसारी<br>3. ग्राम–बास्तेजी , पोस्ट–बैद्यमारा , थाना–हरला सेक्टर–09 , प्रखण्ड–चास<br>4. लिंग–पुरूष , आयु–60 वर्ष , पहचान चिन्ह–दायें पैर में कटे का निशान। | कंडिका–2(ix) |
| 69. | 1. आवेदन क्र0–2359/24<br>2. आवेदक–कुर्बान अंसारी, पिता–तुलु अंसारी<br>3. ग्राम–बास्तेजी , पोस्ट–बैद्यमारा , थाना–हरला सेक्टर–09 , प्रखण्ड–चास<br>4. लिंग–पुरूष , आयु–71 वर्ष , पहचान चिन्ह–अंकित नहीं। | कंडिका–2(ix) |
| 70. | 1. आवेदन क्र0–2360/24<br>2. आवेदक–मुमताज अंसारी, पिता–असरूदीन अंसारी<br>3. ग्राम–बास्तेजी , पोस्ट–बैद्यमारा , थाना–हरला सेक्टर–09 , प्रखण्ड–चास<br>4. लिंग–पुरूष , आयु–45 वर्ष , पहचान चिन्ह–बायें पैर में तिल का निशान। | कंडिका–2(ix) |
| 71. | 1. आवेदन क्र0–2361/24<br>2. आवेदक–ताहिर हुसैन, पिता–जलालुद्दीन अंसारी<br>3. ग्राम–बास्तेजी , पोस्ट–बैद्यमारा , थाना–हरला सेक्टर–09 , प्रखण्ड–चास<br>4. लिंग–पुरूष , आयु–45 वर्ष , पहचान चिन्ह–बायें पैर में तिल का निशान। | कंडिका–2(ix) |
| 72. | 1. आवेदन क्र0–2362/24<br>2. आवेदक–अघनु रजवार, पिता–जुम्मन रजवार<br>3. ग्राम–राउतडीह , पोस्ट–बैद्यमारा , थाना–हरला सेक्टर–09 , प्रखण्ड–चास<br>4. लिंग–पुरूष , आयु–57 वर्ष , पहचान चिन्ह–बायें हाथ में तिल का निशान। | कंडिका–2(ix) |
| 73. | 1. आवेदन क्र0–2363/24<br>2. आवेदक–खेदन राय, पिता–बनमाली राय<br>3. ग्राम–बैद्यमारा , पोस्ट–बैद्यमारा , थाना–हरला सेक्टर–09 , प्रखण्ड–चास<br>4. लिंग–पुरूष , आयु–55 वर्ष , पहचान चिन्ह–दायें पैर पर कटा हुआ निशान। | कंडिका–2(ix) |
| 74. | 1. आवेदन क्र0–2364/24<br>2. आवेदक–सराफत अंसारी, पिता–इसलाम अंसारी<br>3. ग्राम–रामडीह बस्ती, रानीपोखर , पोस्ट–बैद्यमारा , थाना–हरला सेक्टर–09 , प्रखण्ड–चास<br>4. लिंग–पुरूष , आयु–46 वर्ष , पहचान चिन्ह–बायें हाथ में कटे का निशान। | कंडिका–2(ix) |
| 75. | 1. आवेदन क्र0–2365/24<br>2. आवेदक–कुर्बान अंसारी, पिता–असतार अंसारी<br>3. ग्राम–डुमरजोर , पोस्ट–चोकसीया , थाना–चास (मु0), प्रखण्ड–चास<br>4. लिंग–पुरूष , आयु–45 वर्ष , पहचान चिन्ह–अंकित नहीं। | कंडिका–2(ix) |
| | विवरण :–चिन्हित झारखण्ड आन्दोलनकारी फागु बेसरा, विदेशी महतो एवं शनिचर मांझी द्वारा आयोग के माननीय सदस्य श्री नरसिंह मुर्मू के समक्ष आवेदन पर दर्ज बयान एवं पहचान के आधार पर। | |
| 76. | 1. आवेदन क्र0–2366/24<br>2. आवेदक–चमनलाल महतो, पिता–उगन महतो<br>3. ग्राम–तिरला , पोस्ट–तिरला , थाना–महुआटांड, प्रखण्ड–गोमियाँ<br>4. लिंग–पुरूष , आयु–63 वर्ष , पहचान चिन्ह–छाती में दाग। | कंडिका–2(ix) |
| 77. | 1. आवेदन क्र0–2367/24<br>2. आवेदक–अनुज उराँव, पिता–एतवा उराँव<br>3. ग्राम–सेक्टर–1बी, कार्तिक नगर , पोस्ट–सेक्टर–1, राम मंदिर ,थाना–सेक्टर–1 बोकारो सिटी थाना, प्रखण्ड–चास<br>4. लिंग–पुरूष , आयु–51 वर्ष , पहचान चिन्ह–अंकित नहीं। | कंडिका–2(ix) |
| 78. | 1. आवेदन क्र0–2368/24<br>2. आवेदक–चन्द्रशेखर सिंह, पिता–स्व0 नगीना सिंह<br>3. ग्राम–विकास नगर सेक्टर–1 सी, नियर इनकम टैक्स ऑफिस , पोस्ट–सेक्टर–1 सी, राम मंदिर ,थाना–सेक्टर–1 बोकारो सिटी थाना, प्रखण्ड–चास<br>4. लिंग–पुरूष , आयु–59 वर्ष , पहचान चिन्ह–नाक पर कटने का दाग। | कंडिका–2(ix) |
| 79. | 1. आवेदन क्र0–2369/24<br>2. आवेदक–फुलमनी उराँव , पति–अनुज उराँव<br>3. ग्राम–सेक्टर–1बी, कार्तिक नगर , पोस्ट–सेक्टर–1, राम मंदिर ,थाना–सेक्टर–1 बोकारो सिटी थाना, प्रखण्ड–चास<br>4. लिंग–महिला , आयु–47 वर्ष , पहचान चिन्ह–बायें पैर पर तिल। | कंडिका–2(ix) |
| 80. | 1. आवेदन क्र0–2370/24<br>2. आवेदक–देवन्ती देवी , पति–चन्द्रशेखर सिंह<br>3. ग्राम–विकास नगर सेक्टर–1 सी, नियर इनकम टैक्स ऑफिस , पोस्ट–सेक्टर–1 सी, राम मंदिर ,थाना–सेक्टर–1 बोकारो सिटी थाना, प्रखण्ड–चास<br>4. लिंग–महिला , आयु–58 वर्ष , पहचान चिन्ह–अंकित नहीं। | कंडिका–2(ix) |
| | विवरण :–चिन्हित झारखण्ड आन्दोलनकारी बड़ापुरन महतो द्वारा आयोग के माननीय सदस्य श्री नरसिंह मुर्मू के समक्ष आवेदन पर दर्ज बयान एवं पहचान के आधार पर। | |
| 81. | 1. आवेदन क्र0–2371/24<br>2. आवेदक–चमनी देवी , पति–बड़ापुरन महतो<br>3. ग्राम–सिजुवा, पोस्ट–करमाटांड , थाना–दुग्धा , प्रखण्ड–चन्द्रपुरा<br>4. लिंग–महिला , आयु–64 वर्ष , पहचान चिन्ह–बायां कान के उपर तिल का निशान। | कंडिका–2(ix) |
| 82. | 1. आवेदन क्र0–2372/24<br>2. आवेदक–प्रेमचन्द रविदास, पिता–स्व0 झुपर रविदास<br>3. ग्राम–सिजुवा (पहाड़ी), पोस्ट–करमाटांड , थाना–दुग्धा , प्रखण्ड–चन्द्रपुरा<br>4. लिंग–पुरूष , आयु–52 वर्ष , पहचान चिन्ह–दायें पैर के तलवा मे कटा का दाग। | कंडिका–2(ix) |
| | विवरण :–दिनांक–09.06.1989 को झारखण्ड बंद के दौरान विधि–व्यवस्था भंग करने के आरोप में दर्ज अनु0 दण्डा0 बेरमो (तेनुघाट) वाद सं0–364/89 के नामित आन्दोलनकारी। | |
| 83. | 1. आवेदन क्र0–2373/24<br>2. आवेदक–लक्ष्मण सिंह, पिता–स्व0 काली सिंह<br>3. ग्राम–नया बस्ती (झींझीर घुटू), पोस्ट–चन्द्रपुरा , थाना–चन्द्रपुरा , प्रखण्ड–चन्द्रपुरा<br>4. लिंग–पुरूष , आयु–53 वर्ष , पहचान चिन्ह–ललाट पर तिल का निशान। | कंडिका–2(ix) |
| | विवरण :–चिन्हित झारखण्ड आन्दोलनकारी प्रेमचन्द महतो, जयनारायण महतो, बानेश्वर महतो द्वारा आयोग के माननीय सदस्य श्री भुवनेश्वर महतो के समक्ष आवेदन पर दर्ज बयान एवं पहचान के आधार पर। | |
| 84. | 1. आवेदन क्र0–2374/24<br>2. आवेदक–मणिलाल राम, पिता–भुनू महतो<br>3. ग्राम–तेलो पोस्ट–तेलो , थाना–चन्द्रपुरा , प्रखण्ड–चन्द्रपुरा<br>4. लिंग–पुरूष , आयु–74 वर्ष , पहचान चिन्ह–बायें गाल पर तिल। | कंडिका–2(ix) |
| 85. | 1. आवेदन क्र0–2375/24<br>2. आवेदक–ठाकुर प्रसाद, पिता–स्व0 लालमन महतो<br>3. ग्राम–तेलो पूर्वी, पोस्ट–तेलो , थाना–चन्द्रपुरा , प्रखण्ड–चन्द्रपुरा<br>4. लिंग–पुरूष , आयु–70 वर्ष , पहचान चिन्ह–बायें पैर में घाव का निशान। | कंडिका–2(ix) |
| | विवरण :–चिन्हित झारखण्ड आन्दोलनकारी बिनोद नायक एवं जयलाल महतो द्वारा आयोग के माननीय सदस्य श्री भुवनेश्वर महतो के समक्ष आवेदन पर दर्ज बयान एवं पहचान के आधार पर। | |
| 86. | 1. आवेदन क्र0–2376/24<br>2. आवेदक–दिनेश रजवार, पिता–ठाकुर रजवार<br>3. ग्राम–अंगवाली, पोस्ट–अंगवाली , थाना–पेटरवार , प्रखण्ड–पेटरवार<br>4. लिंग–पुरूष , आयु–54 वर्ष , पहचान चिन्ह–बायें आंख में तिल का निशान। | कंडिका–2(ix) |
| 87. | 1. आवेदन क्र0–2377/24<br>2. आवेदक–ललन कुमार, पिता–स्व0 जटल साव<br>3. ग्राम–अंगवाली, पोस्ट–अंगवाली , थाना–पेटरवार , प्रखण्ड–पेटरवार<br>4. लिंग–पुरूष , आयु–44 वर्ष , पहचान चिन्ह–नाक में तिल का निशान। | कंडिका–2(ix) |
| 88. | 1. आवेदन क्र0–2378/24<br>2. आवेदक–धर्मेन्द्र कपरदार, पिता–रोहन कपरदार<br>3. ग्राम–अंगवाली, पोस्ट–अंगवाली , थाना–पेटरवार , प्रखण्ड–पेटरवार<br>4. लिंग–पुरूष , आयु–47 वर्ष , पहचान चिन्ह–नाक में तिल का निशान। | कंडिका–2(ix) |
| 89. | 1. आवेदन क्र0–2379/24<br>2. आवेदक–देवव्रत कुमार जायसवाल, पिता–स्व0 प्रभात कुमार जायसवाल<br>3. ग्राम–अंगवाली, पोस्ट–अंगवाली , थाना–पेटरवार , प्रखण्ड–पेटरवार<br>4. लिंग–पुरूष , आयु–63 वर्ष , पहचान चिन्ह–कपाल पर तिल। | कंडिका–2(ix) |
| 90. | 1. आवेदन क्र0–2380/24<br>2. आवेदक–आनंद रजवार, पिता–मोहन रजवार<br>3. ग्राम–अंगवाली उत्तरी, पोस्ट–अंगवाली , थाना–पेटरवार , प्रखण्ड–पेटरवार<br>4. लिंग–पुरूष , आयु–52 वर्ष , पहचान चिन्ह–बायें हाथ में टिका। | कंडिका–2(ix) |
| 91. | 1. आवेदन क्र0–2381/24<br>2. आवेदक–मनोरंजन गोप, पिता–लखनलाल गोप<br>3. ग्राम–अंगवाली, पोस्ट–अंगवाली , थाना–पेटरवार , प्रखण्ड–पेटरवार<br>4. लिंग–पुरूष , आयु–63 वर्ष , पहचान चिन्ह–दायें आंख में कट का निशान। | कंडिका–2(ix) |
| 92. | 1. आवेदन क्र0–2382/24<br>2. आवेदक–ननकू रजवार, पिता–स्व0 सरजु रजवार<br>3. ग्राम–अंगवाली, पोस्ट–अंगवाली , थाना–पेटरवार , प्रखण्ड–पेटरवार<br>4. लिंग–पुरूष , आयु–45 वर्ष , पहचान चिन्ह–माथा में कट का निशान। | कंडिका–2(ix) |
| 93. | 1. आवेदन क्र0–2383/24<br>2. आवेदक–राजेश प्रसाद, पिता–स्व0 हरि प्रसाद स्वर्णकार<br>3. ग्राम–बोदरो, पोस्ट–भेण्डरा , थाना–नावाडीह , प्रखण्ड–नावाडीह<br>4. लिंग–पुरूष , आयु–46 वर्ष , पहचान चिन्ह–ललाट पर कट का निशान। | कंडिका–2(ix) |
| | विवरण :–चिन्हित झारखण्ड आन्दोलनकारी लालजी महतो एवं विमलचन्द्र महतो द्वारा आयोग के माननीय सदस्य श्री भुवनेश्वर महतो के समक्ष आवेदन पर दर्ज बयान एवं पहचान के आधार पर। | |
| 94. | 1. आवेदन क्र0–2384/24<br>2. आवेदक–सोहनी देवी , पति–भगन महतो<br>3. ग्राम–धधकीडीह, पोस्ट–पिछरी , थाना–पेटरवार , प्रखण्ड–पेटरवार<br>4. लिंग–महिला , आयु–44 वर्ष , पहचान चिन्ह–बायें हाथ में टिका। | कंडिका–2(ix) |
| 95. | 1. आवेदन क्र0–2385/24<br>2. आवेदक–मंजू देवी , पति–पुनीत महतो<br>3. ग्राम–तुरियो बस्ती, पोस्ट–भण्डारीदह , थाना–चन्द्रपुरा , प्रखण्ड–चन्द्रपुरा<br>4. लिंग–महिला , आयु–48 वर्ष , पहचान चिन्ह–घुटना में कटा हुआ निशान। | कंडिका–2(ix) |
| 96. | 1. आवेदन क्र0–2386/24<br>2. आवेदक–दुलिया देवी , पति–विनोद सिंह<br>3. ग्राम–तुरियो बस्ती, पोस्ट–भण्डारीदह , थाना–चन्द्रपुरा , प्रखण्ड–चन्द्रपुरा<br>4. लिंग–महिला , आयु–54 वर्ष , पहचान चिन्ह–बायें आंख के उपर मासा का निशान। | कंडिका–2(ix) |
| 97. | 1. आवेदन क्र0–2387/24<br>2. आवेदक–आशा देवी , पति–बालेश्वर महतो<br>3. ग्राम–तुरियो बस्ती, पोस्ट–भण्डारीदह , थाना–चन्द्रपुरा , प्रखण्ड–चन्द्रपुरा<br>4. लिंग–महिला , आयु–50 वर्ष , पहचान चिन्ह–ललाट में कटा निशान। | कंडिका–2(ix) |
| 98. | 1. आवेदन क्र0–2388/24<br>2. आवेदक–विमला देवी , पति–रौशन महतो<br>3. ग्राम–तुरियो बस्ती, पोस्ट–भण्डारीदह , थाना–चन्द्रपुरा , प्रखण्ड–चन्द्रपुरा<br>4. लिंग–महिला , आयु–46 वर्ष , पहचान चिन्ह–दाहिने पैर के घुटने में लहसन का निशान। | कंडिका–2(ix) |
| 99. | 1. आवेदन क्र0–2389/24<br>2. आवेदक–तारा देवी , पति–लीलू महतो<br>3. ग्राम–तुरियो बस्ती, पोस्ट–भण्डारीदह , थाना–चन्द्रपुरा , प्रखण्ड–चन्द्रपुरा<br>4. लिंग–महिला , आयु–48 वर्ष , पहचान चिन्ह–बायें गाल में कटा का निशान। | कंडिका–2(ix) |
| 100. | 1. आवेदन क्र0–2390/24<br>2. आवेदक–रिता देवी , पति–गिरिधारी महतो<br>3. ग्राम–तुरियो बस्ती, पोस्ट–भण्डारीदह , थाना–चन्द्रपुरा , प्रखण्ड–चन्द्रपुरा<br>4. लिंग–महिला , आयु–47 वर्ष , पहचान चिन्ह–चेहरे पर मुहाँसा। | कंडिका–2(ix) |
| 101. | 1. आवेदन क्र0–2391/24<br>2. आवेदक–चम्पा देवी , पति–ठाकुर नारायण महतो<br>3. ग्राम–तारमी उपरबन्धा, पोस्ट–भण्डारीदह , थाना–चन्द्रपुरा , प्रखण्ड–चन्द्रपुरा<br>4. लिंग–महिला , आयु–50 वर्ष , पहचान चिन्ह–दाहिने आंख के नीचे मासा। | कंडिका–2(ix) |
| 102. | 1. आवेदन क्र0–714/24<br>2. आवेदक–करूणा देवी , पति–मोतीलाल महतो<br>3. ग्राम–राघानगर, पोस्ट–महुदा , थाना–महुदा , प्रखण्ड–बाघमारा<br>4. लिंग–महिला , आयु–53 वर्ष , पहचान चिन्ह–बायें गाल पर जन्म दाग। | कंडिका–2(ix) |
| 103. | 1. आवेदन क्र0–2392/24<br>2. आवेदक–मेघनी देवी , पति–मुनीलाल महतो<br>3. ग्राम–ढोरी बस्ती, पोस्ट–फुसरो , थाना–बेरमो , प्रखण्ड–बेरमो<br>4. लिंग–महिला , आयु–50 वर्ष , पहचान चिन्ह–ललाट में कटा निशान। | कंडिका–2(ix) |
| 104. | 1. आवेदन क्र0–2393/24<br>2. आवेदक–सुभाष चन्द्र महतो, पिता–रेवतलाल महतो<br>3. ग्राम–तुरियो, पोस्ट–भण्डारीदह , थाना–चन्द्रपुरा , प्रखण्ड–चन्द्रपुर<br>4. लिंग–पुरूष , आयु–40 वर्ष , पहचान चिन्ह–दाहिने हाथ के अंगुली पर तिल। | कंडिका–2(ix) |
| 105. | 1. आवेदन क्र0–2606/24<br>2. आवेदक–रघु महतो, पिता–पति महतो<br>3. ग्राम–तुरियो बस्ती, पोस्ट–भण्डारीदह , थाना–चन्द्रपुरा , प्रखण्ड–चन्द्रपुर<br>4. लिंग–पुरूष , आयु–42 वर्ष , पहचान चिन्ह–दाहिने हाथ पर खोदना। | कंडिका–2(ix) |
| 106. | 1. आवेदन क्र0–715/24<br>2. आवेदक–मोतीलाल महतो, पिता–गुही महतो<br>3. ग्राम–राघानगर, पोस्ट–महुदा , थाना–महुदा , प्रखण्ड–बाघमारा<br>4. लिंग–पुरूष , आयु–61 वर्ष , पहचान चिन्ह–बायें आंख पर मासा। | कंडिका–2(ix) |
| 107. | 1. आवेदन क्र0–2394/24<br>2. आवेदक–टेकलाल सिंह, पिता–छुटू सिंह<br>3. ग्राम–अरगामो, पोस्ट–खरपीटो , थाना–नवाडीह , प्रखण्ड–नवाडीह<br>4. लिंग–पुरूष , आयु–54 वर्ष , पहचान चिन्ह–दाहिने हाथ में टिका। | कंडिका–2(ix) |
| 108. | 1. आवेदन क्र0–2395/24<br>2. आवेदक–मिथिलेश महतो, पिता–कुयला महतो<br>3. ग्राम–गुंजरडीह, पोस्ट–गुंजरडीह , थाना–नवाडीह , प्रखण्ड–नवाडीह<br>4. लिंग–पुरूष , आयु–52 वर्ष , पहचान चिन्ह–गर्दन में तिल का निशान। | कंडिका–2(ix) |
| 109. | 1. आवेदन क्र0–2396/24<br>2. आवेदक–भुपेन्द्र महतो, पिता–तेजो महतो<br>3. ग्राम–गुंजरडीह, पोस्ट–गुंजरडीह , थाना–नवाडीह , प्रखण्ड–नवाडीह<br>4. लिंग–पुरूष , आयु–48 वर्ष , पहचान चिन्ह–नाक के उपर तिल। | कंडिका–2(ix) |
| 110. | 1. आवेदन क्र0–2397/24<br>2. आवेदक–अनन्त लाल महतो, पिता–स्व0 टेकलाल महतो<br>3. ग्राम–गुंजरडीह, पोस्ट–गुंजरडीह , थाना–नवाडीह , प्रखण्ड–नवाडीह<br>4. लिंग–पुरूष , आयु–47 वर्ष , पहचान चिन्ह–छाती पर तिल का निशान। | कंडिका–2(ix) |
| 111. | 1. आवेदन क्र0–2398/24<br>2. आवेदक–शंकर ठाकुर, पिता–स्व0 हरखु ठाकुर<br>3. ग्राम–मुंगो, पोस्ट–गुंजरडीह , थाना–नवाडीह , प्रखण्ड–नवाडीह<br>4. लिंग–पुरूष , आयु–62 वर्ष , पहचान चिन्ह–दाहिने हाथ पर चोट का निशान। | कंडिका–2(ix) |
| 112. | 1. आवेदन क्र0–2399/24<br>2. आवेदक–बानेश्वर महतो, पिता–स्व0 सुकर महतो<br>3. ग्राम–मुंगो, पोस्ट–गुंजरडीह , थाना–नवाडीह , प्रखण्ड–नवाडीह<br>4. लिंग–पुरूष , आयु–74 वर्ष , पहचान चिन्ह–बायें गाल पर तिल। | कंडिका–2(ix) |
| 113. | 1. आवेदन क्र0–2400/24<br>2. आवेदक–मुनीलाल महतो, पिता–किशुन महतो<br>3. ग्राम–ढोरी बस्ती, पोस्ट–फुसरो , थाना–बेरमो , प्रखण्ड–बेरमो<br>4. लिंग–पुरूष , आयु–54 वर्ष , पहचान चिन्ह–माथे में मासा। | कंडिका–2(ix) |
| 114. | 1. आवेदन क्र0–2401/24<br>2. आवेदक–अर्जुन महतो, पिता–शंकर महतो<br>3. ग्राम–सौंतारडीह, ढोरी बस्ती, पोस्ट–ढोरी , थाना–बेरमो , प्रखण्ड–बेरमो<br>4. लिंग–पुरूष , आयु–52 वर्ष , पहचान चिन्ह–छाती में तिल का निशान। | कंडिका–2(ix) |
| 115. | 1. आवेदन क्र0–2402/24<br>2. आवेदक–हिरामन सिंह, पिता–बाबुलाल सिंह<br>3. ग्राम–कारीपानी बस्ती, पोस्ट–फुसरो बाजार , थाना–चन्द्रपुरा , प्रखण्ड–बेरमो<br>4. लिंग–पुरूष , आयु–52 वर्ष , पहचान चिन्ह–नाक में तिल का निशान। | कंडिका–2(ix) |
| 116. | 1. आवेदन क्र0–2403/24<br>2. आवेदक–नकुल सिंह, पिता–गुरू सिंह<br>3. ग्राम–कारीपानी बस्ती, पोस्ट–फुसरो बाजार , थाना–चन्द्रपुरा , प्रखण्ड–बेरमो<br>4. लिंग–पुरूष , आयु–51 वर्ष , पहचान चिन्ह–दाहिना हाथ के अंगुली में कटा का निशान। | कंडिका–2(ix) |
| 117. | 1. आवेदन क्र0–2404/24<br>2. आवेदक–गोविन्द रजक, पिता–बेनी रजक<br>3. ग्राम–मकोली, पोस्ट–फुसरो बाजार , थाना–चन्द्रपुरा , प्रखण्ड–चन्द्रपुरा<br>4. लिंग–पुरूष , आयु–57 वर्ष , पहचान चिन्ह–दाहिना पैर में कटा का निशान। | कंडिका–2(ix) |
| 118. | 1. आवेदन क्र0–2405/24<br>2. आवेदक–रति महतो, पिता–हरि महतो<br>3. ग्राम–छप्परडीह, पिछरी, पोस्ट–पिछरी , थाना–पेटरवार , प्रखण्ड–पेटरवार<br>4. लिंग–पुरूष , आयु–57 वर्ष , पहचान चिन्ह–अंकित नहीं। | कंडिका–2(ix) |
| 119. | 1. आवेदन क्र0–2406/24<br>2. आवेदक–रामदेव प्रसाद महतो, पिता–जयलाल महतो<br>3. ग्राम–खैराचातर, पोस्ट–खैराचातर , थाना–कसमार , प्रखण्ड–कसमार<br>4. लिंग–पुरूष , आयु–62 वर्ष , पहचान चिन्ह–दाहिने गाल में तिल। | कंडिका–2(ix) |
| 120. | 1. आवेदन क्र0–2407/24<br>2. आवेदक–मनीष कुमार महतो , पिता–धनु महतो<br>3. ग्राम–मधु कनारी, ढोरी बस्ती , पोस्ट–ढोरी , थाना– बेरमो , प्रखण्ड–बेरमो<br>4. लिंग–पुरूष , आयु–49 वर्ष, पहचान चिन्ह–अंकित नहीं। | कंडिका–2(ix) |

नोट :–
1. यह सूची पूर्णरूपेण औपबंधिक है।
2. यह सूची आयोग के द्वय सदस्यों द्वारा स्थानीय जांच शिविर/कार्यालय में जांच कर आवेदन पर दर्ज बयान के आधार आवेदन प्रपत्र की कण्डिका 14(ग) के आलोक में प्रकाशित की गयी है।
3. इस सूची में किसी प्रकार की त्रुटि पाये जाने पर दस (10) दिनों के अन्दर आयोग को आपत्ति कर सकते हैं।
4. आश्रित होने पर मृत्यु प्रमाण पत्र तथा आश्रित संबंधी प्रतिवेदन संलग्न करना आवश्यक है।

| (भुवनेश्वर महतो) सदस्य | (नरसिंह मुर्मू) सदस्य | (दुर्गा उराँव) अध्यक्ष |
|---|---|---|

PR 341281 (Home) 24-25 (D)

# युवाओं को पुरस्कृत करने के लिए सम्मान समारोह का आयोजन

**बोकारो (ससे)**: वेदांता ई एस एल स्टील लिमिटेड ने सामाजिक और सामुदायिक विकास के लिए अपनी अटूट प्रतिबद्धता को जारी रखते हुए, विशेष रूप से अपने आस-पास के क्षेत्रों में, बोकारो जिले के चास और चंदनकियारी ब्लॉक के ग्रामीण युवाओं को सराहना और पुरस्कृत करने के लिए भव्य सम्मान समारोह का आयोजन किया। उत्कृष्टता के इस उत्सव में शिक्षा, कौशल और खेल पर केंद्रित अपने विभिन्न सीएसआर अंतर्गत कार्यक्रमों के तहत ३३ उत्कृष्ट प्रतिभाओं को सम्मानित करना शामिल था।

सियालजोरी में प्लांट परिसर के अंदर स्थित वेदांता ई एस एल तीरंदाजी अकादमी में भव्य सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें लगभग २०० लोग शामिल हुए, जिनमें सुसैन राजवार (जिला परिषद प्रतिनिधि), रोहित रजक (मुखिया, अलकुशा) और वेदांता ई एस एल के वरिष्ठ प्रबंधन के सदस्य शामिल थे। इनमें रवीश शर्मा (मुख्य परिचालन अधिकारी, ई एस एल स्टील लिमिटेड), अमल घोष (निदेशक, इंफ्रास्ट्रक्चर मैनेजमेंट) और डॉ. सरोज कुमार सिंह (निदेशक, स्टील) शामिल थे। गणमान्य व्यक्तियों के अलावा, दर्शक दीर्घा में छात्र, उनके माता-पिता, उनके शिक्षक और कोच, ई एस एल कार्यकर्ता, इन गांवों के आम नागरिक और २४ से अधिक पीआरआई सदस्य शामिल थे। दर्शकों ने अपने बच्चों के उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए तालियाँ बजा कर उनका उत्साह वर्धन किया।

बोकारो के इन ग्रामीण युवाओं को, सम्मानित करने वाला भव्य सम्मान समारोह व्यक्तियों को प्रेरित करने, प्रभावशाली कहानियों को प्रदर्शित करने और वेदांता ई एस एल की प्रतिबद्धता को सुदृढ़ करने के लिए एक मंच के रूप में कार्य करना था, जो कि उनके हस्तक्षेपी कार्यक्रमों जैसे कि प्रोजेक्ट प्रेरणा और आस विद्यालय (शिक्षा में), वेदांता ई एस एल स्किल विद्यालय (सोलर और परिधान उद्योग के लिए उद्योग-तैयार युवाओं का निर्माण) और वेदांता ई एस एल तीरंदाजी अकादमी के माध्यम से समुदायों को सशक्त बनाने के लिए है, जो बोकारो के चास/चंदनकियारी ग्रामीण क्षेत्र के आसपास तीरंदाजों को बढ़ावा देने और विकसित करने का शानदार काम कर रहा है।

प्रोजेक्ट प्रेरणा के तहत १३ छात्रों को सम्मानित किया गया, जिनमें से ४ ने हाल ही में झारखंड राज्य पॉलिटेक्निक प्रवेश परीक्षा के लिए अर्हता प्राप्त की है और ९ ने एसएससी ग्रुप डिस्कशन चरण के लिए अर्हता प्राप्त की है। प्रोजेक्ट प्रेरणा के अलावा, आस विद्यालय के छात्रों को भी सम्मानित किया गया। जिसमें कक्षा दसवीं की परीक्षा में शीर्ष तीन प्रदर्शन करने वाले छात्र शामिल हैं, जिन्हें आस विद्यालय में नामांकन से लाभ मिला है और वे छात्र जो बिजुलिया, चंदनकियारी और योगीडीह में स्थित तीन एएएस विद्यालय कैफे में नियमित आंतरिक मूल्यांकन प्रतियोगिताओं में अच्छे अंकों से उत्तीर्ण हुए हैं।

वेदांता ई एस एल स्किल विद्यालय के तहत हाल ही में संपन्न सोलर पीवी इंस्टालर कोर्स में उनके शानदार प्रदर्शन के लिए दो उत्कृष्ट प्रतिभागियों की भी सराहना की गई, जो सौर और परिधान उद्योग के लिए उद्योग-तैयार युवाओं का निर्माण कर रहा है। इस कौशल केंद्र ने अपने ८०% से अधिक पूर्व छात्रों को उद्योग जगत के अग्रणी संगठनों में सर्वश्रेष्ठ स्थान दिलाया है।

सबसे जोरदार तालियां उन तीरंदाजों के लिए बजी जिन्होंने वेदांता ई एस एल तीरंदाजी अकादमी के लिए पुरस्कार जीते हैं। कुल ६ तीरंदाजों को मंच पर बुलाया गया और पिछले साल उनके योगदान के लिए उनकी सराहना की गई। जिनमें से ज़्यादातर ने या तो राष्ट्रीय स्तर की चैंपियनशिप के लिए क्वालीफाई किया या जीता। सम्मानित होने वालों में सियालजोरी की १३ वर्षीय युवा उत्कृष्ट प्रतिभागी कृतिका कुमारी भी शामिल थीं, जिन्होंने हाल ही में अखिल भारतीय स्कूल चैंपियनशिप में रजत पदक जीता है और राष्ट्रीय तीरंदाजी खेलों के लिए सीनियर राज्य स्तरीय ट्रायल के लिए पहले ही क्वालीफाई कर चुकी हैं।

वेदांता ई एस एल स्टील लिमिटेड के मुख्य परिचालन अधिकारी श्री रवीश शर्मा ने इस अवसर पर कहा, वेदांता ई एस एल स्टील लिमिटेड में हमने हमेशा अपने आस-पास के लोगों को, चाहे वे हमारे कर्मचारी हों, हमारे व्यापारिक साझेदार हों या हमारे आस-पास मौजूद समुदाय हों, स्वस्थ विविध प्रतियोगिताओं और प्रतिस्पर्धाओं में भाग लेने के लिए, प्रेरित किया है। वास्तविक जीवन में यह टीम वर्क ही है जो उत्कृष्ट संगठनों का निर्माण करेगा और सभी प्रकार की प्रतिभाओं को तैयार किया जाना चाहिए और उन्हें पनपने का अवसर दिया जाना चाहिए। वेदांता ई एस एल का ध्येय ये है और इस दिशा में कार्य कर रही है कि हम एक साथ मिलकर अपने समुदाय पर एक सार्थक प्रभाव डाल रहे हैं, हम अपने समर्थन, उत्साहवर्धन, प्रेरणा और अपने कर्मचारियों, अपने साझेदारों और हमारे आस-पास के समुदाय के जीवन में उत्कृष्टता प्राप्त करने की उनकी खोज में उत्प्रेरक के रूप में कार्य करने के लिए सही वातावरण बनाने के लिए जाने जाना चाहते हैं।

झारखंड के बोकारो जिले के सियालजोरी गांव में स्थित, वेदांता ई एस एल स्टील लिमिटेड स्टील उत्पादों का एक प्रमुख निर्माता है।

# डीपीएस में फैन्सी ड्रेस प्रतियोगिता का समापन

**बोकारो (ससे)**: विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मुहैया कराने के साथ-साथ उनमें कलात्मक व रचनात्मक गुणों के विकास को लेकर दिल्ली पब्लिक स्कूल (डीपीएस) बोकारो में फैन्सी ड्रेस प्रतियोगिता आयोजित की गई। विद्यालय के प्राइमरी विंग में आयोजित तीन-दिवसीय इस प्रतियोगिता का समापन गुरुवार को उत्साहपूर्ण वातावरण में हुआ।

प्रतियोगिता में शामिल नन्हे छात्र-छात्राओं की मनोहारी वेशभूषा, उनकी सुंदर रूप-सज्जा, मासूम अदाकारी और तोतली जुबान में उनके संवाद-प्रेषण ने खूब लुभाया। तीन दिनों की अवधि में ४०० से अधिक बच्चों ने अलग-अलग समूहों में विभिन्न श्रेणियों के तहत अपनी प्रस्तुतियां देकर सबकी भरपूर सराहना बटोरी। अलग-अलग रूपों में सज-संवरकर अपनी प्रस्तुतियों के जरिए नन्हे विद्यार्थियों ने देश की समृद्ध संस्कृति, पर्यावरण और समस्त प्राणियों की रक्षा का सुंदर संदेश दिया।

प्रतियोगिता के पहले दिन प्रथम कक्षा के कई विद्यार्थी शेर, हाथी, अजगर, उल्लू, दरियाई घोड़ा, बाघ, पांडा, मछली सहित भांति-भांति के पशु-पक्षी, जलीय जीव व पेड़-पौधे का रूप धर आए और लुप्तप्राय प्राणियों की अस्तित्व-रक्षा तथा प्रकृति बचाने का संदेश दिया। कई बच्चे नेताजी सुभाषचंद्र बोस, झांसी की रानी, स्वामी विवेकानंद, राष्ट्रपिता महात्मा गांधी, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, मदर टेरेसा, आइंस्टीन एवं विश्व की अन्य प्रसिद्ध हस्तियों के वेश में आए। इसके अलावा, जूट, पेपर क्राफ्ट, अखबार, बोरा आदि वस्तुओं से बने परिधानों में बच्चों की अप्रतिम साज-सज्जा, उनकी और उनके अभिभावकों की मेहनत बयां कर रही थी। इसके जरिए उन्होंने अनुपयोगी वस्तुओं को उपयोग के लायक बनाने की कला समझाई।

दूसरे दिन कक्षा प्रेप के कुछ प्रतिभागी झारखंडी, राजस्थानी, आदिम जनजाति, पंजाबी आदि वेशभूषा में सजकर आए, जिन्होंने भारत की सांस्कृतिक विविधता का जीवंत चित्रण किया। कुछ बच्चे ऑक्टोपस, जेलीफिश, कछुआ, डॉल्फिन आदि का रूप धरकर आए और जलीय जीवों तथा सागर के संरक्षण की महत्ता को रेखांकित किया। वहीं, कई प्रतिभागी अपने पसंदीदा कार्टून कैरेक्टर, जैसे- स्पाइडर मैन, छोटा भीम, बैट मैम, डोरेमोन, अलादीन आदि के वेश में आए, तो कई ने प्रकृति बचाने तथा प्रदूषण-नियंत्रण का भी संदेश दिया। वहीं, तीसरे दिन गुरुवार को नर्सरी कक्षा के विद्यार्थियों ने पायलट, पुलिसकर्मी, कूली, चिकित्सक, चालक, ग्वाला आदि सामुदायिक सहयोगियों के रूप में उनकी महत्ता व उनके सम्मान पर बल दिया। बच्चों ने कीट-पतंगों तथा फूल व पेड़ों के रूप में भी अपनी प्रतिभा प्रदर्शित की। प्रतियोगिता में समूहवार प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान पाने वाले छात्र-छात्राओं को पुरस्कृत कर उन्हें प्रोत्साहित किया गया।

विद्यालय के प्राचार्य डॉ. ए. एस. गंगवार ने बच्चों की प्रस्तुतियों को सराहते हुए कहा कि इस प्रकार के आयोजनों से न केवल बच्चों की प्रतिभा विकसित होती है, बल्कि वे अपने आसपास के वातावरण, समाज आदि से अवगत भी हो पाते है। उन्होंने कहा कि हरेक बच्चे में कुछ न कुछ प्रतिभा छिपी होती है, जिसे उभारकर निखारने की जरूरत है। ऐसे आयोजन बच्चों के समग्र विकास में सहायक हैं और डीपीएस बोकारो इस दिशा में सतत प्रयासरत है। उन्होंने यह भी कहा कि प्रतियोगिता में हार-जीत मायने नहीं रखती, प्रतिभागिता महत्वपूर्ण है।

# झारखण्ड सरकार, गृह, कारा एवं आपदा प्रबंधन विभाग

## झारखण्ड आन्दोलनकारी चिन्हितीकरण आयोग

69वीं औपबंधिक सूची
जिला–बोकारो (पार्ट–3)

| क्र0 | आवेदनकर्त्ता की विवरणी | गृह, कारा एवं आपदा प्रबंधन विभाग, झारखण्ड, राँची के संकल्प संख्या–1938, दिनांक–20.04.2021 के आलोक में प्रदत्त कंडिका |
|---|---|---|
| | विवरण :–चिन्हित झारखण्ड आन्दोलनकारी लालजी महतो एवं विमलचन्द्र महतो द्वारा आयोग के माननीय सदस्य श्री भुवनेश्वर महतो के समक्ष आवेदन पर दर्ज बयान एवं पहचान के आधार पर। | |
| 121. | 1. आवेदन क्र0–2408/24 2. आवेदक–महेश्वर महतो, पिता–दिनु महतो<br>3. ग्राम–ढोरी बस्ती, बड़कीटांड, पोस्ट–ढोरी, थाना–बेरमो, प्रखण्ड–बेरमो<br>4. लिंग–पुरूष, आयु–52 वर्ष, पहचान चिन्ह–अंकित नहीं। | कंडिका–2(ix) |
| 122. | 1. आवेदन क्र0–2409/24 2. आवेदक–राजेन्द्र महतो, पिता–दासो महतो<br>3. ग्राम–ढोरी बस्ती, सौतारडीह, पोस्ट–ढोरी, थाना–बेरमो, प्रखण्ड–बेरमो<br>4. लिंग–पुरूष, आयु–53 वर्ष, पहचान चिन्ह–अंकित नहीं। | कंडिका–2(ix) |
| 123. | 1. आवेदन क्र0–2410/24 2. आवेदक–राजेश कुमार महतो, पिता–जयनंदन महतो<br>3. ग्राम–ढोरी बस्ती, सौतारडीह, पोस्ट–ढोरी, थाना–बेरमो, प्रखण्ड–बेरमो<br>4. लिंग–पुरूष, आयु–49 वर्ष, पहचान चिन्ह–माथा के पीछे चोट का निशान। | कंडिका–2(ix) |
| 124. | 1. आवेदन क्र0–2411/24 2. आवेदक–घनश्याम महतो, पिता–सुखलाल महतो<br>3. ग्राम–भेड़मुक्का, फुसरो, पोस्ट– फुसरो, थाना– बेरमो, प्रखण्ड–बेरमो<br>4. लिंग–पुरूष, आयु–55 वर्ष, पहचान चिन्ह–माथा में चोट का निशान। | कंडिका–2(ix) |
| 125. | 1. आवेदन क्र0–2412/24 2. आवेदक–लक्ष्मी देवी, पति–चिन्तामनी महतो,<br>3. ग्राम–ढोरी बस्ती, पोस्ट– ढोरी, थाना–बेरमो, प्रखण्ड–बेरमो<br>4. लिंग–महिला, आयु–55 वर्ष, पहचान चिन्ह–गर्दन के बायां तरफ तिल का निशान। | कंडिका–2(ix) |
| 126. | 1. आवेदन क्र0–2413/24 2. आवेदक–सहदेव महतो, पिता–स्व0 छकु महतो<br>3. ग्राम–घघकीडीह, पोस्ट–पिछरी, थाना–पेटरवार, प्रखण्ड–पेटरवार<br>4. लिंग–पुरूष, आयु–54 वर्ष, पहचान चिन्ह–दाहिने हाथ के अंगुली में निशान। | कंडिका–2(ix) |
| 127. | 1. आवेदन क्र0–2414/24 2. आवेदक–दिवाकर साव, पिता–सोमर महतो<br>3. ग्राम–खुटरी ओहदार टोला, पोस्ट–दुपकाडीह, थाना–पेटरवार, प्रखण्ड–पेटरवार<br>4. लिंग–पुरूष, आयु–61 वर्ष, पहचान चिन्ह–होठ में तिल का निशान। | कंडिका–2(ix) |
| 128. | 1. आवेदन क्र0–2415/24 2. आवेदक–पप्पु कुमार नायक, पिता–बिगन साव<br>3. ग्राम–हाउस न0 77, वार्ड नं0 02, पोस्ट–चलकरी, थाना–पेटरवार, प्रखण्ड–पेटरवार<br>4. लिंग–पुरूष, आयु–40 वर्ष, पहचान चिन्ह–बायां हाथ के अंगुठा में तिल का निशान। | कंडिका–2(ix) |
| 129. | 1. आवेदन क्र0–2605/24 2. आवेदक–उमा चरण महतो, पिता–स्व0 गोवर्धन महतो<br>3. ग्राम–गुंजरडीह, पोस्ट–गुंजरडीह, थाना–नवाडीह, प्रखण्ड–नवाडीह<br>4. लिंग–पुरूष, आयु–55 वर्ष, पहचान चिन्ह–दाहिने पैर में कटे का निशान। | कंडिका–2(ix) |
| 130. | 1. आवेदन क्र0–2416/24 2. आवेदक–गुलाबचन्द महतो, पिता–निर्मल महतो<br>3. ग्राम–गुंजरडीह, पोस्ट–गुंजरडीह, थाना–नवाडीह, प्रखण्ड–नवाडीह<br>4. लिंग–पुरूष, आयु–49 वर्ष, पहचान चिन्ह–दाहिने पैर में कटे का निशान। | कंडिका–2(ix) |
| 131. | 1. आवेदन क्र0–2417/24 2. आवेदक–महेश्वर महतो, पिता–स्व0 लालो महतो<br>3. ग्राम–गुंजरडीह, पोस्ट– गुंजरडीह, थाना–नवाडीह, प्रखण्ड–नवाडीह<br>4. लिंग–पुरूष, आयु–66 वर्ष, पहचान चिन्ह–बायां पैर के अंगुठा में कटे का निशान। | कंडिका–2(ix) |
| 132. | 1. आवेदन क्र0–2418/24 2. आवेदक–हेमलाल सिंह, पिता–बासुदेव सिंह<br>3. ग्राम–गुंजरडीह, पोस्ट–गुंजरडीह, थाना–नवाडीह, प्रखण्ड–नवाडीह<br>4. लिंग–पुरूष, आयु–52 वर्ष, पहचान चिन्ह–दायां पैर में कटे का निशान। | कंडिका–2(ix) |
| 133. | 1. आवेदन क्र0–2419/24 2. आवेदक–नन्दलाल महतो, पिता–स्व0 उत्तम नाथ महतो<br>3. ग्राम–अमराटांड, पोस्ट–दुगदा, थाना–दुगदा, प्रखण्ड–चन्द्रपुरा<br>4. लिंग–पुरूष, आयु–53 वर्ष, पहचान चिन्ह–बायां गाल पर मास्सा का निशान। | कंडिका–2(ix) |
| 134. | 1. आवेदन क्र0–2420/24 2. आवेदक–लोकनाथ महतो, पिता–स्व0 उत्तम महतो<br>3. ग्राम–अमराटांड, पोस्ट–दुगदा, थाना–दुगदा, प्रखण्ड– चन्द्रपुरा<br>4. लिंग–पुरूष, आयु–49 वर्ष, पहचान चिन्ह–छाती में तिल का निशान। | कंडिका–2(ix) |
| 135. | 1. आवेदन क्र0–2421/24 2. आवेदक–भुनु देवी, पति–नन्दलाल महतो,<br>3. ग्राम–अमराटांड, पोस्ट–दुगदा, थाना–दुगदा, प्रखण्ड–चन्द्रपुरा<br>4. लिंग–महिला, आयु–46 वर्ष, पहचान चिन्ह–बायां आँख के बगल में कटा का निशान। | कंडिका–2(ix) |
| 136. | 1. आवेदन क्र0–2422/24 2. आवेदक–दशरथ महतो, पिता–गणेश महतो<br>3. ग्राम–रेहबा कनारी तंरगा, पोस्ट–तंरगा, थाना– चन्द्रपुरा, प्रखण्ड–चन्द्रपुरा<br>4. लिंग–पुरूष, आयु–50 वर्ष, पहचान चिन्ह–दायां आँख के उपर कटे का निशान। | कंडिका–2(ix) |
| 137. | 1. आवेदन क्र0–2423/24 2. आवेदक–चमेली देवी, पति–धनेश्वर महतो,<br>3. ग्राम–रेहबा कनारी तंरगा, पोस्ट–तंरगा, थाना–चन्द्रपुरा, प्रखण्ड–चन्द्रपुरा<br>4. लिंग–महिला, आयु–41 वर्ष, पहचान चिन्ह–बायां गाल पर तिल का निशान। | कंडिका–2(ix) |
| 138. | 1. आवेदन क्र0–2424/24 2. आवेदक–धनेश्वर महतो, पिता–अन्दु महतो<br>3. ग्राम–रेहबा कनारी तंरगा, पोस्ट–तंरगा, थाना–चन्द्रपुरा, प्रखण्ड–चन्द्रपुरा<br>4. लिंग–पुरूष, आयु–49 वर्ष, पहचान चिन्ह–दायां आँख के उपर कटे का निशान। | कंडिका–2(ix) |
| 139. | 1. आवेदन क्र0–2425/24 2. आवेदक–प्रहलाद चन्द्र गोराई, पिता–गुहीराम गोराई<br>3. ग्राम–पुपनकी, पोस्ट– पुपनकी आश्रम, थाना–चास, प्रखण्ड–चास<br>4. लिंग–पुरूष, आयु–62 वर्ष, पहचान चिन्ह–अंकित नहीं। | कंडिका–2(ix) |
| 140. | 1. आवेदन क्र0–2426/24 2. आवेदक–सुरेश कुमार नायक, पिता–चिन्तु साव<br>3. ग्राम–मानगो केवट टोला, पोस्ट–तौंतरी, थाना–बालीडीह, प्रखण्ड–जरीडीह<br>4. लिंग–पुरूष, आयु–40 वर्ष, पहचान चिन्ह–दाहिने हाथ में तिल का निशान। | कंडिका–2(ix) |
| 141. | 1. आवेदन क्र0–3563/24 2. आवेदक–सागर विश्वकर्मा, पिता–शनिचर विश्वकर्मा<br>3. ग्राम–पुरबडीह, पोस्ट–कुम्हरदागा, थाना–गोला, प्रखण्ड–गोला<br>4. लिंग–पुरूष, आयु–50 वर्ष, पहचान चिन्ह–दाहिने हाथ में चोट का निशान। | कंडिका–2(ix) |
| | विवरण :–चिन्हित झारखण्ड आन्दोलनकारी टेकलाल महतो एवं बैजु प्रसाद महतो द्वारा आयोग के माननीय सदस्य श्री भुवनेश्वर महतो के समक्ष आवेदन पर दर्ज बयान एवं पहचान के आधार पर। | |
| 142. | 1. आवेदन क्र0–2427/24 2. आवेदक–मटुकधारी महतो, पिता–स्व0 दुलीचाँद महतो<br>3. ग्राम–आमडीहा, टोला–बंधुडीह, पोस्ट–सतनपुर, थाना–पिण्ड्राजोरा, प्रखण्ड–चास<br>4. लिंग–पुरूष, आयु–60 वर्ष, पहचान चिन्ह–बायां हाथ में तिल। | कंडिका–2(ix) |
| 143. | 1. आवेदन क्र0–2428/24 2. आवेदक–शिवलाल दास, पिता–स्व0 हारू दास<br>3. ग्राम–आमडीहा, पोस्ट–सतनपुर, थाना–पिण्ड्राजोरा, प्रखण्ड–चास<br>4. लिंग–पुरूष, आयु–73 वर्ष, पहचान चिन्ह–बायें हाथ में तिल का निशान। | कंडिका–2(ix) |
| 144. | 1. आवेदन क्र0–2429/24 2. आवेदक–कालु दास, पिता–स्व0 हारू दास<br>3. ग्राम–आमडीहा, पोस्ट–सतनपुर, थाना–पिण्ड्राजोरा, प्रखण्ड–चास<br>4. लिंग–पुरूष, आयु–49 वर्ष, पहचान चिन्ह–छाती पर तिल। | कंडिका–2(ix) |
| 145. | 1. आवेदन क्र0–2430/24 2. आवेदक–अनिल दास, पिता–आशुतोष दास<br>3. ग्राम–आमडीहा, पोस्ट–सतनपुर, थाना–पिण्ड्राजोरा, प्रखण्ड–चास<br>4. लिंग–पुरूष, आयु–65 वर्ष, पहचान चिन्ह–दाहिने हाथ पर तिल। | कंडिका–2(ix) |
| 146. | 1. आवेदन क्र0–2431/24 2. आवेदक–बिकाश चन्द्र सिंह, पिता–श्यामलाल सिंह<br>3. ग्राम–आमडीहा, पोस्ट–सतनपुर, थाना–पिण्ड्राजोरा, प्रखण्ड–चास<br>4. लिंग–पुरूष, आयु–47 वर्ष, पहचान चिन्ह–बायें गर्दन में तिल का निशान। | कंडिका–2(ix) |
| 147. | 1. आवेदन क्र0–2432/24 2. आवेदक–शक्तिपद सिंह, पिता–शशिभूषण सिंह<br>3. ग्राम–आमडीहा, पोस्ट–सतनपुर, थाना–पिण्ड्राजोरा, प्रखण्ड–चास<br>4. लिंग–पुरूष, आयु–51 वर्ष, पहचान चिन्ह–दोनों हाथों में सफेद दाग का निशान। | कंडिका–2(ix) |
| 148. | 1. आवेदन क्र0–2433/24 2. आवेदक–गुहिराम दास, पिता–स्व0 लखीराम दास<br>3. ग्राम–आमडीहा, पोस्ट–सतनपुर, थाना–पिण्ड्राजोरा, प्रखण्ड–चास<br>4. लिंग–पुरूष, आयु–55 वर्ष, पहचान चिन्ह–बायें हथेली पर तिल का निशान। | कंडिका–2(ix) |
| 149. | 1. आवेदन क्र0–2434/24 2. आवेदक–रवि कुमार दास, पिता–स्व0 मिहिर दास<br>3. ग्राम–आमडीहा, पोस्ट–सतनपुर, थाना–पिण्ड्राजोरा, प्रखण्ड–चास<br>4. लिंग–पुरूष, आयु–50 वर्ष, पहचान चिन्ह–नाक के बायें तिल। | कंडिका–2(ix) |
| 150. | 1. आवेदन क्र0–2435/24 2. आवेदक–सुषेन कुमार सिंह, पिता–स्व0 बलराम सिंह<br>3. ग्राम–आमडीहा, पोस्ट–सतनपुर, थाना–पिण्ड्राजोरा, प्रखण्ड–चास<br>4. लिंग–पुरूष, आयु–56 वर्ष, पहचान चिन्ह–बायें घुटने में कटा का दाग। | कंडिका–2(ix) |
| 151. | 1. आवेदन क्र0–2436/24 2. आवेदक–रतन सिंह, पिता–बलराम सिंह<br>3. ग्राम–आमडीहा, पोस्ट–सतनपुर, थाना–पिण्ड्राजोरा, प्रखण्ड–चास<br>4. लिंग–पुरूष, आयु–49 वर्ष, पहचान चिन्ह–दाहिने हाथ में तिल का निशान। | कंडिका–2(ix) |
| 152. | 1. आवेदन क्र0–2437/24 2. आवेदक–सतीश कुमार पाल, पिता–स्व0 नारायण पाल<br>3. ग्राम–मौंगाबाजार (नारायणपुर), पोस्ट–नारायणपुर, थाना–पिण्ड्राजोरा, प्रखण्ड–चास<br>4. लिंग–पुरूष, आयु–61 वर्ष, पहचान चिन्ह–कपाल में कटे का निशान। | कंडिका–2(ix) |
| 153. | 1. आवेदन क्र0–2438/24 2. आवेदक–प्रहलाद कुमार प्रजापति, पिता–बादुल चन्द्र महतो<br>3. ग्राम–पुरानडीह, पोस्ट–कुरा, थाना–पिण्ड्राजोरा, प्रखण्ड–चास<br>4. लिंग–पुरूष, आयु–48 वर्ष, पहचान चिन्ह–दाहिने हाथ में घाव का निशान। | कंडिका–2(ix) |
| 154. | 1. आवेदन क्र0–2439/24 2. आवेदक–तारा चाँद महतो, पिता–मोतिलाल महतो<br>3. ग्राम–बारपोखर, पोस्ट–कुरा, थाना–पिण्ड्राजोरा, प्रखण्ड–चास<br>4. लिंग–पुरूष, आयु–59 वर्ष, पहचान चिन्ह–दाहिने कान के पास तिल का निशान। | कंडिका–2(ix) |
| 155. | 1. आवेदन क्र0–2440/24 2. आवेदक–मोतीलाल महतो, पिता–बिरेन्द्र नाथ महतो<br>3. ग्राम–सोलगिडीह, पोस्ट–चास, थाना–चिराचास, प्रखण्ड–चास<br>4. लिंग–पुरूष, आयु–56 वर्ष, पहचान चिन्ह–कपाल पर घाव का निशान। | कंडिका–2(ix) |
| 156. | 1. आवेदन क्र0–2441/24 2. आवेदक–नागेश्वर गोप, पिता–स्व0 दुलाल गोप<br>3. ग्राम–प्रतापपुर साईट, पोस्ट–चास, थाना–चास, प्रखण्ड–चास<br>4. लिंग–पुरूष, आयु–62 वर्ष, पहचान चिन्ह–बायें हाथ के अंगुठा में कटे का निशान। | कंडिका–2(ix) |
| 157. | 1. आवेदन क्र0–2442/24 2. आवेदक–दुखू रजवार, पिता–शम्भु रजवार<br>3. ग्राम–नवाडीह, पोस्ट–चिकसिया, थाना–चास (मु0), प्रखण्ड–चास<br>4. लिंग–पुरूष, आयु–49 वर्ष, पहचान चिन्ह–दाहिने पैर में गिल्टी। | कंडिका–2(ix) |
| 158. | 1. आवेदन क्र0–2443/24 2. आवेदक–बादल शर्मा, पिता–स्व0 नन्दलाल शर्मा<br>3. ग्राम–नवाडीह, पोस्ट–चिकसिया, थाना–चास (मु0), प्रखण्ड–चास<br>4. लिंग–पुरूष, आयु–57 वर्ष, पहचान चिन्ह–दाहिना हाथ का अंगुली टेढा। | कंडिका–2(ix) |
| 159. | 1. आवेदन क्र0–2444/24 2. आवेदक–साधुचरण महतो, पिता–महरू महतो<br>3. ग्राम–परसाबेड़ा (कुलटाँड), पोस्ट–चिकसिया, थाना–चास (मु0), प्रखण्ड–चास<br>4. लिंग–पुरूष, आयु–54 वर्ष, पहचान चिन्ह–बायें हाथ से दिव्यांग। | कंडिका–2(ix) |
| 160. | 1. आवेदन क्र0–2445/24 2. आवेदक–दसाय महतो, पिता–घनु महतो<br>3. ग्राम–लेपो, पोस्ट–मंगासरला, थाना–पेटरवार, प्रखण्ड–पेटरवार<br>4. लिंग–पुरूष, आयु–69 वर्ष, पहचान चिन्ह–दायें हाथ में तिल का निशान। | कंडिका–2(ix) |
| 161. | 1. आवेदन क्र0–2446/24 2. आवेदक–जयधन महतो, पिता–गोखुल महतो<br>3. ग्राम–अम्बाडीह, पोस्ट–उत्तासारा, थाना–पेटरवार, प्रखण्ड–पेटरवार<br>4. लिंग–पुरूष, आयु–51 वर्ष, पहचान चिन्ह–नाक पर बायें तरफ फटे का निशान। | कंडिका–2(ix) |
| 162. | 1. आवेदन क्र0–2447/24 2. आवेदक–संध्या देवी, पति–उमेश बाउरी<br>3. ग्राम–बेन्दी, पोस्ट–खमारबेन्दी, थाना–पिण्ड्राजोरा, प्रखण्ड–चास<br>4. लिंग–महिला, आयु–46 वर्ष, पहचान चिन्ह–अंकित नहीं। | कंडिका–2(ix) |
| 163. | 1. आवेदन क्र0–2448/24 2. आवेदक–सावित्री देवी, पति–जयधन महतो<br>3. ग्राम–अम्बाडीह, पोस्ट–उत्तासारा, थाना–पेटरवार, प्रखण्ड–पेटरवार<br>4. लिंग–महिला, आयु–49 वर्ष, पहचान चिन्ह–बायें हाथ पर तिल का निशान। | कंडिका–2(ix) |
| | विवरण :–चिन्हित झारखण्ड आन्दोलनकारी मंगल हांसदा, जयनारायण महतो, देवीलाल सोरेन एवं जयलाल महतो द्वारा आयोग के मा0 सदस्य के समक्ष आवेदन पर दर्ज बयान एवं आवेदक के झारखण्ड आन्दोलनकारी के रूप में पहचान के आधार पर। | |
| 164. | 1. आवेदन क्र0–2449/24<br>2. आवेदक–रामचन्द्र सोरेन, पिता–स्व0 महा मांझी<br>3. ग्राम–जमुनिया, पोस्ट–पेंक, थाना–पेंक नारायणपुर, प्रखण्ड–नावाडीह<br>4. लिंग–पुरूष, आयु–42 वर्ष, पहचान चिन्ह–नाक में कटे का निशान। | कंडिका–2(ix) |
| 165. | 1. आवेदन क्र0–2450/24<br>2. आवेदक–खेलाराम सोरेन, पिता–स्व0 पगनो सोरेन<br>3. ग्राम–जमुनिया, पोस्ट–पेंक, थाना–पेंक नारायणपुर, प्रखण्ड–नावाडीह<br>4. लिंग–पुरूष, आयु–63 वर्ष, पहचान चिन्ह–बायां हाथ में सिखा का निशान। | कंडिका–2(ix) |
| 166. | 1. आवेदन क्र0–2451/24<br>2. आवेदक–छोटेलाल सोरेन, पिता–स्व0 चपका सोरेन<br>3. ग्राम–जमुनिया, पोस्ट–पेंक, थाना–पेंक नारायणपुर, प्रखण्ड–नावाडीह<br>4. लिंग–पुरूष, आयु–40 वर्ष, पहचान चिन्ह–बायां हाथ में सिखा का निशान। | कंडिका–2(ix) |
| 167. | 1. आवेदन क्र0–2452/24<br>2. आवेदक–नन्दलाल किस्कू, पिता–स्व0 श्यामलाल किस्कू<br>3. ग्राम–पेंक, टोला रालीबेड़ा, पोस्ट–पेंक, थाना–पेंक नारायणपुर, प्रखण्ड–नावाडीह<br>4. लिंग–पुरूष, आयु–42 वर्ष, पहचान चिन्ह–बायां हाथ में सिखा का निशान। | कंडिका–2(ix) |
| 168. | 1. आवेदन क्र0–2453/24<br>2. आवेदक–अनिल मुर्मू, पिता–स्व0 सोमरा मुर्मू<br>3. ग्राम–दलकिरा, टोला–गोड़गोड़वा, पोस्ट–पेंक, थाना–पेंक नारायणपुर, प्रखण्ड–नावाडीह<br>4. लिंग–पुरूष, आयु–49 वर्ष, पहचान चिन्ह–बायां हाथ में सिखा का निशान। | कंडिका–2(ix) |
| 169. | 1. आवेदन क्र0–2454/24<br>2. आवेदक–जाकीर हुसैन, पिता–स्व0 शफीक हुसैन<br>3. ग्राम–पिछरी उत्तरी, पोस्ट–पिछरी, थाना–पेटरवार, प्रखण्ड–पेटरवार<br>4. लिंग–पुरूष, आयु–61 वर्ष, पहचान चिन्ह–नाक में तिल। | कंडिका–2(ix) |
| 170. | 1. आवेदन क्र0–2455/24<br>2. आवेदक–संजय कुमार पाल, पिता–स्व0 द्विजेन्द्र प्रसाद पाल<br>3. ग्राम–पिछरी उत्तरी, पोस्ट–पिछरी, थाना–पेटरवार, प्रखण्ड–पेटरवार<br>4. लिंग–पुरूष, आयु–46 वर्ष, पहचान चिन्ह–अंकित नहीं। | कंडिका–2(ix) |
| 171. | 1. आवेदन क्र0–2456/24<br>2. आवेदक–राम भजन लायक, पिता–स्व0 ओपीन लायक<br>3. ग्राम–पिछरी उत्तरी, पोस्ट–पिछरी, थाना–पेटरवार, प्रखण्ड–पेटरवार<br>4. लिंग–पुरूष, आयु–55 वर्ष, पहचान चिन्ह–अंकित नहीं। | कंडिका–2(ix) |
| 172. | 1. आवेदन क्र0–2457/24<br>2. आवेदक–बबीता देवी, पति–कृष्णा मिश्रा<br>3. ग्राम–पिछरी उत्तरी, पोस्ट–पिछरी, थाना–पेटरवार, प्रखण्ड–पेटरवार<br>4. लिंग–महिला, आयु–51 वर्ष, पहचान चिन्ह–पेट में कट का निशान। | कंडिका–2(ix) |
| 173. | 1. आवेदन क्र0–2458/24<br>2. आवेदक–सेमिया देवी, पति–पल्टु तुरी<br>3. ग्राम–पिछरी उत्तरी, पोस्ट–पिछरी, थाना–पेटरवार, प्रखण्ड–पेटरवार<br>4. लिंग–महिला, आयु–47 वर्ष, पहचान चिन्ह–पेट में कट का निशान। | कंडिका–2(ix) |
| 174. | 1. आवेदन क्र0–2459/24<br>2. आवेदक–दुर्गा महतो, पिता–सुदन महतो<br>3. ग्राम–पिछरी दक्षिणी, पोस्ट–पिछरी, थाना–पेटरवार, प्रखण्ड–पेटरवार<br>4. लिंग–पुरूष, आयु–53 वर्ष, पहचान चिन्ह–दाहिने हाथ की अंगुली में तिल का निशान। | कंडिका–2(ix) |
| 175. | 1. आवेदन क्र0–2460/24<br>2. आवेदक–बाजुन प्रसाद मुर्मू, पिता–बड़कु मांझी<br>3. ग्राम–पिछरी दक्षिणी (करनडीह), पोस्ट–पिछरी, थाना–पेटरवार, प्रखण्ड–पेटरवार<br>4. लिंग–पुरूष, आयु–47 वर्ष, पहचान चिन्ह–कपाल के बीच में मासा। | कंडिका–2(ix) |
| 176. | 1. आवेदन क्र0–2461/24<br>2. आवेदक–आशीष पाल, पिता–सन्तोष पाल<br>3. ग्राम–पिछरी, पोस्ट–पिछरी, थाना–पेटरवार, प्रखण्ड–पेटरवार<br>4. लिंग–पुरूष, आयु–47 वर्ष, पहचान चिन्ह–कपाल के बीच में घाव का निशान। | कंडिका–2(ix) |
| 177. | 1. आवेदन क्र0–2462/24<br>2. आवेदक–सहोदरी देवी, पति–स्व0 फागु रजक<br>3. ग्राम–ढ़ोरी, पोस्ट–ढ़ोरी, थाना–बेरमो, प्रखण्ड–बेरमो<br>4. लिंग–महिला, आयु–53 वर्ष, पहचान चिन्ह–अंकित नहीं। | कंडिका–2(ix) |
| 178. | 1. आवेदन क्र0–2463/24<br>2. आवेदक–मोहिनी देवी (आश्रित पत्नी), पति–स्व0 खगपत महतो (मूल आन्दोलनकारी)<br>3. ग्राम–बालु बैंकर, पोस्ट–ढोरी, थाना–बेरमो, प्रखण्ड–बेरमो<br>4. लिंग–महिला, आयु–69 वर्ष, पहचान चिन्ह–चेहरा पर तिल का निशान। | कंडिका–2(ix) |
| 179. | 1. आवेदन क्र0–2464/24<br>2. आवेदक–बैजनाथ महतो, पिता–स्व0 खगपत महतो<br>3. ग्राम–बालु बैंकर, पोस्ट–ढोरी, थाना–बेरमो, प्रखण्ड–बेरमो<br>4. लिंग–पुरूष, आयु–48 वर्ष, पहचान चिन्ह–बायें हाथ में तिल। | कंडिका–2(ix) |
| 180. | 1. आवेदन क्र0–2465/24<br>2. आवेदक–कुलेश्वर पासवान, पिता–स्व0 अमृत पासवान<br>3. ग्राम–स्वांग, पोस्ट–स्वांग, थाना–गोमिया, प्रखण्ड–गोमिया<br>4. लिंग–पुरूष, आयु–64 वर्ष, पहचान चिन्ह–पैर में जला का निशान। | कंडिका–2(ix) |
| 181. | 1. आवेदन क्र0–2466/24<br>2. आवेदक–चैतन मांझी, पिता–स्व0 बबुआ मांझी<br>3. ग्राम–चपरी, पोस्ट–नावाडीह, थाना–नावाडीह, प्रखण्ड–नावाडीह<br>4. लिंग–पुरूष, आयु–74 वर्ष, पहचान चिन्ह–दाहिने पैर में कट का निशान। | कंडिका–2(ix) |
| 182. | 1. आवेदन क्र0–2467/24<br>2. आवेदक–सघवा देवी, पति–स्व0 महावीर मांझी<br>3. ग्राम–चपरी, पोस्ट–नावाडीह, थाना–नावाडीह, प्रखण्ड–नावाडीह<br>4. लिंग–महिला, आयु–74 वर्ष, पहचान चिन्ह–गाल पर तिल का निशान। | कंडिका–2(ix) |
| 183. | 1. आवेदन क्र0–2468/24<br>2. आवेदक–सरस्वती देवी, पति–मनोहर नायक<br>3. ग्राम–चलकरी, पोस्ट–चलकरी, थाना–पेटरवार, प्रखण्ड–पेटरवार<br>4. लिंग–महिला, आयु–40 वर्ष, पहचान चिन्ह–माथा पर कट का निशान। | कंडिका–2(ix) |

नोट :– 1. यह सूची पूर्णरूपेण औपबंधिक है।
2. यह सूची आयोग के द्वय सदस्यों द्वारा स्थानीय जांच शिविर/कार्यालय में जांच कर आवेदन पर दर्ज बयान के आधार आवेदन प्रपत्र की कण्डिका 14(ग) के आलोक में प्रकाशित की गयी है।
3. इस सूची में किसी प्रकार की त्रुटि पाये जाने पर दस (10) दिनों के अन्दर आयोग को आपत्ति कर सकते हैं।
4. आश्रित होने पर मृत्यु प्रमाण पत्र तथा आश्रित संबंधी प्रतिवेदन संलग्न करना आवश्यक है।

(भुवनेश्वर महतो) सदस्य — (नरसिंह मुर्मू) सदस्य — PR 341282 Home (24-25)_D — (दुर्गा उराँव) अध्यक्ष

# ईएसजी सिद्धांतों पर धृति कार्यशाला का आयोजन

**बोकारो (ससे)**: बी एस एल के एस एम एस -२ सी सी एस विभाग में ईएसजी (पर्यावरण, सामाजिक और शासन) सिद्धांतों पर जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से मानव संसाधन के ज्ञानार्जन एवं विकास विभाग के द्वारा धृति नामक कार्यशाला का आयोजन मुख्य महाप्रबंधक (एस एम एस -२ सी सी एस) अरविन्द कुमार की अध्यक्षता में आयोजित किया गया. महाप्रबंधक (ज्ञानार्जन एवं विकास) नीता बा ने सभी प्रतिभागियों तथा मुख्य अतिथि का कार्यक्रम में स्वागत किया तथा आधुनिक व्यवसायिक परिदृश्य में इसकी प्रसंगकिता के बारे में विस्तृत जानकारी दी. उन्होंने कहा कि ईएसजी (पर्यावरण, सामाजिक और शासन) सिद्धांतों पर जागरूकता के लिए कार्यशालाओं की एक श्रृंखला शुरू की गई है. कार्यशाला का उद्देश्य टिकाऊ और जिम्मेदार व्यवसाय प्रथाओं को प्रोत्साहित करना है, जो पर्यावरण संरक्षण और सामाजिक जिम्मेदारी के प्रति बोकारो इस्पात संयंत्र की प्रतिबद्धता को दर्शाती है.

कार्यशाला में एस एम एस -२ सी सी एस विभाग के २१ प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया. श्री अमित आनंद, सहायक महाप्रबंधक (ज्ञानार्जन एवं विकास) ने ईएसजी सिद्धांतों पर एक प्रस्तुति के माध्यम से विस्तृत जानकारी दी तथा एक इंटरएक्टिव प्रश्नोत्तरी का आयोजन किया जिसमें प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया. कार्यशाला के आयोजन में एस एम एस -२ सी सी एस विभाग के महा प्रबंधक अशोक तिवारी तथा राहुल तिवारी का महत्वपूर्ण योगदान था.

# नैक टीम ने झारखंड कॉलेज का किया निरीक्षण

**डुमरी (ससे)**: राष्ट्रीय मुल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद (नैक) की तीन सदस्यीय टीम ४ और ५ दिसंबर को झारखंड कॉलेज डुमरी में शैक्षणिक,उपलब्ध संसाधनों,छात्र गतिविधि,शिक्षक क्वालिटी जैसे विभिन्न बिंदुओं पर जांच की। जांच सह निरीक्षण करने के लिए पहुंची टीम की अगुवाई चेयर पर्सन डॉ एस आर्मस्ट्रांग चेन्नई फारूक शाह जम्मु कश्मीर एवं रीना इत्तायाचान केरल ने किया।टीम दो दिनों तक इंटर कॉलेज का निरीक्षण कर अपनी रिपोर्ट तैयार की।इस रिपोर्ट के आधार पर ही कॉलेज को ग्रेड दिया जाएगा।पहले दिन नैक की टीम ने कॉलेज के सभी विभाग प्रमुखों के साथ बैठक की।उसके बाद कॉलेज में मूलभूत सुविधाओं,खेल गतिविधियों,गृह विज्ञान विभाग, गणित, इकोनॉमिक्स, हिन्दी, अंग्रेजी, राजनीतिक विज्ञान, कॉमर्स विभागों का निरीक्षण करते हुए इन विभागों से पिछले पांच साल में कितने विद्यार्थी पास आउट हुए और उन बच्चों ने क्या उपलब्धियां हासिल की,इसका रिकार्ड जांच किया।

वहीं कॉलेज प्राध्यापकों के साथ बैठक कर कई दिशा निर्देश दिए।इसके पूर्व टीम के कॉलेज पहुंचने पर एनसीसी कैडेटों द्वारा गॉड ऑफ ऑनर दिया गया। इस दौरान कॉलेज प्राचार्य प्रो पीके सिन्हा,डा मुनिलाल ठाकुर,डा सुजीत माथुर,डा बीएन प्रसाद,प्रो मनोज सिंह,प्रो शंकर ठाकुर, प्रो घनश्याम यादव,प्रो आरके सिंह,प्रो राजेश प्रसाद,प्रो उमाशंकर राय, प्रो तालेश्वर नायक,प्रो अमिता मिश्रा, कैलाश चौधरी, रवि कुमार सिन्हा आदि सहित सभी शिक्षक एवं शिक्षिकेत्तरकर्मी उपस्थित थे।

# डीसी ने डीसीओ को दिये जांच का निर्देश

**बोकारो (ससे)**: प्लाटधारियों द्वारा बारी कापरेटिव एवं नेताजी सुभाष कापरेटिव भरा चास के सोसाइटी सचिव एवं भू-माफियाओं के सहयोग से प्लाटधारियों के जमीन पर अवैध कब्जा कराने का जनता दरबार में शिकायत प्राप्त हुआ है। उपायुक्त विजया जाधव ने मामले में संज्ञान लेते हुए मामले की जांच के लिए जिला सहकारिता पदाधिकारी श्वेता गुड़िया को जांच का निर्देश दिया है।

# कैमरून में फंसे झारखंड के 47 मजदूर, सोशल मीडिया पर वतन वापसी की गुहार

**रांची (एजेंसी)**: झारखंड के गिरिडीह, हजारीबाग और बोकारो जिलों के ४७ प्रवासी मजदूर अफ्रीकी देश कैमरून में फंसे हुए हैं. मजदूरों ने सोशल मीडिया पर वीडियो साझा कर सरकार से वतन वापसी की गुहार लगाई है. चार महीने से इन मजदूरों को कंपनी द्वारा मजदूरी का भुगतान नहीं किया गया है, जिससे उनके सामने खाने-पीने और अन्य जरूरतों का गंभीर संकट खड़ा हो गया है.

**मजदूरों की दुर्दशा**- मजदूरों का कहना है कि उन्होंने बेहतर कमाई के लिए कैमरून का रुख किया था, लेकिन अब वे बुनियादी सुविधाओं से भी वंचित हैं. उनके पास न तो खाने के लिए पर्याप्त भोजन है और न ही लौटने के लिए संसाधन. प्रवासी मजदूरों के मुद्दों पर काम करने वाले सामाजिक कार्यकर्ता सिकंदर अली ने केंद्र और राज्य सरकार से मजदूरों की सुरक्षित वतन वापसी के लिए ठोस कूटनीतिक कदम उठाने की मांग की है. उन्होंने कहा कि यह पहली बार नहीं है जब प्रवासी मजदूर विदेशों में फंसे हैं. इससे पहले भी झारखंड के कई मजदूर अधिक पैसे कमाने की उम्मीद में विदेश जाकर मुश्किलों में फंस चुके हैं.

**सरकार से मांग**- सिकंदर अली ने कहा कि सरकार को प्रवासी मजदूरों की समस्याओं का स्थायी समाधान निकालने के लिए झारखंड में रोजगार के अवसर बढ़ाने चाहिए, ताकि लोग मजबूरी में पलायन न करें. उन्होंने मजदूरों की जल्द से जल्द वतन वापसी सुनिश्चित करने का आग्रह किया है.

**फंसे मजदूरों में ये हैं शामिल- हजारीबाग (विष्णुगढ़)**- रेवतलाल महतो (जोबर), कमलदेव कुमार महतो (जोबर), विजय कुमार महतो (जोबर), जय नारायण कुमार महतो (जोबर), उमेश महतो (जोबर), राजेंद्र कुमार (नागी), चिंतामणि महतो (अम्बाटांड़), भागीरथ महतो (अम्बाटांड़), प्रेमचंद महतो (अम्बाटांड़), पिंटू कुमार महतो (अम्बाटांड़), दशरथ महतो (खरकी), सुरेश महतो (मडमो), मनोज कुमार महतो (सिरैय), बलदेव महतो (बलकमक्का), रोहित महतो (केंदुवाडीह), टेकलाल महतो (बसरिया), निर्मल महतो (बसरिया), छोटी यादव (बसरिया), भूखलाल महतो (बसरिया), किशोर कुमार (बसरिया), योगेंद्र महतो (बसरिया), रामचंद्र महतो (बसरिया), निर्मल यादव (बसरिया), लोकनाथ यादव (बसरिया), हीरालाल मांझी (चलकरी), धानेश्वर किस्कु(लमकीटांड), मनोज मरांडी (दुमुहान), अशोक महतो (गोविंदपुर), भुवनेश्वर महतो (गोविंदपुर), भरथ महतो (बंदखारों), दिनेश टुडू (चानो)।

**बोकारो (गोमिया)**- खिरोधर महतो (मुंगो), नारायण महतो (मुंगो), नीलकंठ महतो (सीधाबारा), महेश महतो (नरकंडी), राजेश कुमार महतो (तुसको), रोहित महतो (तिसकोपी), द्वारिका महतो (तुईयो), सत्येंद्र कुमार महतो (रजडेरवा), छोटन टुडू (नावडंडा), छोटन किस्कू (नावडंडा), गणेश महतो (बड़की सीधाबारा), चेतलाल महतो (बड़की सीधाबारा), चंद्रदेव महतो (बड़की सीधाबारा), संतोष महतो (नावाडीह)।

**गिरिडीह (बगोदर)**- रूपलाल महतो (महुरी), मुकेश महतो (हेंसला)।

# कांग्रेस में टूट का खतरा, 16 विधायकों में से कई नहीं पहुंचे शपथ ग्रहण समारोह में

**रांची (एजेंसी)**: झारखंड में मंत्रीमंडल विस्तार गुरूवार को हो गया. झामुमो से छह, कांग्रेस से चार और राजद से एक विधायक ने मंत्री पद की शपथ ली. इसके साथ ही झारखंड कांग्रेस पर टूट का खतरा मंडराने लगा है. बताया जाता है कि आने वाले दिनों में कांग्रेस को पार्टी के तौर पर झारखंड की सत्ता में अपनी भागेदारी गंवानी पड़ सकती है.

टूट का अंदेशा निराधार नहीं है. इसके संदेश शपथ ग्रहण समारोह में भी दिखा. कांग्रेस के १६ विधायकों में से अधिकांश ने समारोह से दूरी बना ली. हालांकि अभी कोई कुछ भी खुल कर बोलने को तैयार नहीं है. इनमें अधिकांश विधायक रांची में मौजूद रहें, लेकिन राजभवन नहीं पहुंचे. सूत्रों के अनुसार मान-मनौव्वल का दौर जारी है.

कांग्रेस विधायकों की नाराजगी की कई वजहें हैं, पर दो वजहें प्रमुख हैं. पहली वजह यह है कि सामान्य जाति से किसी भी विधायक को मंत्री नहीं बनाया गया है. वैसे देखा जाये तो पूरे मंत्रिमंडल में सामान्य जाति से कोई मंत्री नहीं है. दीपिका पांडेय सिंह को ओबीसी माना जा रहा है.

दूसरी बड़ी वजह दूसरे दल से टूट करके कांग्रेस में आने वाले विधायक को तरजीह देना बताया जा रहा है और इस सबके लिए कांग्रेस से शीर्ष नेतृत्व को जिम्मेदार माना जा रहा है. राधा कृष्ण किशोर अलग-अलग समय में दल बदलते रहे हैं. वह वर्तमान सरकार में भी मंत्री बने हैं.

मंत्री पद की शपथ लेने वाले इरफान अंसारी को लेकर कहा जा रहा है कि पिछली सरकार में उन्होंने सरकार को अस्थिर करने में किस तरह के काम किये थे, वह जग जाहिर है. पार्टी ने उनके खिलाफ कार्रवाई भी की थी.

# 30 लाख रुपये में सीट बेचने की साजिश के आरोपों बीच सीजीएल का रिजल्ट जारी किया गयाः बाबूलाल

**रांची (एजेंसी)**: बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने सीजीएल रिजल्ट को लेकर मोर्चा खोल दिया है. उन्होंने सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा है कि जेएसएससी-सीजीएल का मामला फिलहाल कोर्ट में लंबित है, फिर भी झारखंड राज्य कर्मचारी चयन आयोग द्वारा जल्दबाजी में रिजल्ट जारी कर दिया जाना बेरोजगारों के गले नहीं उतर रहा है. खुद आयोग के सचिव ने कहा था कि जब तक मामला कोर्ट में है तब तक रिजल्ट घोषित नहीं होगा. उन्होंने आगे लिखा है कि ३० लाख रुपए में सीट बेचने की साजिशों के आरोपों के बीच, इंटरनेट बंद कर पेपर लीक की बात चर्चा में रही. अब छात्रों को अंधेरे में रखते हुए परिणाम जारी कर दिया गया.

सोशल मीडिया में सितंबर का एक स्क्रीनशॉट भी वायरल हो रहा है, जिसकी हम पुष्टि नहीं करते. उसमें गड़बड़ी करने वाले दो रोल नंबर्स का ज़िक्र है. ताजा जारी परिणाम में इन दोनों रोल नंबर्स को सफल घोषित कर दिया गया है. यह गहन जांच का विषय है. बाबूलाल ने सीएम से आग्रह किया है कि इस परीक्षा परिणाम को रद्द करें. साथ ही पूरे मामले की सीबीआइ जांच कराएं. भाजपा सड़क से सदन तक युवाओं के हक के लिए लड़ाई लड़ेगी.

# संथाल समाज की अस्मिता के लिए मांझी और जाहर थान का संरक्षण आवश्यक : बाबूलाल मरांडी

**रांची (एजेंसी)**: भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने कहा कि संथाल समाज की अस्मिता और संस्कृति उनके पवित्र पूजा स्थल जाहर थान और मांझी थान से जुड़े हैं. मरांडी गुरुवार को अपने विधानसभा क्षेत्र में इन पूजा स्थलों पर शिलान्यास के बीद मीडिया से बातचीत में कहा कि आज अपने गांव कोदईबांक के मुहाने पर मांझी थान (संताल आदिवासी समाज के पूजा स्थल) के शिलान्यास का सौभाग्य प्राप्त हुआ. संथालों का दो ही पूजा स्थल होता है, एक जाहेर थान और दूसरा मांझी थान. ये हमारे संताल समाज की पवित्र पहचान है. अगर गांव से मांझी थान और जाहेर थान समाप्त हो जाएगा, तो संथाल जाति भी समाप्त हो जाएगी. हम तभी तक संथाल हैं, जब तक हम ज़ाहेर थान-मरांग बुरू को पूजते हैं. जाहेर थान में मरांग बुरू की पूजा संथालों की पहचान है. ठीक वैसे ही, हम पिलचु हाड़म और पिलचु बूढ़ी के वंशज हैं और उनकी आराधना करते हैं. यही हमारी जड़ें, हमारी परंपरा और हमारे संथाल होने की सबसे बड़ी पहचान है.

# विशिष्ट अनुभाजन पदाधिकारी ने दाल भात केंद्र के संचालकों के साथ की बैठक

**रांची (एजेंसी)**: समाहरणालय स्थित अपने कार्यालय में विशिष्ट अनुभाजन पदाधिकारी मोनी कुमारी ने दाल भात केंद्र के संचालकों के साथ बैठक की. बैठक में मोनी कुमारी ने संचालकों को दाल भात केंद्र खोलने के समय, वहां दिए जाने वाले भोजन संबंधित समीक्षा की. मौके पर सभी संचालकों ने अपनी समस्या से विशिष्ट अनुभाजन पदाधिकारी को अवगत करवाया, जिसपर मोनी ने उनके समस्या को समाधान करने की बात कही. बता दें कि रांची अनुभाजन के १२ दाल भात केंद्र संचालित हैं, जहां ५ रुपए में भोजन की व्यवस्था है.

# बांग्लादेश में हिंदुओं पर अत्याचार के खिलाफ ब्राह्मण महासंघ ने की न्याय व सुरक्षा की मांग

**रांची (एजेंसी)**: बांग्लादेश में हिंदू समुदाय पर हो रहे अत्याचारों को लेकर शाकद्वीपीय ब्राह्मण महासंघ ने गंभीर चिंता व्यक्त की है. महासंघ ने इसे न केवल मानवाधिकारों का उल्लंघन, बल्कि सनातन धर्म और संस्कृति पर संगठित हमला करार दिया. महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष दीपक उपाध्याय ने कहा कि बांग्लादेशी हिंदुओं को योजनाबद्ध तरीके से कमजोर किया जा रहा है. मंदिरों को तोड़ा जा रहा है. घरों को जलाया जा रहा है और बहन-बेटियों की अस्मिता को निशाना बनाया जा रहा है. यह स्थिति अत्यंत चिंताजनक है और इसका ठोस समाधान आवश्यक है. हिंदू समाज की सुरक्षा और सम्मान को सुनिश्चित करना हमारा नैतिक दायित्व है.

उन्होंने आगे कहा कि महासंघ पूरी प्रतिबद्धता के साथ हिंदुओं की रक्षा के लिए खड़ा है और इस मुद्दे पर भारत सरकार को तुरंत कूटनीतिक हस्तक्षेप करना चाहिए. राष्ट्रीय उपाध्यक्ष ने राष्ट्रीय अध्यक्ष के बातों का समर्थन किया. महासंघ के राष्ट्रीय महासचिव आचार्य कृष्ण ने कहा कि भारत सरकार को अंतरराष्ट्रीय मंचों पर यह मामला उठाना चाहिए और बांग्लादेशी हिंदुओं के अधिकारों और सुरक्षा के लिए ठोस कदम उठाने चाहिए. उन्होंने कहा कि यदि आवश्यकता हो, तो भारत को इज़राइल की तरह मजबूत नीति अपनाकर हिंदुओं को सुरक्षित भारत लाने की व्यवस्था करनी चाहिए. आचार्य कृष्ण ने कहा कि यह केवल बांग्लादेश तक सीमित समस्या नहीं है, बल्कि यह सनातन धर्म और संस्कृति के अस्तित्व के लिए चुनौती है.

# 50 हजार घूस लेते कल्याण विभाग का हेड क्लर्क रंगे हाथ गिरफ्तार

**रांची (एजेंसी)**: कल्याण विभाग के पदाधिकारी को एसीबी ने ५० हजार रुपया घूस लेते गिरफ्तार किया है. एसीबी ब्रांच रांची की टीम ने गुरुवार को लोहरदगा में कार्रवाई करते हुए कल्याण विभाग लोहरदगा के बड़ा बाबु राजेन्द्र उरांव को गिरफ्तार किया. इसे लेकर लोहरदगा जिले के किस्को थाना क्षेत्र के निरहू गांव के निवासी तौहिद खान ने एसीबी से शिकायत करते हुए कहा कि अल्पसंख्यक मुस्लिम कब्रिस्तान घेराबंदी निर्माण के लिए २४.९८ लाख रुपया राशि स्वीकृत हुआ है.

तौहिद ने कहा कि कब्रिस्तान घेराबंदी का ८० प्रतिशत काम पुर्ण हो चुका है. जिसके एवज में परिवादी को ८.९५ लाख रुपया भुगतान किया जा चुका है. इसके लिए कल्याण विभाग लोहरदगा के बड़ा बाबु राजेन्द्र उरांव के द्वारा आठ प्रतिशत के हिसाब से ७० हजार रुपये रिश्वत के रूप में मांगी जा रही थी. वादी के द्वारा कम कराने के बाद ५० हजार रुपये लेकर काम करने को राजी हुए और बोले कि उक्त राशि नहीं देने पर फाइनल बिल का निकासी नहीं करेंगे. जिसके बाद इसकी शिकायत एसीबी से की गई.

# एक्शन में नगर विकास सचिव, केंद्रीय संस्थानों के बकाए होल्डिंग टैक्स की करें वसूली

**रांची (एजेंसी)**: नगर विकास विभाग में राजस्व वृद्धि पर जोर दिया है. विभाग के प्रधान सचिव सुनील कुमार ने केंद्रीय संस्थानों सीसीएल, बीसीसीएल, पोस्ट ऑफिस, सेल, रेलवे से बकाया होल्डिंग टैक्स वसूली का निर्देश दिया है. इन संस्थानों पर २०० करोड़ रुपए से अधिक का बकाया है.

राज्य सरकार के वैसे भवन जहां से होल्डिंग टैक्स नहीं मिल रहा है उसके लिए वित्त विभाग और अन्य विभागों से समन्वय स्थापित बजटीय उपबंध कराने का निर्देश दिया है. जियाडा क्षेत्र के औद्योगिक संस्थानों से होल्डिंग टैक्स वसूली की प्रक्रिया शुरू करने को कहा है.

प्रधान सचिव ने कहा कि सभी नगर निकायों का बकाया होल्डिंग टैक्स सहित विभिन्न प्रकार की कर वसूली को भी प्राथमिकता सूची में रखें. अधिक से अधिक संसाधनों को चिन्हित कर उससे निकायों को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर और सक्षम बनायें. इन स्रोत से आनेवाले राजस्व का इस्तेमाल वहां के नागरिकों को बेहतर नगरीय सुविधा और जीवन स्तर प्रदान करने में किया जाये. बताते चलें कि २०२०-२१ में इस मद में कर संग्रहण १४७ करोड़ रुपया था जो २०२३-२४ में बढ़कर २२० करोड़ रुपया हो गया है.

# 100 वर्ष पूरे होने पर मनाया गया जश्न

**कतरास (ससे)** : बाघमारा थाना के १०० वर्ष पूरे होने पर थाना परिसर में मनाया जाएगा शताब्दी समारोह जिसका मुख्य अतिथि के रूप में वरीय पदाधिकारी होंगे शामिल। उक्त बातें गुरुवार को बाघमारा थाना प्रभारी चिरंजीत प्रसाद ने शांति समिति के बैठक में कही। उन्होंने कहा कि बाघमारा थाना के १०० वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में भव्य कार्यक्रम के साथ पौधा रोपण एवं कंबल वितरण किया जायेगा। जानकारों के अनुसार २० अक्टूबर १९२४ को अंग्रेजों के द्वारा इस थाना का निर्माण किया गया था। आचार संहिता को देखते हुए शताब्दी समारोह के कार्यक्रम को स्थगित किया गया था। जल्द ही वरीय पुलिस पदाधिकारी से वार्ता कर कार्यक्रम की तिथि सुनिश्चित की जायेगी। पुलिस जन सहयोग समिति के सक्रिय सदस्यों द्वारा कार्यक्रम की रूप रेखा की तैयारियों में जुट गए है।

मौके पर विजय शर्मा, बैजनाथ यादव, रंजीत महतो, केशव पासवान, जितन मुखिया, पोरेश चौबे, गोपाल चन्द्र गोप, इन्दल यादव, सोनू कुमार, सत्यनारायण पांडेय, दिनेश ठक्कर, संजय पाण्डेय, पप्पू सिंह, दिवाकर महथा, तेजप्रकाश पाण्डेय, अक्षत पाण्डेय, संतोष दास सहित कई गण्यमान लोग उपस्थित थे।

# समाजसेवियों ने किया आवास की मरम्मत

**पुटकी (ससे)** : लोयाबाद क्षेत्र में समाजसेवियों द्वारा गरीबों की मदद का कार्य लगातार जारी है। मंगलवार को लोयाबाद एकड़ा हरिजन बस्ती में रिंकू देवी का टूटा हुआ मकान समाजसेवी विनय चौहान की पहल पर गिरिडीह सांसद चंद्रप्रकाश चौधरी के सहयोग से मरम्मत कराया गया। मरम्मत के दौरान घर के लिए सभी आवश्यक सामग्री, जैसे १० सीट आदि तत्काल मुहैया कराई गई। इस कार्य से गरीब परिवार को बड़ी राहत मिली। विनय चौहान ना केवल लोयाबाद क्षेत्र बल्कि अन्य स्थानों के जरूरतमंदों की मदद के लिए भी हमेशा तत्पर रहते हैं। उनकी पहल से कई गरीब परिवारों को सहायता मिल चुकी है। स्थानीय लोगों ने इस कार्य की सराहना करते हुए कहा कि विनय चौहान के कारण जरूरतमंदों को समय पर मदद मिल रही है। यह पहल लोयाबाद क्षेत्र में सामाजिक सहयोग की मिसाल बन गई है।

# आरडी त्रिपाठी के आकस्मिक निधन पर शोक

**धनबाद (कासं)** : राष्ट्रीय मजदूर कांग्रेस के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष और इंडियन नेशनल माईन वर्कर फेडरेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष कुमार जय मंगल (अनूप सिंह) विधायक, राष्ट्रीय कोलियरी मजदूर यूनियन के महामंत्री ए के झा और कार्यकारी अध्यक्ष बृजेंद्र प्रसाद सिंह (सीनियर एडवोकेट) ने एक संयुक्त प्रेस वक्तव्य में बताया कि मध्य प्रदेश इंटक के प्रदेश अध्यक्ष और इंटक के राष्ट्रीय सचिव आर डी त्रिपाठी का आकस्मिक निधन आज ५ सुबह कस्तूरबा हॉस्पिटल मध्य प्रदेश में हो गया। दिवंगत नेता त्रिपाठी के निधन पर गहरा दुख प्रकट करते हुए इन नेताओं ने कहा कि त्रिपाठी जी के निधन से मध्य प्रदेश इंटक परिवार में जो खालीपन आया है उसकी क्षतिपूर्ति निकट भविष्य में संभव नहीं है। श्री त्रिपाठी जी ने लगभग ५० वर्षों तक लगातार मजदूरों की सेवा की। उनके सवालों पर संघर्ष किया। मजदूर आंदोल्न को एक नई ताकत दी। वह नेतृत्व के प्रति बराबर ईमानदार रहे, पूरी समर्पण भावना से इंटक और उससे संबंधित श्रमिक संगठनों की आवाज बुलंद किया।

# दो पदाधिकारियों के आश्रितों को 25-25 हजार के चेक देगा -एआईएसएमजेडब्ल्यूए

**जमशेदपुर (ससे)**: ऑल इंडिया स्मॉल एंड मीडियम जर्नलिस्ट वैलफेयर एसोसिएशन की पूर्व घोषणा के तहत कल दो दिवंगत पत्रकार साथियों की पत्नियों को २५-२५ हजार के चेक दिए जाएंगे.यह सहायता राशि वैलफेयर फंड से दी जाएगी जिसे जुटाने की मुहिम में एसोसिएशन के राष्ट्रीय महासचिव प्रीतम सिंह भाटिया,प्रदेश सह प्रभारी शंकर गुप्ता,तत्कालीन सरायकेला-खरसावां जिला अध्यक्ष और दिवंगत पत्रकार सुदेश कुमार ने अहम भूमिका निभाई थी.ऐसोसिएशन के पास कुल १.२५ लाख रुपए मात्र तीन जिलों के विभिन्न सामाजिक संगठनों के अध्यक्ष व सचिवों से अपील करते हुए १५ से २५ हजार लेकर वैलफेयर कमेटी द्वारा जुटाए गए थे.

वर्ष २०२२ में एसोसिएशन की कोर कमिटी द्वारा तय हुआ था कि संगठन में सक्रिय भूमिका निभा रहे पदाधिकारियों व सदस्यों को इस फंड से ५ लाख का दुर्घटना बीमा दिया जाएगा लेकिन तब तक राज्य सरकार द्वारा सम्मान सुरक्षा योजना लागू हो गई जिसके बाद इस पर रोक लगा दी गई. इस घोषणा के बाद मामला केवल फाईलों तक सीमित रह गई और योजना पर सत्र में विधायकों ने मामला उठाते हुए ऐसोसिएशन का साथ दिया फिर भी योजना ठंडे बस्ते में ही है.कुछ समय पश्चात एआईएसएमजेडब्ल्यूए के पलामू प्रमंडल प्रभारी अजय सिन्हा की रहस्यमय और दर्दनाक मौत हुई जिस पर तय किया गया कि उनकी पत्नी को २५ हजार भेजा जाएगा लेकिन तब तक ऐसोसिएशन का एकाउंट डिएक्टिवेट हो गया था.इस घटना से सभी मर्माहत थे ही कि अब फिर कुछ दिनों पहले ऐसोसिएशन के कोल्हान महासचिव सुदेश कुमार की भी हृदयाघात से मौत हो गई.चूंकि अजय सिन्हा और सुदेश कुमार एसोसिएशन की मजबूती के लिए सक्रिय भूमिका निभा रहे थे और वर्तमान में उनके आश्रितों के आगे आर्थिक संकट की स्थिति उत्पन्न हो गई है,इन परिस्थितियों में तय हुआ कि दोनों दिवंगत पत्रकार साथियों की पत्नियों को बिना किसी फोटो सेशन के एकाउंट में २५-२५ हजार भेज दिएं जाएं.

इस संदर्भ में एसोसिएशन के प्रदेश सह प्रभारी शंकर गुप्ता ने कहा कि हमें अपने साथियों को कम से कम एक लाख की सहायता राशि देने की जरूरत है क्योंकि सरकार किसी भी तरह का कोई सहयोग या सुध लेने को तैयार नहीं है.उन्होने कहा कि चूंकि एसोसिएशन के पास मात्र सवा लाख का ही फंड है जिससे पत्रकार साथियों को ५ लाख का बीमा भी देना सुनिश्चित है इसलिए हम अल्प राशि से ही सहयोग कर रहे हैं.उन्होने कहा कि अगर वैलफेयर कमेटी में स्थानीय समाजसेवी और उद्योगपति को जोड़ने पर सभी जिलों में उत्सुकता होती तो आज हम अपने बीमार साथियों को भी २५-५० हजार देने योग्य होते लेकिन पत्रकारों को गुटबाजी से फुर्सत मिले तब ऐसा संभव होगा.

## बिना फोटो सेशन के मदद की अपील और फंड जुटाने पर दें जोर : शंकर गुप्ता

एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष शैलेंद्र जयसवाल बंटी ने कहा कि बहुत जल्द वैलफेयर कमिटी का पुनर्गठन किया जिएगा और सभी जिलों से कम से कम एक लाख रुपए जुटाए जाएंगे ताकि पत्रकारों को गंभीर बीमारी और मरणोपरांत उचित राशि उनके खाते में भेजी जाए.

एसोसिएशन के प्रदेश महासचिव प्रविंद पांडेय ने कहा कि एसोसिएशन द्वारा अब तक चार पत्रकारों को ग्रुप में एकाउंट नंबर भेजकर अपील करते हुए उनके एकाउंट में विभिन्न जिलों से सहायता राशि भिजवाईं है.एक पत्रकार का जमशेदपुर में श्राद्ध कर्म का पूरा खर्च और परिवार को टूटी छत बनाने के लिए आर्थिक सहायता भी दी.अब हमलोग ५ लाख का बीमा देने जा रहे हैं लेकिन सभी जिलों में सक्रिय भूमिका निभा रहे पदाधिकारियों और सदस्यों को ही इसका लाभ मिलेगा.

## सर्दी में घर पर बनाएं स्वादिष्ट और हेल्दी
# सहजन का सूप

सर्दियों की शुरुआत हो चुकी है। इस मौसम में गर्मा-गर्म सूप पीने का एक अलग ही मजा होता है। ठंड के समय हर कोई कुछ गर्म और पौष्टिक खाना चाहते हैं, तो आप इस मौसम में सूप के ऑप्शन तलाशते हैं, तो आप घर पर बने सूप का मजा ले सकते हैं। घर पर बने सूप का एक शानदार विकल्प हो सकता है और इसे बनाना भी काफी किफायती है, क्योंकि इस बनाने के लिए सामग्रियां बेहद कम मात्रा में उपयोग किया जाता है। आइए जानते हैं सहजन का सूप घर पर कैसे सरल तरीके से बना सकते हैं।

**सामग्री**

- 1 कप दाल
- ताजी सहजन के छोटे टुकड़े
- 1 कटा हुआ टमाटर
- 1 कटा हुआ प्याज
- थोड़ी सी अदरक

सहजन का सूप बनाने की विधि

- सर्दियों में सहजन का सूप बनाने के लिए आपको मुट्ठी भर दाल, ताजी सहजन के छोटे टुकड़े, कटे हुए टमाटर, प्याज और थोड़े से अदरक की आवश्यकता होगी।

- सबसे पहले आप सभी सब्जियों को अच्छे से धोकर, छोटे-छोटे टुकड़ों में काट लें। इन सामग्रियों को एक बर्तन में एक चम्मच हल्दी और करीब एक से डेढ़ गिलास पानी के साथ रखें। इन सभी चीजों को नरम होने तक पकने दें।

- फिर आप इस मिश्रण को ठंडा होने दें। फिर, इसे मिक्सर में डालकर मुलायम पेस्ट बना लें। इसके बाद आप पेस्ट को छलनी के छान लें ताकि गूदा और रेशे अलग हो जाएंगे।

- अब आप जरुरत के हिसाब से गाढ़ापन को बरकार रखने के लिए गूदे में थोड़ा सा पानी जरुर मिलाएं, लेकिन सूप के स्वाद को सही रखने के लिए आवश्यकतानुसार ही पानी डालें।

- अगर आपको थोड़ा सा मसाला पसंद हैं तो आप स्वाद के लिए थोड़ी काली मिर्च और नमक मिला सकते हैं। इस मिश्रण को उबाल लें और इसे 3 से 4 मिनट तक उबलने दें। और तैयार है आपका स्वाद और पोषक तत्वों से भरपूर सहजन सूप (ड्रमस्टिक) तैयार है। यह सूप स्वाद के साथ ही हेल्थ के लिए सबसे बेहतरीन स्वाद से भरपूर है।

# ब्लैकहेड्स से छुटकारा
## पाने के 5 प्रभावी घरेलू उपाय और टिप्स !

**ब्लैकहेड्स एक आम समस्या है, खासकर चेहरे पर, जो त्वचा की porosity और तेल उत्पादन के कारण होते हैं। ये तब बनते हैं जब रोमछिद्रों में जमा हुआ तेल, गंदगी, मृत त्वचा कोशिकाएं और बैक्टीरिया हवा के संपर्क में आकर काले हो जाते हैं। ब्लैकहेड्स आपकी त्वचा को बेजान बना देते हैं। ब्लैकहेड्स की समस्या को दूर करने के लिए कई उपाय हैं, जिनमें से कुछ आसान घरेलू उपचार भी हैं।**

यहां कुछ प्रभावी टिप्स और घरेलू उपचार दिए गए हैं जिनसे आप ब्लैकहेड्स से छुटकारा पा सकते हैं-

### हल्दी और बेसन का फेस पैक

हल्दी और बेसन एक प्राकृतिक एंटीबैक्टीरियल और एंटीफंगल हैं, जो त्वचा को साफ करने में मदद करते हैं।

1. (1) चम्मच बेसन में 1/2 चम्मच हल्दी और थोड़ी सी दही डालें।
2. इस मिश्रण को चेहरे पर लगाएं और सूखने तक छोड़ दें।
3. सूखने के बाद हल्के हाथों से स्क्रब करें और फिर पानी से धो लें। यह पैक त्वचा को गहराई से साफ करता है और ब्लैकहेड्स को कम करने में मदद करता है।

### अंडे का सफेद भाग और नींबू का रस मास्क

नींबू में सिट्रिक एसिड होता है जो त्वचा को एक्सफोलिएट करता है, जबकि अंडे का सफेद भाग त्वचा को हाइड्रेट करता है।

1. (1) अंडे का सफेद भाग, 1 चम्मच नींबू का रस
2. अंडे की सफेदी को सख्त होने तक फेंटें, उसमें नींबू का रस मिलाएं और अपने चेहरे पर लगाएं। सूखने तक लगा रहने दें और फिर धीरे से छील लें।
3. नताशा ने कहा, ÷अंडे का सफेद भाग रोमछिद्रों को कसता है और अतिरिक्त तेल को हटाता है, जबकि नींबू का रस त्वचा को चमकदार बनाने में मदद करता है।÷

### स्टीम (भाप) लें

स्टीम लेने से त्वचा के रोमछिद्र खुल जाते हैं, जिससे ब्लैकहेड्स को निकालना आसान हो जाता है।

1. एक बर्तन में पानी गर्म करें और उसका भाप चेहरे पर लें।
2. ध्यान रखें कि पानी ज्यादा गर्म न हो, ताकि त्वचा जल न जाए।
3. स्टीम लेने के बाद चेहरे को ठंडे पानी से धोकर रोमछिद्रों को बंद कर लें।

### चीनी और शहद स्क्रब

चीनी त्वचा की मृत कोशिकाओं को हटाने के लिए एक बेहतरीन स्क्रब है, जबकि शहद त्वचा को मुलायम बनाता है और उसकी नमी बनाए रखता है।

1. 1 चम्मच चीनी और 1 चम्मच शहद मिलाकर एक स्क्रब तैयार करें।
2. इसे चेहरे पर हल्के हाथों से रगड़ें और फिर गुनगुने पानी से धो लें।
3. यह स्क्रब ब्लैकहेड्स को हटाने में मदद करता है और त्वचा को निखारता है।

### टी ट्री ऑयल

टी ट्री ऑयल एक प्राकृतिक एंटीबैक्टीरियल और एंटीफंगल एजेंट है, जो ब्लैकहेड्स को रोकने में सहायक है।

1. (1-2) बूंदें टी ट्री ऑयल को एक कॉटन पैड पर डालें और उसे प्रभावित क्षेत्र पर लगाएं।
2. इसे रातभर छोड़ें और सुबह अपने चेहरे को धो लें। टी ट्री ऑयल त्वचा को साफ रखता है और ब्लैकहेड्स के निर्माण को रोकता है।

### अतिरिक्त टिप्स

1. चेहरे को नियमित रूप से धोएं-दिन में दो बार फेसवॉश से चेहरे को धोने से अतिरिक्त तेल और गंदगी हट जाती है, जिससे ब्लैकहेड्स की संभावना कम होती है।
2. कॉमेडोजेनिक उत्पादों से बचें-ऐसे स्किनकेयर और मेकअप उत्पादों का उपयोग न करें जो त्वचा के रोमछिद्रों को बंद कर सकते हैं।
3. संतुलित आहार लें-खानपान में विटामिन और ओमेगा-3 फैटी एसिड्स को शामिल करें, जैसे कि गाजर, टमाटर, मछली आदि, जो त्वचा को स्वस्थ बनाए रखते हैं।

ब्लैकहेड्स से छुटकारा पाना समय और धैर्य की बात है। इन घरेलू उपचारों को नियमित रूप से अपनाकर आप ब्लैकहेड्स को कम कर सकते हैं और अपनी त्वचा को साफ और निखरा हुआ रख सकते हैं। यदि समस्या अधिक बढ़ जाए तो त्वचा विशेषज्ञ से सलाह लेना भी फायदेमंद हो सकता है

## यूरिक एसिड के मरीजों के लिए फायदेमंद है
# लहुसन का सेवन

जब हमारा शरीर प्रोटीन को सही से पचा नहीं पाता है तो इसकी वजह से प्रोटीन से निकलने वाला प्यूरिन जो कि एक वेस्ट प्रोडक्ट है वो बढ़ने लगता है। ये हड्डियों में पथरी के रूप में जमा हो जाता है और एक गैप पैदा करने लगता है जिसे गाउट की समस्या कहते हैं। समय के साथ ये समस्या बढ़ने लगती है और परेशान करती है। ऐसे में आप अगर लहसुन का सेवन करें तो इसमें कमी आ सकती है। दरअसल, आज हम आपको बताएंगे कि कैसे लहसुन हाई यूरिक एसिड की समस्या में कारगर तरीके से काम करता है। साथ ही जानेंगे इसके सेवन का तरीका।

लहसुन में पाया जाने वाला एस-एलिल-एल-सिस्टीन (S-allyl-L-cysteine) यौगिक जैसे जैथिन ऑक्सीडेज एंजाइम शरीर में यूरिक एसिड के स्तर को कम करने में मदद करता है। लहसुन एक स्वस्थ पाचन तंत्र को बढ़ावा देता है और शरीर के डिटॉक्सिफिकेशन में सहायता करता है और यूरिक एसिड के निर्माण को रोकता है। ये नींबू और विटामिन सी से भरपूर है जो शरीर में यूरिक एसिड के स्तर को कम करने में सबसे कारगर उपाय हैं।

### एंटीइंफ्लेमेटरी है लहसुन-

लहसुन एंटी इंफ्लेमेटरी गुणों से भरपूर है और शरीर में सूजन और दर्द को रोकता है। ये हड्डियों के लिए इसी प्रकार से फायदेमंद है और गाउट के दर्द में कमी लाता है। तो, लहसुन का सेवन हड्डियों के बीच दर्द को कम करता है और जोड़ों से जुड़ी समस्याओं में कमी लाता है। इस प्रकार से हाई यूरिक एसिड में लहसुन फायदेमंद है।

### हाई यूरिक एसिड के मरीज ऐसे खाएं लहसुन-

तो, आपको करना ये है कि लहसुन की 5 से 6 कलियों को कूच लें और एक पैन में सरसों तेल डालकर छोड़ दें। फिर इसमें पानी डालें और हल्का सा काली मिर्च, नींबू का रस और काला नमक मिलाकर उबलने दें। फिर इस पानी को छान लें और पिएं। रोज ये सुबह खाली पेट करें। आपको इसका फायदा खुद नजर आएगा।

## सेब और अमरूद से कहीं ज्यादा मीठा और स्वादिष्ट होता है रामफल

रामफल हल्के नारंगी रंग का होता है और खाने में एकदम मीठा और स्वादिष्ट होता है। रामफल के स्वाद के आगे सेब और अमरूद का टेस्ट भी फीका लगेगा। रामफल नवंबर और दिसंबर महीने में ही मिलता है। आइये जानते हैं रामफल खाने के फायदों के बारे में।

### रामफल खाने के फायदे

वजन घटाए- जो लोग मोटापा कम करना चाहते हैं वो रामफल जरूर खाएं। स्वाद में भले ही ये फल आपको मीठा लगे, लेकिन वजन घटाने में भी ये असरदार साबित होता है। रामफल शरीर को एनर्जी देता है और इससे फाइबर मिलता है। रामफल खाने के काफी देर तक आपको भूख नहीं लगती। इसलिए नियमित रूप से रामफल खाकर मोटापा कम किया जा सकता है।

डायबिटीज में फायदेमंद- शुगर के मरीज को खाने-पीने में बड़ा सोच समझकर चीजों को शामिल करना पड़ता है। ऐसे कई फल हैं जो शुगर के मरीज को नुकसान पहुंचा सकते हैं। लेकिन रामफल मीठा होने के बावजूद डायबिटीज के रोगियों के लिए फायदेमंद साबित होता है। इस फल को खाने से ब्लड शुगर लेवल को कम किया जा सकता है। रामफल में ऐसे पोषक तत्व पाए जाते हैं जो कैंसर से लड़ने में भी मदद करते हैं।

बाल और त्वचा के लिए फायदेमंद- रामफल बालों और त्वचा के लिए भी फायदेमंद फल है। इसके सेवन से बालों को झड़ने की समस्या को कम किया जा सकता है। रामफल में विटामिन सी काफी होता है जो त्वचा और बालों दोनों के लिए उपयोगी साबित होता है। रामफल खाने से स्किन पर ग्लो आने लगता है।

इम्यूनिटी को बनाए मजबूत- रामफल का सेवन करने से इम्यून सिस्टम स्ट्रांग बनता है। जिन लोगों को इम्?यून सिस्?टम कमजोर है उन्हें रामफल जरूर खाना चाहिए। इससे आप सीजनल बीमारियों के खतरे से बच सकते हैं। वायरल बुखार और कई तरह के इंफेक्शन को दूर करने में भी ये फल मदद करता है। रामफल खाने से प्रतिरक्षा क्षमता बढ़ती है।

# इन लोगों को नहीं खानी चाहिए फूल गोभी

गैस और ब्लोटिंग की समस्या- जिन लोगों को अक्सर खाने-पीने से गैस और एसिडिटी की समस्या रहती है उन्हें फूलगोभी का सेवन न के बराबर करना चाहिए। गोभी में कार्बोहाइड्रेट होते हैं, जिससे पाचन से जुड़ी समस्याएं बढ़ सकती हैं। गोभी की सब्जी या पराठे खाने के बाद आपको गैस और ब्लोटिंग की समस्या हो सकती है। इसलिए गोभी का सेवन न करें।

थायराइड में गोभी नहीं खाएं- अगर आपको थायराइड की समस्या है तो फूलगोभी न खाएं। इससे आपकी मुश्किलें और बढ़ सकती हैं। फूलगोभी खाने से थायराइड ग्लैंग में आयोडीन के इस्तेमाल करने की शक्ति कम हो जाती है। जिससे मुश्किल हो सकती है। फूल गोभी खासतौर से ञ3 और ञ4 हार्मोन के लेवल को प्रभावित कर सकती है। इसलिए थायराइड के मरीज कम से कम फूलगोभी खाएं।

पथरी होने पर न खाएं गोभी- फूल गोभी का सेवन पथरी की समस्या होने पर भी नहीं करना चाहिए। इससे नुकसान हो सकता है। खासतौर से गॉलब्लैडर और किडनी में पथरी होने पर फूल गोभी खाने से बचना चाहिए। फूल गोभी में कैल्शियम होता है जिससे पथरी की परेशानी और बढ़ सकती है।

ब्लड क्लॉटिंग होने पर- अगर आपको ब्लड क्लोटिंग की शिकायत रहती है तो फूलगोभी का सेवन बिल्कुल न करें। फूलगोभी में पोटैशियम काफी ज्यादा होता है जिससे शरीर में खून और गाढ़ा हो सकता है। इसलिए गोभी का सेवन सीमित करें या फिर न खाएं।

प्रेगनेंसी में न खाएं गोभी- गर्भावस्था के दौरान भी आपको फूल गोभी का सेवन करने से बचना चाहिए। इससे कई तरह की समस्याएं पैदा हो सकती हैं। खासतौर से प्रेग्नेंसी में गैस, एसिडिटी और अपच की समस्या ट्रिगर कर सकती है। इसलिए गोभी से परहेज करना जरूरी है।

# रात में फल खाने से हो सकती हैं ये परेशानियां

फल हमारी सेहत के लिए फायदेमंद है ये तो हम सब जानते हैं। फल विटामिन्स, मिनरल्स और एंटीऑक्सीडेंट्स और पोषक तत्व से भरपूर होता हैजो शरीर को कई तरह की बीमारी से बचाता है। हेल्थ एक्सपर्ट के अनुसार, रोजाना फल खाने से शरीर को भरपूर मात्रा में विटामिन और मिनरल्स मिलते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि फल खाने का भी एक सही समय होता है। अगर आप फलों का सेवन रात के समय करते हैं तो इससे आपको फायदे की जगह नुकसान होगा। चलिए जानते हैं रात के समय फल खाने से क्या परेशानी हो सकती है, किन फलों को भूलकर भी रात के समय नहीं खाना चाहिए और फल खाने का सही समय क्या है?

बढ़ जाता है ब्लड शुगर-ज़्यादातर फलों में शुगर की मात्रा बहुत ज़्यादा होती है। ऐसे में रात के खाने के समय इनका सेवन करने से रक्त शर्करा के स्तर तेजी से बढ़ता है। आजकल की बिगड़ती जीवनशैली में अधिकांश लोगों को हाई ब्लड शुगर की समस्या है। ऐसे में फलों को खाने से शुगर लेवल तेजी से बढ़ सकती है। इसलिए, बिस्तर पर जाने से ठीक पहले रात के खाने के समय कुछ फल खाने से बचना चाहिए।

ऊर्जा के स्तर में वृद्धि-बिस्तर पर जाने से ठीक पहले रात के खाने के समय फल खाने से ऊर्जा का स्तर बढ़ सकता है। ऊर्जा बढ़ने से नींद नहीं आने की समस्या का सामना करना पड़ सकता है।

पेशाब की समस्या-फल पानी से भरपूर होते हैं, इसलिए अगर इन्हें रात समय खाया जाए तो ये नींद में खलल डाल सकते हैं। आपको कई बार वॉशरूम भागना पड़ सकता है।

किन फलों को भूलकर भी रात में नहीं खाना चाहिए?

केला-पोषक तत्वों से भरपूर केला शरीर को तुरंत एनर्जी देती है। लेकिन अगर आप यह फल रात में कहते हैं तो इससे सर्दी जुकाम की समस्या हो सकती है। साथ ही रात में केला खाने से पाचन की दिक्क्त हो सकती है।

संतरा-विटामिन-सी से भरपूर संतरा एक एसिडिट फ्रूट है जिसे सुबह खाली पेट और रात में सोने से पहले बिल्कुल भी नहीं खाना चाहिए। इसे रात में खाने से सर्दी खांसी की समस्या हो सकती है

नाशपाती- नाशपाती में चीनी की मात्रा बहुत अधिक होती है जो रात में रक्त शर्करा के स्तर को बढ़ा सकती है इसलिए, इसे खाने से बचना ही बेहतर है।

क्या है फल खाने का सही समय? =

फल खाने का सही समय नाश्ते के बाद होता है। सुबह का नाश्ता करने के बाद आप 11-1 के बीच में कोई भी फल खाएं। इससे आपकी सेहत को भी फायदा होगा। वहीं आयुर्वेद के अनुसार सुबह खाली पेट पपीता, सेब और केला जैसे फल खाने से पेट साफ़ होता है।

# सर्दियों में बढ़ने लगती है दिल की बीमारियां

**हार्ट को ब्लॉक होने से बचाने के लिए इन टिप्स को करें फॉलो**

इन दिनों देश दुनिया में हार्ट अटैक, स्ट्रोक के मामले बहुत तेजी से बढ़े हैं। पहले जहां हार्ट अटैक 50 की उम्र के बाद वालों को होता था वहीं, अब युवा उम्र में ही लोग इसकी गिरफ्त में आने लगे हैं। वहीं, सर्दियों के मौसम में दिल से जुड़ी बीमारियां तेजी से बढ़ती है। इसके पीछे खराब खनापन, एक्सरसाइज़ की कमी, जंक फूड का सेवन आपको इस बीमारी की तरफ एक कदम और आगे धकेलती है। यानी एक तरह से कहा जाए तो हार्ट अटैक के पीछे आपकी बिगड़ी हुई जीवनशैली है। ऐसे में अगर आप अपनी लाइफ स्टाइल में इन कुछ चीज़ों को शामिल कर लें तो आपका हार्ट हमेशा के लिए हेल्दी हो सकता है। आइए, जानते हैं हेल्दी हार्ट के लिए आपको अपने लाइफ स्टाइल में क्या बदलाव करने होंगे?

**हेल्दी हार्ट के लिए इन टिप्स को करें फॉलो-**

वॉक करें- सबसे पहले अपनी जीवनशैली में वॉक को शामिल करें। अगर आप हेवी या इंटेस वर्कआउट नहीं करते हैं तो भी कोई बात नहीं। लेकिन अगर आप दिनभर में कम से कम 8 से 9 हज़ार स्टेप नहीं चलते हैं तो इससे दिल की सेहत खराब हो सकती है। वहीं, नियमित चलने से न केवल वजन कम होता है बल्कि हृदय रोग, स्ट्रोक, रक्तचाप और डायबिटीज भी कंट्रोल होता है।

वजन को रखें मेंटेन-मोटापा एक दो नहीं बल्कि सौ बीमारियों का घर है। मोटापे से डायबिटीज, ब्लड प्रेशर जैसी गंभीर बीमारियां भी आपके शरीर पर धावा बोलती हैं। इसलिए वजन मेंटेन होना बहुत ज़रूरी है। खासकर, आजकल जिस तरह से बच्चों का वजन बढ़ रहा है उससे इस बात का डर है कि आगे चलकर वो इन गंभीर समस्याओं की चपेट में न आएं।

प्रोसेस्ड फ़ूड से करें तौबा- आप जितना बाहर का खाना खाएंगे दिल की सेहत उतनी ही खराब होते जाएगी। तले हुए खाद्य पदार्थ, सॉसेज, मक्खन और केक जैसे वसा वाले फूड्स एलडीएल कोलेस्ट्रॉल के स्तर को तेजी से बढ़ाते हैं जिससे दिल की सेहत पर बुरा प्रभाव पड़ता है।

ब्रेक पर जाएं-हमेशा अपने आप को काम में व्यस्त न रखें। छुट्टियां लें, घूमने जाएं और अपनी मन पसंद की चीजें करे। ऐसा करने से बैड कोलेस्ट्रॉल कम होता है और हार्ट हेल्दी बनता है।

# गुड़ की चाय रखेगी 3 खतरनाक बीमारियों को दूर

**सर्दियों में हम अक्सर कई बीमारियों से जूझते हैं, क्योंकि सर्द हवाएं हमारी सेहत पर नकारात्मक प्रभाव डालती हैं। इस मौसम में शरीर को स्वस्थ रखना चुनौतीपूर्ण हो सकता है, लेकिन कुछ विशेष डाइट टिप्स अपनाकर हम फिट रह सकते हैं। गुड़ की चाय एक बेहतरी ऑप्शन हो, जो न सिर्फ सेहत के लिए फायदेमंद है, बल्कि यह सर्दियों में शरीर को गर्म और ताजगी प्रदान करती है।**

गुड़ से बनी चीजें सर्दियों में विशेष रूप से फायदेमंद होती हैं। गुड़ शरीर को अंदर से गर्म रखता है और इसे विभिन्न रूपों में खाया जा सकता है। एक बेहद लाभकारी तरीका है गुड़ की चाय, जो सेहत के लिए कई फायदे प्रदान करती है। आइये गुड़ की चाय के फायदे और बनाने के तरीके के बारे में जानते हैं।

## पेट की समस्याओं से निजात

गुड़ की चाय पाचन में सुधार करती है। इसमें एंटीऑक्सीडेंट गुण होते हैं जो पाचन तंत्र को स्वस्थ रखने में मदद करते हैं। अगर आपको पाचन से संबंधित समस्याएं हैं, तो गुड़ की चाय एक प्राकृतिक उपाय हो सकती है। यह चाय रोजाना सुबह पीने से पेट की समस्याओं से निजात मिल सकती है।

## इम्यून सिस्टम होगा मजबूत

गुड़ में कई आवश्यक पोषक तत्व होते हैं, जैसे कैल्शियम, पोटैशियम, आयरन, और विटामिन-बी। ये पोषक तत्व शरीर के इम्यून सिस्टम को मजबूत बनाते हैं। सर्दियों में शरीर को सही पोषण देने के लिए गुड़ की चाय एक बेहतरीन विकल्प है। इससे रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है और सर्दी-जुकाम जैसी बीमारियों से बचाव होता है।

## गुड़ की चाय बनाने का तरीका

अगर आप इस चाय को रोजाना सुबह पीते हैं, तो आपकी सेहत को लंबे समय तक फायदा हो सकता है। गुड़ की चाय को तैयार करने के लिए आपको पानी, दूध, चाय पत्तियां, अदरक, हरी इलायची और गुड़ की आवश्यकता होगी। एक कप पानी में अदरक, इलायची और गुड़ डालकर उबालें, फिर इसमें चाय पत्तियां डालकर पकाएं। दूध डालकर उबालें और चाय तैयार करें।

# सैकड़ों बीमारियों की दवा है शहद, गलत तरीके से खा रहे लोग

**शहद, जब सही तरीके से उपयोग किया जाए, तो यह स्वास्थ्य के लिए बेहद फायदेमंद है। लेकिन इसे गलत चीज़ों के साथ मिलाने या गलत तरीके से उपयोग करने से नुकसान हो सकता है।**

शहद एक ऐसा फूड है जो तेसी होने के साथ-साथ सेहत को कई फायदे पहुंचाता है। आयुर्वेद में शहद को एक शक्तिशाली फूड माना गया है जिसके कई औषधीय गुण भी हैं। शहद में नेचुरल शुगर होती है। शहद के पोषक तत्वों की बात करें, तो यह विटामिन, मिनरल्स, एंटीऑक्सिडेंट्स, एंजाइम्स और अमीनो एसिड्स से भरा होता है। शहद खाने के फायदे अनगिनत हैं। इसके सेवन से इम्यूनिटी बढ़ती है, त्वचा में सुधार होता है, पाचन बेहतर बनता है, ऊर्जा देता है, वजन कंट्रोल रहता है, दिल को स्वस्थ करता है, दिल को स्वस्थ रखता है।

शहद खाने के यह फायदे आपको तभी मिल सकते हैं, जब आपका इसका सही तरीके से इस्तेमाल कर रहे हों। ध्यान रहे कि शहद को कुछ चीजों के साथ मिलाने से यह हानिकारक या विषाक्त हो सकता है, जिससे सेहत को कई गंभीर नुकसान हो सकते हैं।

## गर्म पानी में शहद मिलाना

अधिकतर लोग शहद को गर्म पानी के साथ मिलाकर पीते हैं। ध्यान रहे कि शहद को 140°F से अधिक गर्म करने पर हाइड्रॉक्सिमिथाइलफुरफुरल नामक विषाक्त पदार्थ उत्पन्न हो सकता है। आयुर्वेद के अनुसार, गर्म करने पर शहद के गुण बदल जाते हैं, जिससे यह पचने में कठिन और हानिकारक हो सकता है। शहद को हमेशा हल्के गुनगुने पानी या ठंडे होने के बाद पेय में डालें।

## शहद और घी बराबर मात्रा में लेना

आयुर्वेद के अनुसार, शहद और घी को समान मात्रा में मिलाना विषाक्त हो सकता है। शहद अमृत से बनता है, जबकि घी वसा है। शहद एक ठंडा करने वाला एजेंट है, जबकि घी गर्मी पैदा करता है। दोनों को मिलाने से क्लोस्ट्रीडियम बोटुलिनम नामक बैक्टीरिया निकलता है, जो विषाक्त पदार्थ पैदा करता है जिससे पेट दर्द, सांस की समस्या और यहां तक कि कैंसर जैसी स्वास्थ्य समस्याएं हो सकती हैं।

## शहद और किण्वित उत्पाद (जैसे शराब या खट्टा दही)

शहद और किण्वित चीजें जैसे खट्टा दही या शराब पाचन में असंतुलन और पेट की समस्याएं पैदा कर सकती हैं। शहद में नेचुरल शुगर होती है, जो इन उत्पादों के साथ मिलकर किण्वन को बढ़ा सकती है।

## शहद और रिफाइंड शुगर

बहुत से लोग शहद और चीनी का एक साथ सेवन करते हैं। ध्यान रहे कि रिफाइंड शुगर या मिठाई के साथ शहद का उपयोग करने से शरीर में अतिरिक्त चीनी जमा हो जाती है, जिससे मोटापा, दिल के रोग और डायबिटीज जैसी समस्याएं हो सकती हैं। इनके अलावा शहद को कभी मछली के साथ नहीं खाना चाहिए। यह पाचन तंत्र को प्रभावित कर विषाक्तता पैदा कर सकता है।

## शहद को मूली और प्याज

शहद और मूली का मेल शरीर में विषाक्तता उत्पन्न कर सकता है। यह पाचन तंत्र को नुकसान पहुंचा सकता है और सूजन जैसी समस्याएं पैदा कर सकता है। आयुर्वेद ग्रंथ भी मूली को शहद के साथ न मिलाने की सलाह देते हैं। इसी तरह शहद और प्याज को समान मात्रा में मिलाने से शरीर में गर्मी और असंतुलन हो सकता है।

## शहद और खट्टे फल

खट्टे फल (जैसे नींबू, संतरा) और गर्म शहद का संयोजन कुछ लोगों के पाचन तंत्र के लिए नुकसानदेह हो सकता है। यह पेट में जलन पैदा कर सकता है। हमेशा शुद्ध शहद का उपयोग करें, उबलते पानी, चाय, या दूध में शहद डालने से बचें। शहद को सूखे और ठंडे स्थान पर एयरटाइट कंटेनर में रखें और अधिक मात्रा में सेवन हानिकारक हो सकता है।

# फ्रेंच फ्राइज के दीवाने हैं और नियमित सेवन करते हैं तो खतरे में है आपकी सेहत

**फ्रेंच फ्राइज़ अपने स्वादिष्ट स्वाद के लिए जाने जाते हैं, लेकिन तेल में तले जाने, उच्च वसा सामग्री और मोटापा, मधुमेह, हृदय रोग और उच्च रक्तचाप जैसे संभावित स्वास्थ्य जोखिमों के विकास के कारण, खासकर जब ज़्यादा पकाया जाता है, तो ये आपके संपूर्ण स्वास्थ्य पर महत्वपूर्ण प्रभाव डाल सकते हैं।**

फ्रेंच फाइज.. यह नाम सुनते ही मुंह में पानी आ जाता है। बहरहाल, यह खबर उनके लिए है, जो नियमित रूप से फ्रेंच फाइज खाना पसंद करते हैं। क्या आपने कभी सोचा है कि ये स्वादिष्ट फाइज आपके स्वास्थ्य को आंतरिक रूप से कैसे प्रभावित कर रहे हैं? नियमित रूप से फ्रेंच फाइज का सेवन आपके शरीर को काफी नुकसान पहुंचा सकता है। ये फाइज आम तौर पर तेल में डीप फ्राई किए जाते हैं, जिससे इनमें अस्वास्थ्यकर वसा और कैलोरी की मात्रा अधिक होती है। इसके कारण वजन बढ़ता है। साथ ही ये मधुमेह, हृदय रोग और उच्च रक्तचाप के खतरे को बढ़ाते हैं।

इसके अलावा, तलने की प्रक्रिया में एक्रिलामाइड जैसे हानिकारक यौगिक उत्पन्न होते हैं, खासकर जब फाइज को ज्यादा पकाया जाता है। इनसे दीर्घकालिक स्वास्थ्य जोखिम पैदा होते हैं। यहां हम कुछ कारण बताने जा रहे हैं कि आपको नियमित रूप से बहुत अधिक फ्रेंच फाइज खाने से क्यों बचना चाहिए।

## खराब कोलेस्ट्रॉल का स्तर बढ़ता है

फ्रेंच फाइज़ हाइड्रोजनीकृत तेल में तले जाते हैं, जिसमें ट्रांस वसा की उच्च मात्रा होती है। यह न केवल आपके खराब कोलेस्ट्रॉल (एलडीएल) के स्तर को बढ़ाता है बल्कि आपके अच्छे कोलेस्ट्रॉल (एचडीएल) के स्तर को भी कम करता है, जिससे हृदय स्वास्थ्य के लिए गंभीर खतरा पैदा होता है।

## आंतों के लिए नुकसान दायक

फ्रेंच फाइज़ की उच्च वसा सामग्री और चिकनाई आपके आंत माइक्रोबायोम को नुकसान पहुंचा सकती है, स्वस्थ बैक्टीरिया को कम करते हुए अस्वस्थ बैक्टीरिया के विकास को बढ़ावा देकर, आपके पाचन तंत्र पर नकारात्मक प्रभाव डालती है।

## वजन बढ़ने का कारण बनता है

फ्रेंच फाइज़ में कैलोरी की मात्रा अधिक होती है, जिससे वे कैलोरी बम बन जाते हैं। नियमित सेवन सीधे तौर पर उनकी उच्च ऊर्जा सामग्री के कारण आसान और तेजी से वजन बढ़ने से जुड़ा है।

## हृदय रोग का खतरा बढ़ाता है

फ्रेंच फाइज़ वसा और नमक से भरे होते हैं, जो उच्च रक्तचाप, मोटापे और मधुमेह के उच्च जोखिम में योगदान करते हैं—ऐसे कारक जो हृदय रोगों की संभावना को काफी बढ़ा देते हैं।

## कैंसर का खतरा अधिक

कुछ लोगों को पता है कि फ्रेंच फाइज़ में उच्च ग्लाइसेमिक इंडेक्स होता है, जिससे रक्त शर्करा के स्तर में तेजी से वृद्धि होती है। समय के साथ, तलने की प्रक्रिया के दौरान हानिकारक यौगिकों के बनने के कारण, इससे कुछ कैंसर के बढ़ते जोखिम सहित स्वास्थ्य समस्याएं हो सकती हैं।

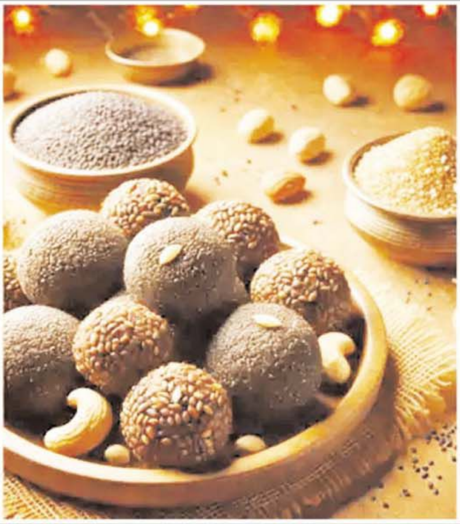

# नसों में खून, हड्डियों में कैल्शियम भर सकते हैं रागी के लड्डू

**सर्दियों में शरीर को गर्म, ताकतवर और इम्यूनिटी बूस्ट करने के लिए आप रागी के लड्डू खा सकते हैं, रागी में कैल्शियम और अन्य पोषक तत्व अच्छी मात्रा में पाए जाते हैं, जो शरीर के बेहतर कामकाज के लिए जरूरी हैं।**

सर्दियों का मौसम जारी है और आगे भी कड़ाके की ठंड पड़ने वाली है। इन दिनों इम्यून सिस्टम कमजोर होने से बीमारियों का ज्यादा खतरा होता है। दूसरा इन दिनों पर्याप्त धूप नहीं मिलने से हड्डियों को विटामिन ठ नहीं मिल पाता है। सर्दी में बढ़ते प्रदूषण से छाती और सांस की नाली में गंदगी जमने लगती है, जिसे साफ करना जरूरी है। कमजोर इम्यूनिटी, ठंड की बीमारियां, प्रदूषण आदि से आपके शरीर में कमजोरी और थकान पैदा हो सकती है। सर्दियों में शरीर में जान भरने और इम्यूनिटी मजबूत बनाने के लिए आप रागी लड्डू अपनी डाइट में शामिल कर सकते हैं। राही का लड्डू कैल्शियम, फाइबर और आयरन आदि पोषक तत्वों से भरपूर होता है। यह शरीर को ताकत देता है, गर्म रखता है, इम्यूनिटी मजबूत करता है और सर्दियों की बीमारियों से बचाता है।

## जरूरी सामग्री

- 1 कप रागी आटा
- ¾ कप गुड़
- ¼ कप घी
- ¼ कप कद्दूकस किया नारियल
- ½ चम्मच इलायची पाउडर
- थोड़े भुने हुए नट्स बादाम, काजू, या किशमिश, बारीक कटे हुए

## बनाने की विधि

- धीमी आंच पर एक पैन में रागी आटे को खुशबू आने तक भूनें। जलने से बचाने के लिए लगातार चलाते रहें।
- एक अलग पैन में 2-3 चम्मच पानी के साथ गुड़ को पिघलाएं।
- भुने हुए रागी आटे में पिघला हुआ गुड़ डालें और अच्छी तरह मिलाएं।
- इसमें नारियल, इलायची पाउडर और भुने हुए मेवे डालें।
- गर्म घी को धीरे-धीरे मिश्रण में डालें और इसे अच्छी तरह मिलाएं ताकि यह बंधने लगे।
- मिश्रण गर्म रहते हुए इसे हाथों से छोटे-छोटे गोले का आकार दें
- लड्डू को पूरी तरह ठंडा होने दें और फिर एक एयरटाइट डिब्बे में रखें। यह 10 दिनों तक ताजा रहता है।

## हड्डियों को मिलेगी मजबूती

रागी कैल्शियम का सबसे अच्छा स्रोत है, जो हड्डियों और दांतों को मजबूत बनाता है। नियमित सेवन से ऑस्टियोपोरोसिस को रोका जा सकता है और बच्चों व बुजुर्गों की हड्डियों का विकास बेहतर होता है।

## दिल को स्वस्थ रखने में सहायक

रागी में मैग्नीशियम और पोटैशियम जैसे तत्व होते हैं, जो ब्लड प्रेशर कंट्रोल करते हैं, खराब कोलेस्ट्रॉल को कम करते हैं और दिल को स्वस्थ रखते हैं। यह लड्डू सर्दियों में सर्दी-खांसी और संक्रमण से बचाव करते हैं।

## पाचन में होता है सुधार

रागी में फाइबर की मात्रा अधिक होती है, जो कब्ज को रोकता है और पाचन तंत्र को स्वस्थ रखता है। रागी आयरन से भरपूर होता है, जो हीमोग्लोबिन बढ़ाने और एनीमिया को रोकने में मदद करता है। गुड़ के साथ मिलाने पर इसका आयरन कंटेंट और भी बढ़ जाता है।

## वजन और ब्लड शुगर कंट्रोल करने में सहायक

रागी में फाइबर अधिक होने के कारण यह पेट को लंबे समय तक भरा रखता है, जिससे भूख कम लगती है और वजन कंट्रोल रहता है। रागी का ग्लाइसेमिक इंडेक्स कम होता है, जो ब्लड शुगर को कंट्रोल करता है।

# साउथ कोरिया में रक्षा मंत्री का इस्तीफा

## मार्शल लॉ लगाने की जिम्मेदारी ली, कहा- मैंने संसद में सेना भेजी; देश में नया डिफेंस मिनिस्टर नियुक्त

**सियोल, एजेंसी।** साउथ कोरिया में मार्शल लॉ को लेकर हो रहे विवाद के बीच रक्षा मंत्री किम योंग-ह्यून ने गुरुवार को अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। कोरियाई न्यूज एजेंसी योनहाप के मुताबिक किम योंग ने कहा कि वे देश में हुई भारी उथल-पुथल की जिम्मेदारी ले रहे हैं। राष्ट्रपति कार्यालय ने कहा कि राष्ट्रपति यून सुक योल ने रक्षा मंत्री का इस्तीफा स्वीकार कर लिया है। रक्षामंत्री किम की सलाह पर ही राष्ट्रपति ने मार्शल लॉ लगाने की घोषणा की थी। गुरुवार को मीडिया ब्रीफिंग में उप-रक्षा मंत्री ने इसकी पुष्टि की। उन्होंने कहा कि किम योंग के आदेश पर ही सेना संसद में घुसी थी। उप-रक्षा मंत्री ने यह भी कहा उन्हें मार्शल लॉ के बारे में कुछ भी नहीं पता था। इसकी जानकारी उन्हें टीवी पर मिली। वे इस बात से दुखी हैं कि उन्हें कुछ पता नहीं था और इस वजह से सही समय पर इस घटना को रोक नहीं सके। किम योंग की जगह अब चोई ब्युंग-ह्यूक को साउथ कोरिया का नया रक्षा मंत्री बनाया गया है। वे सेना में फोर स्टार जनरल रह चुके हैं और फिलहाल सऊदी अरब में साउथ कोरिया के राजदूत के पद पर हैं।

**चुंगम गुट क्या है जिस पर मार्शल लॉ की साजिश रचने के आरोप लग रहा:** विपक्षी पार्टी के सांसद किम मिन सोक ने आरोप लगाया है कि देश में मार्शल लॉ लगाने के पीछे 'चुंगम गुट' का हाथ है। चुंगम राजधानी सियोल में एक हाई स्कूल है जहां से राष्ट्रपति और उनके दोस्तों ने पढ़ाई की है। राष्ट्रपति बनने के बाद यून ने अपने दोस्तों को अहम पदों पर नियुक्त कर दिया। इन सभी के पास मार्शल लॉ लागू करने को लेकर कई अधिकार थे और ये कई महीने से इसकी तैयारी कर रहे थे। रक्षा मंत्री किम भी चुंगम से ही पढ़ चुके हैं और राष्ट्रपति के पुराने दोस्त हैं। रिपोर्ट के मुताबिक राष्ट्रपति ने मार्शल लॉ लगाने से 3 घंटे पहले एक कैबिनेट मीटिंग बुलाई थी जिसमें उनके अलावा 4 लोग शामिल थे। प्रधानमंत्री के अलावा, वित्त और विदेश मंत्री ने मार्शल लॉ लगाए जाने का विरोध किया था। हालांकि राष्ट्रपति ने उनकी सलाह को नजरअंदाज कर दिया। एक पुलिस अधिकारी ने रॉयटर्स को बताया कि मार्शल लॉ लगाने से चार घंटे पहले उन्हें राष्ट्रपति कार्यालय से नेशनल पुलिस चीफ को मैसेज मिला था और उन्हें स्टैंडबाय पर रहने को कहा गया था।

**राष्ट्रपति योल को मार्शल लॉ लगाने की जरूरत क्यों पड़ी?:** दक्षिण कोरिया की संसद में कुल 300 सीटें हैं। इस साल की शुरुआत में हुए चुनाव में जनता ने विपक्षी पार्टी डीपीके को भारी जनादेश दिया था। सत्ताधारी पीपल पावर को सिर्फ 108 सीटें मिलीं, जबकि विपक्षी पार्टी डीपीके को 170 सीटें मिलीं। बहुमत में होने की वजह से विपक्षी डीपीके, राष्ट्रपति सरकार के कामकाज में ज्यादा दखल दे रही थी, और वे अपने एजेंडे के मुताबिक काम नहीं कर पा रहे थे। राष्ट्रपति योल ने 2022 में मामूली अंतर से चुनाव जीता था। इसके बाद से उनकी लोकप्रियता घटती चली गई। उनकी पत्नी के कई विवादों में फंसने की वजह से भी उनकी इमेज पर असर पड़ा। फिलहाल राष्ट्रपति की लोकप्रियता 17 प्रतिशत के करीब है, जो कि देश के तमाम राष्ट्रपतियों में सबसे कम है। इन सबसे निपटने के लिए राष्ट्रपति ने मार्शल लॉ लगा दिया। उन्होंने डीपीके पर उत्तर कोरिया के साथ सहानुभूति रखने और राष्ट्र विरोधी गतिविधियों में शामिल होने का आरोप लगाया।

**पत्नी की वजह से राष्ट्रपति की छवि को नुकसान हुआ:** पत्नी और फर्स्ट लेडी किम कियोन के एक लग्जरी ब्रैंड का बैग गिफ्ट लेने की वजह से राष्ट्रपति की साख में बट्टा लग गया। दरअसल इस साल की शुरुआत में एक यूट्यूबर ने वीडियो लीक कर दिया जिसमें राष्ट्रपति की पत्नी को एक पादरी से महंगा गिफ्ट लेते हुए दिख रही थी। इस वीडियो को स्पाई कैमरा से फिल्माया गया था। यह बैग क्रिस्टियन डायर कंपनी का था जिसकी कीमत 2 लाख भारतीय रुपए बताई जाती है। इतना महंगा गिफ्ट लेने पर देश में उनकी आलोचना होने लगी। साउथ कोरिया में किसी भी सार्वजनिक पद पर बैठे शख्स (परिवार भी शामिल) के लिए 1 मिलियन कोरियन वॉन (60 हजार रुपए) से ज्यादा का गिफ्ट लेना गैरकानूनी है। राष्ट्रपति की पत्नी का विवादों से पुराना नाता राष्ट्रपति की पत्नी का विवादों से पुराना नाता रहा है। 2021 में उन पर प्रोफेशनल रिकॉर्ड को लेकर झूठ बोलने और पीएचडी थीसिस में नकल के आरोप लगे थे। फर्स्ट लेडी पर करीब 13 साल पहले स्टॉक कीमतों में हेरफेर के भी आरोप लगे।

**राष्ट्रपति के खिलाफ महाभियोग चलेगा?:** साउथ कोरिया में विपक्षी दलों ने मिलकर बुधवार को राष्ट्रपति के खिलाफ महाभियोग की प्रक्रिया शुरू कर दी है। विपक्षी दलों के पास कुल 192 सांसद हैं। 300 सीटों वाले कोरियाई संसद में महाभियोग चलाने के लिए दो-तिहाई यानी कि 200 सांसदों की जरूरत होती है। ऐसे में जबतक सत्ताधारी पार्टी के सांसद राष्ट्रपति के खिलाफ वोटिंग नहीं करेंगे तब तक महाभियोग लाना मुश्किल है। सत्ताधारी पीपुल्स पार्टी ने राष्ट्रपति को हटाने के लिए विपक्ष का समर्थन करने से इनकार कर दिया है।

### संक्षिप्त समाचार

## ट्रंप ने नासा प्रमुख के रूप में जेरेड इसाकमैन को नामित किया

**वाशिंगटन, एजेंसी।** अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप लगातार अपने फैसलों से सभी को हैरान कर रहे हैं। ट्रंप ने अपनी कैबिनेट में भी कई ऐसे लोगों को शामिल किया, जिनके नाम सुनकर सब चौंक गए। अब ट्रंप ने ऐसा ही एक बड़ा फैसला लेते हुए टेक अरबपति जेरेड इसाकमैन को नेशनल एरोनॉटिक्स एंड स्पेस एडमिनिस्ट्रेशन चीफ नियुक्त किया है। इसाकमैन का दिग्गज कारोबारी और स्पेसएक्स के मालिक एलन मस्क से भी खास नाता है। दरअसल, इसाकमैन स्पेसएक्स के सहयोग से ही अंतरिक्ष में स्पेसवॉक करने वाले पहले निजी अंतरिक्षयात्री बने थे। ट्रंप ने एक्स पर कहा, मैं एक कुशल बिजनेस लीडर, परोपकारी, पायलट और अंतरिक्ष यात्री जेरेड इसाकमैन को नासा चीफ के रूप में नामित करते हुए प्रसन्न हूं। जेरेड नासा के खोज और प्रेरणा के मिशन को आगे बढ़ाएंगे, जिससे अंतरिक्ष विज्ञान, प्रौद्योगिकी और अन्वेषण में अभूतपूर्व उपलब्धियां मिलेंगी। ट्रंप ने कहा कि इसाकमैन ने एक दशक से अधिक समय तक रक्षा एयरोस्पेस कंपनी ड्रेकन इंटरनेशनल के सह-संस्थापक और सीईओ के रूप में काम किया, जिससे अमेरिकी रक्षा विभाग और हमारे सहयोगियों को सहायता मिली। नासा चीफ के लिए नामित होने के बाद इसाकमैन का भी बयान सामने आया है। उन्होंने कहा कि वो इस जिम्मेदारी से सम्मानित महसूस कर रहे हैं।

## चीन के खिलाफ ट्रंप की व्यापार नीतियों का भारत को मिलेगा लाभ, निर्यात बढ़ाने का प्लान तैयार

**वाशिंगटन, एजेंसी।** अमेरिका के नए चुने गए डोनाल्ड ट्रंप की चीन के खिलाफ व्यापार शुल्क बढ़ाने की नीतियों ने भारत के लिए अपने निर्यात बढ़ाने का एक महत्वपूर्ण अवसर पैदा किया है। भारत सरकार ने इलेक्ट्रॉनिक्स, फार्मास्युटिकल्स, टेक्सटाइल्स, ऑटो पार्ट्स और केमिकल्स जैसे क्षेत्रों को प्राथमिकता देते हुए इन क्षेत्रों में निर्यात बढ़ाने की योजना बनाई है। भारत, ट्रंप की नीतियों से पैदा हुए इस अवसर को भुनाने के लिए नीति-निर्माण और उद्योगों को प्रोत्साहन देने की दिशा में तेजी से काम कर रहा है। आने वाले महीनों में इस दिशा में और कदम उठाए जाने की उम्मीद है। ट्रंप ने चीन से आयातित उत्पादों पर 10-20त्न तक सामान्य शुल्क बढ़ाने और कुछ उत्पादों पर 60त्न तक शुल्क लगाने की योजना बनाई थी। इससे अमेरिकी बाजार में भारतीय उत्पादों की प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ सकती है। हालांकि, स्टील जैसे क्षेत्रों में अमेरिकी संरक्षणवादी नीतियों के कारण भारत को फायदा नहीं होगा। भारत सरकार ने उत्पाद-वार विश्लेषण शुरू कर दिया है। अधिकारियों का कहना है कि भारत को इन क्षेत्रों में अपनी प्रतिस्पर्धात्मकता को बेहतर बनाने के लिए तेजी से कदम उठाने होंगे। नीति आयोग के सीईओ बीवीआर सुब्रह्मण्यम ने कहा, ट्रंप की व्यापार नीतियों से अमेरिका में बड़ा व्यापारिक बदलाव होगा, और अगर भारत सही तैयारी करे, तो यह हमारे लिए आर्थिक उछाल का कारण बन सकता है। सरकार चीन की प्रतिक्रिया, जैसे युआन का अवमूल्यन, पर नजर रख रही है ताकि अपनी व्यापार रणनीति को उसी अनुसार तैयार किया जा सके। हालांकि ट्रंप ने भारत को हाई टैरिफ नेशन कहा था, लेकिन उनका ध्यान उन देशों पर है जिनके साथ अमेरिका का व्यापार घाटा अधिक है। भारत इन शीर्ष देशों में शामिल नहीं है, जिससे भारत के लिए राहत की स्थिति है।

# मोहम्मद यूनुस बोले- शेख हसीना ने देश बर्बाद किया, फिलहाल चुनाव कराने से इनकार

**ढाका, एजेंसी।** बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के चीफ एडवाइजर मोहम्मद यूनुस ने पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना पर देश में सब कुछ बर्बाद करने का आरोप लगाया। यूनुस ने कहा कि हसीना ने 15 साल के कार्यकाल में देश के सरकारी तंत्र को पूरी तरह से नष्ट कर दिया। हमारे ऊपर लोकतंत्र, आर्थिक स्थिरता और जनता के विश्वास को बहाल करके इसे फिर से खड़ा करने की बड़ी जिम्मेदारी है। यह बात उन्होंने जापान के अखबार निक्की एशिया को दिए इंटरव्यू में कही।

यूनुस ने फिलहाल बांग्लादेश में चुनाव की संभावनाओं से इनकार कर दिया है। उन्होंने कहा कि हम हसीना पर ट्रायल पूरा होने के बाद भारत से उनके प्रत्यर्पण के लिए आधिकारिक तौर पर मांग करेंगे। पूर्व प्रधानमंत्री हसीना बांग्लादेश में तख्तापलट के बाद निर्वासित जीवन व्यतीत कर रही हैं।

**संविधान और न्यायपालिका में बदलाव के बाद चुनाव:** यूनुस ने आरोप लगाया कि हसीना के शासन काल में लोकतांत्रिक सिद्धांतों की पूरी तरह से अनदेखा किया गया। हसीना ने तीन लगातार कार्यकाल में वोटर्स की भागीदारी के बिना नकली चुनाव कराए। उन्होंने खुद को और अपनी पार्टी को बिना किसी लड़ाई के जीता हुआ घोषित किया।

संविधान और न्यायपालिका में बदलाव के बाद ही देश में चुनाव कराए जाएंगे। हमें देश में चुनाव से पहले प्रशासन, ब्यूरोक्रेसी और न्यायपालिका में सुधार करने की जरूरत है। अंतरिम सरकार ने देश के संविधान, न्यायपालिका और चुनावी प्रक्रिया में बदलाव के लिए कई आयोगों का गठन किया है। इन आयोगों से मिलने वाली सिफारिशों को जनवरी से फुल स्केल पर लागू किया जाएगा। इन सिफारशों को लागू करने में वक्त लग सकता है। हम पूरी तरह से एक नया बांग्लादेश बना रहे हैं। हम हसीना का ट्रायल पूरा होने के बाद भारत से उनके प्रत्यर्पण के लिए आधिकारिक तौर पर मांग करेंगे। भारत और बांग्लादेश ने एक अंतरराष्ट्रीय कानून साइन किया, जिसके मुताबिक भारत को बांग्लादेश की मांग माननी होगी। इसके अलावा यूनुस ने बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे हमले को लेकर भारत सरकार की चिंताओं को आधारहीन और प्रोपेगेंडा बताया है। बांग्लादेश ने मंगलवार को ही भारत के हाईकमीशन को त्रिपुरा में बांग्लादेशी मिशन पर हुए हमले के बाद समन किया था।

## अफगानिस्तान में एड्स के 200 नए मामलों की पुष्टि

**काबुल, एजेंसी।** अफगानिस्तान के सार्वजनिक स्वास्थ्य मंत्रालय ने इस साल नागरिकों में एक्वायर्ड इम्यूनो डिफिशिएंसी सिंड्रोम (एड्स)/एचआईवी के 200 नए मामले दर्ज किए हैं। समाचार एजेंसी शिन्हुआ के अनुसार, सरकारी समाचार एजेंसी बख्तर ने मंत्रालय के हवाले से बताया है कि अफगानिस्तान में एचआईवी/एड्स के लिए आठ उपचार केंद्र और 61 डायग्नोस्टिक सेंटर सक्रिय हैं तथा पूरे देश में एचआईवी/एड्स से पीड़ित व्यक्तियों को स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान की जा रही हैं। मंत्रालय के प्रवक्ता शराफत जमान अमरखेल के अनुसार, 1989 से अब तक अफगानिस्तान में एचआईवी के कुल 3,700 मामले सामने आए हैं। फिलहाल, पूरे देश में इस वायरस से संक्रमित 1,400 लोग उपचार प्राप्त कर रहे हैं। हाल ही में एचआईवी/एड्स पर संयुक्त राष्ट्र कार्यक्रम (यूएनएड्स) के आंकड़ों से पता चला है कि साल 2023 में दुनिया भर में लगभग 3.99 करोड़ लोग एचआईवी से संक्रमित थे, जबकि इसी अवधि के दौरान एड्स से संबंधित बीमारियों के कारण 6,30,000 लोगों की जान चली गई। विश्व स्वास्थ्य संगठन के 2023 के आंकडों पर नजर डालें तो पिछले साल अफगानिस्तान की एक प्रतिशत आबादी एचआईवी/एड्स से प्रभावित थी। मंत्रालय ने बताया था कि संक्रामक नियंत्रण कार्यक्रम के माध्यम से 3,492 व्यक्तियों की सहायता की गई । साल 1998 से हर साल 1 दिसंबर को विश्व एड्स दिवस के रूप में मनाया जाता है।

## जेल में बंद ईरान की नोबेल विजेता नरगिस मोहम्मदी रिहा

**तेहरान, एजेंसी।** जेल में बंद ईरान की नोबेल विजेता महिला अधिकार कार्यकर्ता और पत्रकार नरगिस मोहम्मदी को 3 हफ्ते के लिए जमानत पर रिहा किया गया है। नरगिस नवंबर 2021 से जेल में बंद हैं। उन्हें ईरान की सरकार ने मृत्युदंड और हिजाब के खिलाफ अभियान चलाने के लिए गिरफ्तार किया था। नरगिस को 2023 में महिलाओं की आजादी और उनके हक की आवाज उठाने के लिए नोबेल का पीस प्राइज दिया गया था। नरगिस की रिहाई की जानकारी उनके वकील मुस्तफा नीली ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर दी है। पोस्ट में बताया गया है कि डॉक्टर्स की सलाह पर सरकार ने नरगिस की सजा को 3 हफ्ते के लिए निलंबित कर दिया है। साथ ही उन्हें रिहा भी कर दिया गया है। नरगिस की सिर्फ 3 हफ्ते की रिहाई पर उनके परिवार वालों और समर्थकों ने नाराजगी जताई है। नरगिस के परिवार ने कम से कम 3 महीने की रिहाई की मांग की है।

**52 साल की नरगिस को 31 साल की सजा:** 52 साल की नरगिस को ईरान की इवान जेल में कैद रखा गया था। उन्हें 31 साल की जेल और 154 कोड़ों की सजा सुनाई थी। 2023 में नॉर्वे की राजधानी ओस्लो में नरगिस का परिवारजन उनका नोबेल प्राइज लेने पहुंचे थे। इसके बाद ईरान की सरकार ने नरगिस को 15 महीने की अतिरिक्त सजा सुनाई थी। नरगिस का जन्म कुर्दिस्तान ईरान के जंजन शहर में 21 अप्रैल 1972 में हुआ। उन्होंने फिजिक्स की पढ़ाई की थी। पढ़ाई पूरी करने के बाद उन्होंने इंजीनियर के तौर पर काम किया। वो कॉलमनिस्ट भी रहीं। कई अखबारों के लिए लिखती थीं। 1990 के दशक से ही नरगिस महिलाओं के हक के लिए आवाज उठा रही थीं। 2003 में उन्होंने तेहरान के डिफेंडर्स ऑफ ह्यूमन राइट सेंटर में काम शुरू किया। नोबेल प्राइज की वेबसाइट के मुताबिक, नरगिस मोहम्मदी को जेल में बंद कार्यकर्ताओं और उनके परिवारों की सहायता करने की कोशिश करने के आरोप में पहली बार 2011 में जेल हुई थी।

**8 साल से बच्चों से नहीं मिलीं नरगिस:** पिछले साल जून में न्यूयॉर्क टाइम्स को दिए एक इंटरव्यू में नरगिस ने कहा था कि उन्होंने 8 साल से अपने बच्चों को नहीं देखा है। उन्होंने आखिरी बार अपनी जुड़वा बेटियों अली और कियाना की आवाज एक साल पहले सुनी थी। नरगिस की दोनों बेटियां उनके पति तागी रहमानी के साथ फ्रांस में रहती हैं। दरअसल, तागी भी एक पॉलिटिकल एक्टिविस्ट हैं। जिन्हें ईरान की सरकार ने 14 साल जेल की सजा दी थी। नरगिस ने एक किताब भी लिखी है, जिसका नाम व्हाइट टॉर्चर है। ईरानी हुकूमत की तमाम कोशिशों के बावजूद, मोहम्मदी की आवाज दबाई नहीं जा सकी। जेल में रहते हुए उन्होंने साथी कैदियों की तकलीफ को दर्ज करना शुरू किया। आखिरकार कैदियों से बातचीत के पूरे ब्योरे को उन्होंने व्हाइट टॉर्चर किताब में उतार दिया।

## अमेरिकी इंश्योरेंस कंपनी के सीईओ की गोली मारकर हत्या

### न्यूयॉर्क में होटेल के बाहर शूट किया; इन्वेस्टर कॉन्फ्रेंस में शामिल होने पहुंचे थे

**न्यूयॉर्क, एजेंसी।** अमेरिकी कंपनी यूनाइटेड हेल्थकेयर की इंश्योरेंस यूनिट के सीईओ ब्रैन थॉम्पसन की बुधवार सुबह (स्थानीय समयानुसार) न्यूयॉर्क में गोली मारकर हत्या कर दी गई। थॉम्पसन को न्यूयॉर्क के हिलटन होटेल के सामने हमलावर ने शूट किया है। न्यूज पोर्टल ब्लूमबर्ग ने पुलिस अधिकारियों के हवाले से लिखा है कि थॉम्पसन को सीने में गोलियां मारी गई थीं। थॉम्पसन बुधवार को कंपनी की इन्वेस्टर डे कॉन्फ्रेंस में हिस्सा लेने के लिए होटेल पहुंचे थे। कंपनी ने बताया कि उनके एक कर्मचारी की मेडिकल कंडीशन की वजह से कॉन्फ्रेंस को समय से पहले खत्म कर दिया गया है। न्यूयॉर्क पोस्ट की खबर के मुताबिक एक नकाबपोश व्यक्ति ने थॉम्पसन पर गोलिया चलाई थीं। गोली लगने के बाद थॉम्पसन को माउंट सिनाई अस्पताल ले जाया गया था, जहां उन्हें मृत घोषित कर दिया गया।

**थॉम्पसन को टारगेट कर निशाना बनाया:** न्यूयॉर्क पोस्ट ने प्रत्यदर्शियों के हवाले से बताया है कि हमलावर काफी देर घटना वाली जगह पर घूम रहा था। जैसे ही थॉम्पसन होटेल के बाहर पहुंचे, उसने गोलियां चलानी शुरू कर दी थी। गोली चलाने के बाद हमलावर मौके से फरार हो गया। फिलहाल पुलिस हमलावर की तलाश में है। पुलिस ने मामले में अब तक कोई गिरफ्तारी नहीं की है। पुलिस बताया है कि हमलावर एक श्वेत व्यक्ति था। उसने क्रीम कलर की जैकेट, ब्लैक फेस मास्क और ब्लैक एंड व्हाइट स्नीकर्स पहने हुए थे। हमले में मारे गए ब्राइन थॉम्पसन पिछले 20 वर्षों से यूनाइटेडहेल्थ में काम कर रहे थे। उन्हें 2021 में कंपनी का सीईओ बनाया गया था।

# फ्रांस में 3 महीने में गिरी पीएम बार्नियर की सरकार

## पहली बार किसी पीएम को अविश्वास प्रस्ताव से हटाया गया, राष्ट्रपति मैक्रों को इस्तीफा सौपेंगे

**पेरिस, एजेंसी।** फ्रांस में 3 महीने पहले बनी क्क्रू मिशेल बार्नियर की सरकार बुधवार को गिर गई। फ्रांस की संसद में पीएम बार्नियर की सरकार के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पास हो गया। अब उन्हें अपनी पूरी कैबिनेट के साथ राष्ट्रपति मैक्रों को इस्तीफा सौंपना पड़ेगा। फ्रांस के 62 साल के इतिहास में पहली बार हुआ है, जब संसद में अविश्वास प्रस्ताव के पास होने के कारण किसी प्रधानमंत्री को सत्ता गंवानी पड़ रही है।

संसद में वामपंथी एनएफपी गठबंधन की ओर से पेश अविश्वास प्रस्ताव के पक्ष में 331 वोट पड़े, जबकि प्रस्ताव के पास होने के लिए 288 वोट ही काफी थे। 3 महीने पहले ही अपॉइंट किए गए कंजर्वेटिव नेता बार्नियर गुरुवार को इस्तीफा दे सकते हैं। उन्हें फ्रांस के इतिहास में सबसे कम दिनों तक सरकार चलाने वाला प्रधानमंत्री माना जाएगा। बार्नियर ने अविश्वास प्रस्ताव से पहले अपने आखिरी भाषण में कहा था- फ्रांस और फ्रांसीसियों की सेवा करना मेरे लिए सम्मान की बात है।

**बार्नियर के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव क्यों:** फ्रांस की संसद का निचला सदन यानी नेशनल असेंबली में किसी भी एक पार्टी के पास बहुमत नहीं है। इसमें 3 पार्टियां हैं। मैक्रों का सेंट्रिस्ट अलायंस, वामपंथी गठबंधन न्यू पॉपुलर फ्रंट और दक्षिणपंथी पार्टी नेशनल रैली। वामपंथी न्यू पॉपुलर फ्रंट और दक्षिणपंथी नेशनल रैली फिलहाल विपक्ष में हैं। ये दोनों आम तौर पर एक-दूसरे के खिलाफ रहते हैं, लेकिन अविश्वास प्रस्ताव में दोनों पार्टियां साथ आ गई। हाल ही में बार्नियर ने नया बजट पेश किया था। इसमें उन्होंने टैक्स बढ़ाने का फैसला किया। फ्रांस में आम तौर पर बजट को नेशनल असेंबली में वोटिंग के बाद पास किया जा सकता है, लेकिन बार्नियर ने बजट को बिना वोटिंग के ही पास करवाया और लागू कर दिया। इसके विरोध में वामपंथी न्यू पॉपुलर फ्रंट और दक्षिणपंथी नेशनल रैली एकजुट हुए। उन्होंने बार्नियर के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाया, जो पास भी हो गया।

**मैक्रों को अब नया पीएम चुनना होगा:** फ्रांस के संविधान के मुताबिक, बार्नियर के इस्तीफे के बाद मैक्रों को एक नया पीएम नियुक्त करना होगा, क्योंकि फ्रांस में जुलाई 2024 में ही चुनाव हुए थे। ऐसे में जुलाई 2025 तक चुनाव नहीं हो सकते हैं। फिलहाल नेशनल असेंबली में किसी एक पार्टी को बहुमत नहीं है। इस कारण फ्रांस में राजनीतिक अस्थिरता और बढ़ सकती है।

**यूरोपियन यूनियन में ब्रेक्सिट के निगोशिएटर थे बार्नियर:** 73 साल के बार्नियर फ्रांस के अल्पाइन क्षेत्र हाउते-सावोई से आते हैं। वे यूरोपीय संघ से ब्रिटेन के अलग होने को लेकर चली बातचीत में मुख्य वार्ताकार यानी निगोशिएटर थे। बार्नियर पहली बार 27 साल की उम्र में सांसद बने थे, और बाद में उन्होंने विदेश मंत्री और कृषि मंत्री सहित कई फ्रांसीसी सरकारों में भूमिकाएं निभाईं। प्रधानमंत्री नियुक्त होने से पहले वे 15 साल तक फ्रांस की राजानीति से दूर थे। उन्होंने अपना अधिकांश समय ब्रुसेल्स में यूरोपीय संघ के मुख्यालय में बिताया है।

**फ्रांस में भारत की तरह 2 सदन:** भारत की तरह फ्रांस में भी संसद के 2 सदन हैं। संसद के उच्च सदन को सीनेट और निचले सदन को नेशनल असेंबली कहा जाता है। नेशनल असेंबली के मेंबर को आम जनता, जबकि सीनेट को सदस्यों को नेशनल असेंबली के सदस्य और अधिकारी मिलकर चुनते हैं। फ्रांस में राष्ट्रपति और नेशनल असेंबली के चुनाव अलग-अलग होते हैं। ऐसे में अगर किसी पार्टी के पास संसद में बहुमत नहीं है तो भी राष्ट्रपति चुनाव में उस पार्टी का लीडर जीत हासिल कर सकता है।

# मेगन स्कट ने उड़ाई भारत की नींद

## पांच विकेट से ऑस्ट्रेलिया ने दी हरमनप्रीत की टीम को मात

**ब्रिसबेन (एजेंसी)।** ऑस्ट्रेलिया ने भारत को पहले वनडे में पांच विकेट से हरा दिया। इस जीत के साथ मेजबानों ने तीन मैचों की वनडे सीरीज में 0-1 से बढ़त बना ली है। अब भारत की नजर दूसरे वनडे पर होगी, जो आठ दिसंबर को ब्रिसबेन में ही खेला जाएगा। बता दें कि, गुरुवार को खेले गए मुकाबले में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम ने 34.2 ओवर में 10 विकेट पर 100 रन बनाए। जवाब में ऑस्ट्रेलिया ने 16.2 ओवर में पांच विकेट पर 102 रन बनाए और 202 गेंदों के शेष रहते मैच अपने नाम कर लिया।

**ऑस्ट्रेलिया की पारी** - लक्ष्य का पीछा करने उतरी ऑस्ट्रेलिया की शुरुआत शानदार हुई। पहले विकेट के लिए फीबी लिचफील्ड और जॉर्जिया वॉल के बीच 48 रन की साझेदारी हुई। रेणुका सिंह ने सातवें ओवर में फीबी को अपना शिकार बनाया। वह 29 गेंदों में 35 रन बनाकर पवेलियन लौटीं। वहीं, दाएं हाथ की बल्लेबाज जॉर्जिया 46 रन बनाकर नाबाद रहीं। इन दोनों के अलावा मेजबान टीम की कोई भी बल्लेबाज दहाई का आंकड़ा भी नहीं छू पाई। एलिस पेरी एक, बेथ मूनी एक, एनाबेल सदरलैंड छह, एश्ले गार्डनर आठ और ताहलिया मैक्ग्रा ने चार रन बनाए। कप्तान मैक्ग्रा नाबाद रहीं। भारत के लिए रेणुका सिंह ने तीन और प्रिया मिश्रा ने दो विकेट चटकाए।

**भारत की पारी** - इस मैच में भारत का बल्लेबाजी क्रम कुछ खास प्रदर्शन नहीं कर पाया। टीम को शुरुआती झटके स्कट ने ही दिए। उन्होंने पहले स्मृति मंधाना (8) को बेथ मूनी के हाथों कैच कराया। इसके बाद सातवें ओवर में प्रिया पूनिया को एश्ले गार्डनर से कैच आउट कराया। वह सिर्फ तीन रन ही बना सकीं। इस मुकाबले में जेमिमा रोड्रिग्स ने भारत की तरफ से सर्वाधिक 23 रनों की पारी खेली। उनके अलावा हरलीन देओल ने 19 और कप्तान हरमनप्रीत कौर ने 17 रन बनाए। ऋचा घोष 14 रन बनाकर आउट हुईं। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दीप्ति शर्मा ने एक, साइमा ठाकोर ने चार, तितास साधु ने दो रन बनाए। वहीं, प्रिया मिश्रा अपना खाता भी नहीं खोल पाईं जबकि रेणुका बिना कोई रन बनाए नाबाद रहीं। मेजबानों के लिए स्कट ने पांच विकेट लिए जबकि किम गार्थ, एश्ले गार्डनर, एनाबेल सदरलैंड और एलाना किंग को एक-एक सफलता मिली।

# एडिलेड में भारत-आस्ट्रेलिया आज से दूसरा टेस्ट मैच

## पिंक बॉल से टेस्ट में बेहतर प्रदर्शन करने उतरेगा भारत

**एडिलेड (एजेंसी)।** पहले टेस्ट में बड़ी जीत से उत्साहित भारतीय टीम शुक्रवार से एडिलेड में दूसरे टेस्ट क्रिकेट मैच में अपना विजय अभियान जारी रखते हुए गुलाबी गेंद से अपने रिकॉर्ड में सुधार करने की कोशिश करेगी। इस मैच में कप्तान रोहित शर्मा के बल्लेबाजी क्रम पर भी निगाह टिकी रहेगी और वह मध्यक्रम में उतरेंगे।

हेड टू हेड
कुल टेस्ट - 108
भारत - 33 जीत
ऑस्ट्रेलिया - 45 जीत
ड्रॉ - 29
टाई - एक

पिच रिपोर्ट

एडिलेड ओवल की पिच संतुलित मुकाबले का वादा करती है। परंपरागत रूप से अपनी खुरदरी, चटाई जैसी घास और कम मिट्टी की सामग्री के लिए जानी जाने वाली यह पिच मैच के शुरुआती दौर में तेज गेंदबाजों को सहायता प्रदान करती है जैसे-जैसे खेल आगे बढ़ता है, पिच आमतौर पर सपाट हो जाती है, जिससे बल्लेबाजों को अधिक स्वतंत्र रूप से रन बनाने की अनुमति मिलती है यदि वे टिक सकें।

स्पिन से भी भूमिका निभाने की उम्मीद है, खासकर बाद के चरणों में क्योंकि सूखी सतह टर्न और ग्रिप में सहायक होती है। भारत रोशनी के नीचे की परिस्थितियों का फायदा उठाने के लिए अपने गेंदबाजों पर निर्भर करेगा जबकि यशस्वी जायसवाल और केएल राहुल के फॉर्म से मजबूत उनके बल्लेबाज ठोस साझेदारी बनाने का लक्ष्य रखेंगे। ऑस्ट्रेलिया मिशेल स्टार्क की अगुआई में अपने दुर्जेय तेज गेंदबाजी आक्रमण और स्पिन विभाग में हमेशा भरोसेमंद नाथन लियोन के साथ परिस्थितियों का अधिकतम लाभ उठाने की कोशिश करेगा।

**मौसम** - शुक्रवार को दोनों टीमों के लिए बादल छाए रह सकते हैं। 6 दिसंबर को दोपहर 1 बजे एडिलेड टाइम (सुबह 8 बजे आईएसटी) पर आंधी आने की संभावना है। हालांकि टॉस के समय, दोपहर 2 बजे एडिलेड टाइम यानी सुबह 9 बजे आईएसटी तक मौसम साफ होने की उम्मीद है। पांच दिनों (6 दिसंबर से 10 दिसंबर तक) में आंशिक रूप से बादल छाए रह सकते हैं, अधिकतम तापमान 31 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 13 डिग्री सेल्सियस तक गिर सकता है।

**एडिलेड ओवल में टॉस जीतने वाली टीम जीतती है** - ऐतिहासिक रूप से एडिलेड ओवल में टॉस जीतने वाली टीमों के लिए मिश्रित परिणाम देखे गए हैं। यहां खेले गए 6 दिन/रात टेस्ट में से टॉस जीतने वाली टीम केवल तीन बार विजयी हुई है। दिलचस्प बात यह है कि पहले बल्लेबाजी करने वाली टीमों ने इस प्रतिष्ठित स्थल पर 6 दिन/रात टेस्ट में से तीन जीते हैं।

### टीम इस प्रकार हैं

**ऑस्ट्रेलिया प्लेइंग 11** - पैट कमिंस (कप्तान), स्कॉट बोलैंड, एलेक्स कैरी, ट्रैविस हेड, उस्मान ख्वाजा, मार्नस लाबुशेन, नाथन लियोन, मिच मार्श, नाथन मैकस्वीनी, स्टीव स्मिथ, मिशेल स्टार्क।

**भारतीय संभावित 11** - यशस्वी जयसवाल, केएल राहुल, शुबमन गिल, विराट कोहली, रोहित शर्मा (कप्तान), ऋषभ पंत, वाशिंगटन सुंदर, नितीश कुमार रेड्डी, हर्षित राणा, जसप्रित बुमरा, मोहम्मद सिराज

**रोहित के बल्लेबाजी क्रम पर रहेगी नजरें** - पहले टेस्ट में बड़ी जीत से उत्साहित भारतीय टीम शुक्रवार से यहां शुरू होने वाले दूसरे टेस्ट क्रिकेट मैच में अपना विजय अभियान जारी रखते हुए गुलाबी गेंद से अपने रिकॉर्ड में सुधार करने की कोशिश करेगी। इस मैच में कप्तान रोहित शर्मा के बल्लेबाजी क्रम पर भी निगाह टिकी रहेगी और वह मध्यक्रम में उतर सकते हैं।

भारतीय टीम प्रबंधन के लिए निजी कारणों से पहले टेस्ट मैच में नहीं खेलने वाले रोहित और चोट से उबर कर वापसी करने वाले शुभमन गिल के लिए बल्लेबाजी क्रम में जगह तय करना आसान नहीं होगा। भारतीय टीम ने पर्थ में पहले टेस्ट मैच में तमाम विपरीत परिस्थितियों के बावजूद शानदार प्रदर्शन करते हुए 295 रन की रिकॉर्ड जीत हासिल करके बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी के लिए खेली जा रही पांच मैच की श्रृंखला में शुरुआती बढ़त हासिल की।

यह पहला अवसर नहीं है जबकि भारतीय टीम ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ उसकी धरती पर अच्छा प्रदर्शन किया हो। इससे पहले वह पिछले दो अवसरों पर भी ऑस्ट्रेलिया को उसकी धरती पर श्रृंखला में हरा चुका है। भारतीय टीम ऑस्ट्रेलिया के अपने पिछले दौर में एडिलेड में खेले गए दिन रात्रि टेस्ट क्रिकेट मैच में अपनी पहली पारी में 36 रन पर आउट हो गया थी लेकिन इसके बाद उसने अच्छी वापसी करके श्रृंखला जीती थी। इस बार भारतीय टीम पहले मैच में जीत से उत्साह से लबरेज है।

दिन-रात्रि टेस्ट मैच हालांकि भारतीय बल्लेबाजों के सामने अलग तरह की चुनौती पेश करेगा। गुलाबी गेंद से अतिरिक्त सीम मूवमेंट मिलता है और भारतीय बल्लेबाजों को इससे पार पाने के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ खेल दिखाना होगा। ऑस्ट्रेलिया का दिन रात्रि टेस्ट मैच में रिकॉर्ड अच्छा रहा है। उसने अभी तक घरेलू धरती पर जो 12 दिन रात्रि टेस्ट मैच खेले हैं उनमें से उसे केवल एक मैच में हार का सामना करना पड़ा लेकिन पहले टेस्ट मैच में करारी शिकस्त झेलने के कारण इस बार उसकी टीम पर दबाव रहेगा।

भारतीय बल्लेबाजी क्रम में बदलाव होना लगभग तय है। अगर कैनबरा में खेले गए अभ्यास मैच को संकेत माने तो फिर रोहित मध्य क्रम में उतर सकते हैं ताकि अच्छी फॉर्म में चल रहे यशस्वी जयसवाल और केएल राहुल पारी का आगाज कर सकें। रोहित ने 2019 से सलामी बल्लेबाज की भूमिका निभानी शुरू की थी जिससे उनके टेस्ट करियर को नई दिशा मिली लेकिन वह टीम हित में यहां महत्वपूर्ण फैसला कर सकते हैं।

रोहित का बल्लेबाजी क्रम कुछ भी हो, वह बड़ा स्कोर बनाने के लिए बेताब होंगे क्योंकि न्यूजीलैंड के खिलाफ घरेलू श्रृंखला में वह अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाए थे। इसके अलावा ऑस्ट्रेलिया में भी उनका रिकॉर्ड अच्छा नहीं है और वह इसमें सुधार करना चाहेंगे। रोहित और गिल अंतिम एकादश में देवदत्त पडिक्कल और ध्रुव जुरेल की जगह लेंगे। अंगूठे की चोट से उबर कर वापसी करने वाले गिल अभ्यास मैच में अच्छी लय में दिख रहे थे।

# प्रमुख भारतीय क्रिकेटर जो धोनी से नहीं करते बात, एक ने तो हाल ही में किया खुलासा

**मुंबई (एजेंसी)।** भारतीय क्रिकेट में सबसे सम्मानित हस्तियों में से एक एमएस धोनी का खिलाड़ी और कप्तान दोनों के रूप में शानदार करियर रहा है। अपने शांत स्वभाव और मजबूत नेतृत्व के लिए जाने जाने वाले धोनी के अपने साथियों के साथ रिश्ते आम तौर पर अच्छे रहे हैं, लेकिन यह देखा गया है कि कुछ भारतीय क्रिकेटर पेशेवर मतभेदों के कारण उनसे बात नहीं करते हैं। पूर्व स्पिनर हरभजन सिंह ने हाल ही में खुलासा किया कि वह अब धोनी से बात नहीं करते हैं। हरभजन के साथ ही कई अन्य क्रिकेटर भी हैं जो धोनी से बात नहीं करते।

**गौतम गंभीर** - इस अटकलबाजी से अक्सर जुड़ा एक प्रमुख नाम गौतम गंभीर है। 2007 और 2011 में भारत की विश्व कप जीत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले विस्फोटक बाएं हाथ के सलामी बल्लेबाज ने कई मौकों पर सार्वजनिक रूप से धोनी की आलोचना की है, खासकर उनकी कप्तानी के आखिरी चरणों के दौरान लिए गए फैसलों को लेकर। गंभीर की तीखी राय ने तनावपूर्ण संबंधों की अटकलों को हवा दी है।

गंभीर के लिए विवाद का एक और मुद्दा यह है कि धोनी को अक्सर भारत की 2011 विश्व कप जीत सुनिश्चित करने वाले प्रतिष्ठित छक्के का श्रेय दिया जाता है। कथित तौर पर इससे गंभीर नाराज हैं, उनका दृढ़ विश्वास है कि जीत व्यक्तिगत प्रतिभा के बजाय सामूहिक टीम प्रयास थी।

गंभीर ने ऑस्ट्रेलिया में 2012 सीबी सीरीज के दौरान धोनी द्वारा शुरू की गई विवादास्पद रोटेशन नीति पर अपनी नाराजगी के बारे में भी आगे रहे हैं। नीति का उद्देश्य ऑस्ट्रेलिया में 2015 विश्व कप के लिए दीर्घकालिक योजना के हिस्से के रूप में रोहित शर्मा सहित युवा प्रतिभाओं के लिए जगह बनाने के लिए गंभीर, वीरेंद्र सहवाग और सचिन तेंदुलकर जैसे वरिष्ठ खिलाड़ियों को रोटेट करना था। गंभीर ने इस दृष्टिकोण की आलोचना की, क्योंकि इसने टीम के संतुलन को बिगाड़ दिया और अनुभवी खिलाड़ियों को दरकिनार कर दिया।

**युवराज सिंह** - भारत के सबसे महान ऑलराउंडरों में से एक युवराज सिंह के बारे में भी माना जाता है कि उनका धोनी के साथ मतभेद था। भारत की 2011 विश्व कप जीत में अहम भूमिका निभाने के बावजूद युवराज को लगा कि कैंसर से उबरने के बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी के दौरान उन्हें पर्याप्त समर्थन नहीं मिला। पिछले साल रिलीज हुए रणवीर इलाहाबादिया पॉडकास्ट के दौरान युवराज ने खुलासा किया कि धोनी के साथ उनकी दोस्ती मुख्य रूप से क्रिकेट की वजह से थी, क्योंकि उनकी अलग-अलग जीवनशैली का मतलब था कि वे अन्यथा दोस्त नहीं बन सकते थे। उनके तनावपूर्ण संबंधों में महत्वपूर्ण कारक युवराज के पिता योगराज सिंह थे, जो अक्सर सार्वजनिक रूप से धोनी के बारे में अपमानजनक टिप्पणी करते रहते हैं।

**हरभजन सिंह** - 103 टेस्ट मैचों में 417 विकेट लेकर भारत के सबसे महान ऑफ स्पिनरों में से एक हरभजन सिंह ने धोनी की कप्तानी में अपार सफलता हासिल की, जिसमें 2007 टी20 विश्व कप, 2011 वनडे विश्व कप और आईपीएल में चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के साथ उनका कार्यकाल शामिल है। हालांकि हरभजन ने हाल ही में खुलासा किया कि वह 10 साल से धोनी से बात नहीं कर रहे हैं। हालांकि अनुभवी स्पिनर ने अपने मतभेदों के पीछे के कारणों पर गहराई से चर्चा नहीं की, लेकिन उन्होंने उल्लेख किया कि सीएसके के साथ अपने समय के दौरान उनकी बातचीत मैदान तक ही सीमित थी।

पूर्व ऑफ स्पिनर ने यह भी खुलासा किया कि धोनी उनके कॉल का जवाब नहीं देते हैं, जो दोनों के बीच संवाद की कमी का संकेत देता है। उनकी साझा सफलताओं के बावजूद हरभजन की टिप्पणियों से पता चलता है कि पिछले कुछ वर्षों में उनके रिश्ते में दूरियां बढ़ी हैं। इन अटकलों ने सुर्खियां बटोरी हैं, लेकिन यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि इनमें से किसी भी खिलाड़ी ने पूरी तरह से दुश्मनी की पुष्टि नहीं की है और इस तरह की गतिशीलता अक्सर प्रतिस्पर्धी खेलों का हिस्सा होती है।

# पंजाब के सलामी बल्लेबाज ने सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में लगाया सबसे तेज शतक

**राजकोट (एजेंसी)।** पंजाब के सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा ने गुरुवार को सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में मेघालय के खिलाफ रिकार्ड 28 गेंद में शतक जड़ा। इसी के साथ वह विल पटेल के साथ सबसे तेज टी-20 शतक लगाने वाले भारतीय खिलाड़ी बन गए हैं। 143 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी पंजाब के लिए हरनूर सिंह के साथ सलामी बल्लेबाज के रूप में मैदान पर उतरे अभिषेक ने आतिशी बल्लेबाजी करते हुए 29 गेंद में नाबाद 106 रन बनाए। उन्होंने अपनी पारी में आठ चौके और 11 छक्के लगाए। पंजाब ने अभिषेक की इस आक्रामक पारी की बदौलत 9.3 ओवर में ही तीन विकेट पर 144 रन बनाकर मुकाबला जीत लिया। पंजाब की यह ग्रुप ए में सात मैचों में से पांचवीं जीत है और नॉकआउट में जाने के लिए उसने इस जीत के साथ अपने नेट रन रेट में भी बढ़ाया है।

28 गेंद में लगाया गया यह शतक अब विश्व में संयुक्त रूप से दूसरा सबसे तेज शतक है। सबसे तेज शतक का रिकॉर्ड इस्तोनिया के साहिल चौहान के नाम है। साहिल चौहान ने इस वर्ष जून में साइप्रस के खिलाफ 27 गेंद में शतक लगाया था। इससे पहले मेघालय ने बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 20 ओवरों में सात विकेट पर 142 रन का स्कोर खड़ा किया था। मेघालय के अर्पित भटेवरा ने सर्वाधिक (31) रन बनाये। योगेश तिवारी (20), लैरी संगमा (21), जसकीरत सिंह (15), इबितलांग थाबाह (17) और एरियन संगमा (13)रन बनाकर आउट हुए।

# मैं हाथ उठाकर बोल सकता हूं बुमराह अभी तीनों फार्मेट में सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज है : रिकी पोंटिंग

**सिडनी (एजेंसी)।** ऑस्ट्रेलिया के दिग्गज रिकी पोंटिंग ने पर्थ में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ भारत के लिए शानदार प्रदर्शन के बाद भारत के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की 'सभी प्रारूपों में सर्वश्रेष्ठ तेज गेंदबाज' के रूप में सराहना की है। पिछले हफ्ते बुमराह की कप्तानी में भारत ने पर्थ के मैदान पर खेले गए पहले टेस्ट में 295 रनों की जीत हासिल की थी। बुमराह ने पहली पारी में पांच विकेट लेकर ऑस्ट्रेलिया को 104 रनों पर रोक दिया था। फ्रंट-लाइन पेसर मोहम्मद शमी की अनुपस्थिति में बुमराह ने सिराज, हर्षित राणा और नितीश रेड्डी के साथ शानदार गेंदबाजी की।

बहरहाल, पोंटिंग ने कहा कि कप्तान के लिए खड़ा होना बहुत महत्वपूर्ण होता है। मुझे लगता है कि उसने सभी को दिखाया कि वह खेल के सभी प्रारूपों में स्पष्ट रूप से दुनिया का सर्वश्रेष्ठ तेज गेंदबाज क्यों है। पहले दिन ऑस्ट्रेलिया को फायदा हुआ क्योंकि भारत 150 रन पर आउट हो गया। लेकिन इसके बाद बुमराह ने ऑस्ट्रेलियाई शीर्ष क्रम को तोड़ दिया, जिससे उनका स्कोर 19/3 हो गया, नाथन मैकस्वीनी, उस्मान ख्वाजा और स्टीवन स्मिथ सभी पहले सात ओवरों के अंदर उनके शिकार बन गए।

पोंटिंग ने इस बात पर प्रकाश डाला कि कैसे उन्होंने टेस्ट में खुद को हर दूसरे खिलाड़ी से अलग दिखाया। पोंटिंग ने कहा कि उन्होंने वहां क्या किया, न केवल पहली पारी में बल्कि पूरे खेल में? उनकी गति, उनकी निरंतरता, गेंद को हिलाने की उनकी क्षमता, लगातार स्टंप्स को चुनौती देने और स्टंप्स को हिट करने की उनकी क्षमता, यह उनके और बाकी गेंदबाजों के बीच का अंतर था। जब पोंटिंग से बुमराह के कद के बारे में उनकी राय पूछी गई तो वह भड़क गए। उन्होंने कहा कि मुझे लगता है कि वह निश्चित तौर पर भारत के महानतम तेज गेंदबाज हैं। उनसे पहले के कई महान खिलाड़ियों ने तीनों प्रारूपों में उतना नहीं खेला जितना उन्होंने खेला है।

पोंटिंग ने कहा कि मैं अपना हाथ ऊपर उठाकर कह सकता हूं कि टी20 क्रिकेट, वनडे क्रिकेट और टेस्ट मैच क्रिकेट में वह अभी स्पष्ट रूप से सर्वश्रेष्ठ हैं। पोंटिंग ने कहा कि यह सब विकेट के बारे में नहीं है। यह लंबे समय तक उच्च स्तर पर प्रदर्शन करने के बारे में है। हमने दूसरे दिन देखा जब उसे सही परिस्थितियां मिलती हैं, वह कितना अच्छा हो सकता है। उन्होंने कहा कि अगर वह वैसे ही चलते रहे जैसे वह हैं, तो बहुत सारे लोग वही कहेंगे जो ग्लेन मैक्सवेल ने कहा था।

शिखर धवन जन्मदिन विशेष

# करियर के आंकड़े और गब्बर नाम के पीछे की कहानी जानें

**नईदिल्ली (एजेंसी)।** भारत के सलामी बल्लेबाज शिखर धवन आज 5 दिसंबर 2024 को अपना 39वां जन्मदिन मना रहे हैं। 2000 के दशक के अंत में अपने स्टाइलिश स्ट्रोकप्ले और प्रभावशाली प्रदर्शन से प्रमुखता हासिल करने वाले धवन ने जल्द ही भारतीय क्रिकेट टीम में जगह बना ली। 2010 में एक यादगार शुरुआत के बाद उन्होंने 2013 आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी में चमक बिखेरी। आइए इस खास अवसर पर स्टार क्रिकेटर के करियर और आंकड़ों पर नजर डालते हैं-

उन्होंने सभी प्रारूपों में 269 मैचों में मेन इन ब्लू का प्रतिनिधित्व किया जिसमें 24 शतकों के साथ 10,867 रन बनाए। धवन ने भारत के साथ 2013 आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी भी जीती। शिखर धवन ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में भी शानदार करियर का लुत्फ उठाया। भारतीय ओपनर ने इस फ्रैंचाइजी टूर्नामेंट में 222 से ज़्यादा मैच खेले हैं जिसमें उन्होंने 35.26 की औसत से 6769 रन बनाए हैं। उन्होंने अपने करियर में 51 अर्धशतक और दो शतक बनाए हैं।

**गब्बर नाम कैसे पड़ा** - शिखर धवन के 'गब्बर' निकनेम की उत्पत्ति अपने शानदार क्रिकेट करियर में बेहतरीन पारियों की वजह से हुई। उन्होंने निकनेम के पीछे की कहानी का खुलासा किया। एक इंटरव्यू में उन्होंने कहा, %मैं रणजी ट्रॉफी में खेल रहा था और सिली पॉइंट पर बैठा था। जब दूसरी टीम बड़ी साझेदारी करती है, तो खिलाड़ी नीचे बैठ जाते हैं। जब मैं बैठा होता था, तो मैं चिल्लाता था, 'बहुत याराना है साला' और हर कोई हंसने लगता था। हमारे कोच (विजय) ने यहीं से मेरा नाम गब्बर रख दिया। वहां से यह नाम इतना मशहूर हो गया कि अब दुनिया भर के क्रिकेट प्रशंसक मुझे गब्बर ही कहते हैं।

शिखर धवन का रिटायरमेंट के बाद का जीवन

शिखर धवन ने आखिरी बार दिसंबर 2022 में बांग्लादेश के खिलाफ भारतीय जर्सी पहनी थी। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से दो साल की अनुपस्थिति के बाद धवन ने आधिकारिक तौर पर 2024 में अपने रिटायरमेंट की घोषणा की। संन्यास के बाद वह कई गतिविधियों में शामिल रहे हैं। वह लीजेंड्स क्रिकेट लीग (एलएलसी) में शामिल हुए जहां उन्होंने गुजरात ग्रेट्स का प्रतिनिधित्व किया। उन्होंने हाल ही में नेपाल प्रीमियर लीग में कर्णाली याक्स स्टार के रूप में अपनी शुरुआत की।

क्रिकेट के अलावा शिखर धवन वन ग्रुप के साथ व्यावसाय में शामिल हैं। वह साउथ दिल्ली सुपरस्टार्स नामक दिल्ली प्रीमियर लीग टीम के मालिक हैं। धवन ने फिटनेस सेंटर, स्पोर्ट्स इक्विपमेंट लाइन और वेलनेस ब्रांड की एक श्रृंखला में निवेश किया है। वह भविष्य में कमेंट्री पर भी विचार कर रहे हैं।

# भानु पनिया की तूफानी पारी से बड़ौदा ने रचा इतिहास, बनाए 349 रन

## सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में बनाया सबसे बड़ा स्कोर, ठोके 51 गेंद में नाबाद 134 रन

**बड़ौदी (एजेंसी)।** बड़ौदा ने गुरुवार को टी20 क्रिकेट में सर्वोच्च टीम स्कोर बनाते हुए इतिहास रच दिया है। इंदौर में सिक्किम के खिलाफ 20 ओवर में 5 विकेट पर 349 रन बनाते हुए बड़ौदा सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में 300 से अधिक स्कोर बनाने वाली पहली टीम बन गई। जिम्बाब्वे ने इस प्रारूप में सर्वोच्च टीम स्कोर का रिकॉर्ड बनाया, जब उसने इस साल अक्टूबर में गाम्बिया के खिलाफ 344 रन बनाए थे। पिछले सीजन के उप-विजेता बल्लेबाज भानु पनिया ने मात्र 42 गेंदों पर शतक पूरा किया जबकि कुल 51 गेंदें खेलते हुए 134 रन बनाकर नाबाद रहे। अभिमन्यु सिंह, विष्णु सोलंकी और शिवालिक शर्मा ने भी अर्धशतक जड़े। टूर्नामेंट में पहले राउंड में खेलने वाले भारतीय ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या को शुरुआती लाइनअप में शामिल नहीं किया गया। टूर्नामेंट में पिछला सर्वोच्च टीम स्कोर पंजाब के नाम था, जिसने पिछले संस्करण में आंध्र के खिलाफ 275 रन बनाए थे।

### टी20 क्रिकेट में सर्वोच्च टीम स्कोर

बड़ौदा 349/5 बनाम सिक्किम - 2024
जिम्बाब्वे 344/4 बनाम गाम्बिया - 2024
नेपाल 314/3 बनाम मंगोलिया - 2023
भारत 297/6 बनाम बांग्लादेश - 2024

जूनियर एशिया कप 2024

# भारत के नाम, अराइजीत हुंदल के 4 गोल, पाकिस्तान फाइनल में हारा

**मस्कट (एजेंसी)।** अराइजीत सिंह हुंदल के चार गोल की मदद से गत चैंपियन भारत ने पुरुष जूनियर एशिया कप के फाइनल में चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान को 5-3 से हराकर खिताब की हैट्रिक बनाई। यह महाद्वीपीय टूर्नामेंट में भारत का 5वां खिताब है। इससे पहले भारत ने 2004, 2008, 2015 और 2023 में यह खिताब जीता था। कोविड-19 महामारी के कारण यह टूर्नामेंट 2021 में आयोजित नहीं किया गया। हुंदल ने चौथे, 18वें और 54वें मिनट में 3 पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदला और 47वें मिनट में मैदानी गोल दागा। भारत के लिए एक अन्य गोल दिलराज सिंह (19वें मिनट) ने किया। पाकिस्तान के लिए सूफियान खान (30वें और 39वें मिनट) ने 2 पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदला जबकि हन्नान शाहिद ने तीसरे मिनट में मैदानी गोल किया। इससे पहले जापान ने मलेशिया को 2-1 से हराकर तीसरा स्थान हासिल किया। पाकिस्तान ने मुकाबले की अच्छी शुरुआत की और तीसरे मिनट में ही शाहिद के मैदानी गोल से बढ़त बना ली।